MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 06 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-215

आग से खेल!

कॉलेजों में फर्जी अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 05 अगस्त ।

हैदराबाद में सामने आए फर्जी अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्रकरण ने निजी शिक्षा संस्थानों की मान्यता प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लेक पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, कुछ निजी जूनियर कॉलेजों द्वारा कथित रूप से जाली अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर मान्यता और संचालन की प्रक्रिया पूरी की गई। मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

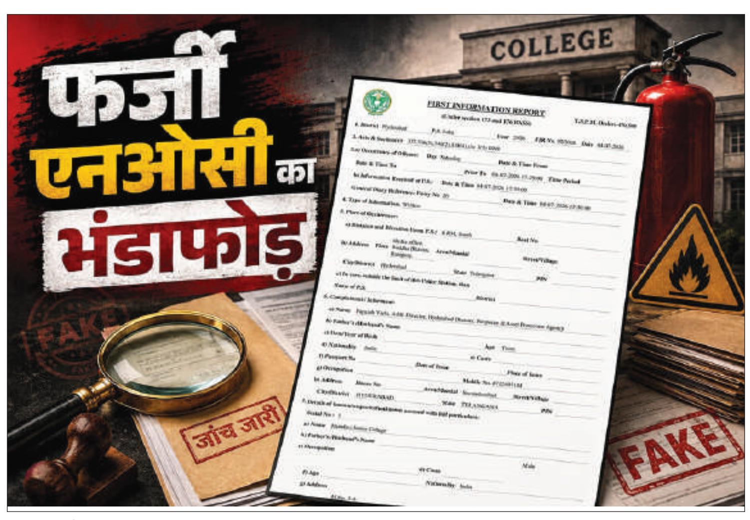

दर्ज शिकायत के अनुसार, यह मामला 4 जुलाई 2026 को लेक पुलिस थाने में अपराध संख्या 92/2026 के रूप में दर्ज किया गया। शिकायत हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण प्राधिकरण (हाइड्रा) के अतिरिक्त निदेशक पापैया वर्ला द्वारा दी गई। शिकायत में कहा गया है कि प्राधिकरण को तेलंगाना सरकार के आदेश के तहत गैर-बहुमंजिला भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने तथा निरीक्षण का अधिकार प्राप्त है।

मामले की शुरुआत 26 फरवरी 2026 को बरकतपुरा स्थित हैंदवी जूनियर कॉलेज के विरुद्ध प्राप्त शिकायत से हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कॉलेज ने फर्जी अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्र का उपयोग किया है। जांच में संबंधित दस्तावेज कथित रूप से जाली पाए जाने के बाद प्राधिकरण ने व्यापक सत्यापन अभियान शुरू किया।

इसके तहत हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरी और संगारेड्डी जिलों के इंटरमीडिएट शिक्षा अधिकारियों से शैक्षणिक वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए जमा किए गए अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्रों की प्रतियां मंगाई गईं। कुल 76 प्रमाण-पत्रों की जांच की गई, जिनमें से आठ प्रमाण-पत्र कथित रूप से फर्जी पाए गए।

प्राथमिकी में जिन संस्थानों के नाम दर्ज हैं, उनमें बरकतपुरा का हैंदवी जूनियर कॉलेज, एस.आर. नगर का रेज़ोनेंस जूनियर कॉलेज, मेहदीपटनम का प्रियंका जूनियर कॉलेज फॉर गर्ल्स, विद्यानगर का मदर्स गर्ल्स जूनियर कॉलेज, चंद्रायणगुट्टा का श्री चंद्रा जूनियर कॉलेज, चिक्कड़पल्ली का न्यू एरा जूनियर कॉलेज, शिवरामपल्ली का शाहीन जूनियर कॉलेज तथा संगारेड्डी जिले के तेल्लापुर का वसिष्ठ जूनियर कॉलेज शामिल हैं। शिकायत के अनुसार, इन संस्थानों द्वारा प्रस्तुत अग्नि सुरक्षा प्रमाण-पत्रों के क्रमांक और तिथियों का भी उल्लेख किया गया है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त मान्यता छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। इसी आधार पर संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर इन संस्थानों की मान्यता और संचालन अनुमति की समीक्षा करने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

मामले में लेक पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 337, 336(3), 340(2), 318(4) तथा धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि कथित फर्जी प्रमाण-पत्र किसने तैयार किए, उन्हें संस्थानों तक किस माध्यम से पहुंचाया गया तथा इस पूरे नेटवर्क में किन-किन व्यक्तियों की भूमिका रही।

फिलहाल मामला जांच के अधीन है। पुलिस दस्तावेजों, संबंधित अधिकारियों और संस्थानों से जुड़े अभिलेखों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कथित जालसाजी के लिए कौन जिम्मेदार है और इस पूरे प्रकरण का वास्तविक दायरा कितना बड़ा है।

जांच एजेंसियों को संदेह है कि यह किसी एक कॉलेज तक सीमित मामला नहीं, बल्कि बिचौलियों का एक संगठित नेटवर्क है। आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन से लाखों रुपये लेकर फर्जी सरकारी प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जाते थे। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि ऐसे मामलों की संख्या सौ से अधिक कॉलेजों तक हो सकती है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और जांच जारी है।

चालू सत्र में लाने राहुल से मिले रिजीजू

परिसीमन बिल 'पास'

नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू के बीच छात्रों पर कथित लाठीचार्ज और चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर जारी गतिरोध समाप्त करने को लेकर महत्व-पूर्ण बैठक हुई। दोनों पक्षों ने समाधान की दिशा में उत्सुकता तो दिखाई, लेकिन किसी ठोस फॉर्मूले पर सहमति नहीं बन सकी। बैठक के दौरान लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से संबंधित परिसीमन विधेयक पर भी चर्चा हुई। सरकार की ओर से कांग्रेस का रुख जानने पहुंचे किरेन रिजीजू को राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस का इस विषय पर रुख पहले जैसा ही है। कांग्रेस ही नहीं, बल्कि समूचा विपक्ष मौजूदा स्वरूप में प्रस्तुत परिसीमन विधेयक का विरोध कर रहा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, सरकार के संभावित कदमों को देखते हुए राहुल गांधी गुरुवार को इंडी गठबंधन के सहयोगी दलों के नेताओं के साथ बैठक कर संयुक्त रणनीति पर चर्चा करेंगे। नेता प्रतिपक्ष और संसदीय कार्य मंत्री की मुलाकात के बाद यह अटकलें भी तेज हो गई हैं कि परिसीमन विधेयक पारित कराने के उद्देश्य से 13 अगस्त को समाप्त होने वाले मानसून सत्र को निर्धारित समय से पहले स्थगित कर स्वतंत्रता दिवस के बाद पुनः बुलाया जा सकता है।

करीब 50 मिनट चली राहुल-रिजीजू की बैठक

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू और राहुल गांधी के बीच लगभग 50 मिनट तक चली बैठक में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी उपस्थित रहीं। कुछ समय बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल तथा लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक के बाद के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि किरेन रिजीजू सरकार का एजेंडा लेकर आए थे। उन्होंने परिसीमन विधेयक पर चर्चा की, लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा में इस विधेयक के विरुद्ध पूरे विपक्ष ने मतदान किया था और पार्टी का रुख अब भी वही है।

गृह मंत्री के बयान पर अड़ा विपक्ष

के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस की मांगें पूरी तरह स्पष्ट हैं। पार्टी चढ़ावा चोरी प्रकरण पर चर्चा तथा छात्रों पर हुए कथित हमले के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संसद में बयान चाहती है। सूत्रों के अनुसार, किरेन रिजीजू ने विदेशी अंशदान विनियमन विधेयक पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री के बयान का प्रस्ताव रखा। इस पर कांग्रेस नेतृत्व ने सभी विपक्षी दलों से विचार-विमर्श के बाद जवाब देने की बात कही। इसी क्रम में शुक्रवार को भी राहुल गांधी और किरेन रिजीजू के बीच एक और बैठक होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, के.सी. वेणुगोपाल ने स्पष्ट किया कि बैठक के दौरान संसदीय कार्य मंत्री ने मानसून सत्र बढ़ाने अथवा कोई विशेष सत्र बुलाने का कोई प्रस्ताव नहीं रखा।

10 दिनों में दूसरी बार हुई मुलाकात

किरेन रिजीजू ने पिछले दस दिनों में दूसरी बार राहुल गांधी से मुलाकात की है। ▶8 पर

कॉकरोच राज-नीति

फिलहाल शिक्षा पर फ़ोकस

मुंबई, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

एंटी पेपर लीक आंदोलन के बाद अब कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने देशभर में अपने संगठन के विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाने का निर्णय लिया है। छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित रणनीति बैठक में यह तय किया गया कि संगठन विभिन्न राज्यों के छात्र संगठनों से जुड़कर शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन को मजबूत करेगा। संगठन ने स्पष्ट किया कि वह चुनावी राजनीति में प्रवेश नहीं करेगा और केवल शिक्षा से जुड़े जनहित के मुद्दों पर ही सक्रिय रहेगा।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके के निवास पर दो दिनों तक चली रणनीति बैठक में आशुतोष रांका, सौरभ दास सहित संगठन के प्रमुख सदस्य शामिल हुए। लगभग सात घंटे तक चली इस बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं विस्तार की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

हर राज्य में छात्र संगठनों से जुड़ने की तैयारी

बैठक में झारखंड, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में चल रहे छात्र आंदोलनों को समर्थन देने पर सहमति बनी। साथ ही देशभर में संगठन का दायरा बढ़ाने और प्रत्येक राज्य के छात्र संगठनों से संपर्क स्थापित करने की योजना तैयार की गई।

अभिजीत दिपके ने टीवी चैनल आज तक से बातचीत में बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य महाराष्ट्र से बाहर संगठन के विस्तार की रूपरेखा तय करना था। उन्होंने कहा कि देश में जहां भी छात्र अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, वहां सीजेपी उनके साथ खड़ा रहेगा। इसके लिए शीघ्र ही विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

बैठक में विभिन्न राज्यों के छात्र संगठनों को जोड़कर एक व्यापक राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार करने का सुझाव भी सामने आया। प्रस्तावित योजना के अनुसार सभी छात्र संगठन अपनी अलग पहचान बनाए रखते हुए भी शिक्षा से जुड़े बड़े मुद्दों पर एकजुट होकर आवाज उठाएंगे। ▶8 पर

मार दो या जेल में ठूंस दो!

दिसंबर में लौटेंगी हसीना

कोलकाता/नई दिल्ली, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिसंबर 2026 में अपने देश लौटने का ऐलान करते हुए कहा है कि उन्होंने वापसी का निर्णय कर लिया है और उचित समय आने पर तारीख की घोषणा करेंगी। उन्होंने कहा कि वह लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था में विश्वास करती हैं तथा बांग्लादेश की जनता के बीच लौटना अपना कर्तव्य मानती हैं। बांग्लादेश में सत्ता से बेदखल होने के ठीक दो वर्ष बाद, 5 अगस्त 2026 को शेख हसीना ने नई दिल्ली स्थित फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब में पत्रकारों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान उनका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था और उन्होंने केवल ऑडियो के माध्यम से अपनी बात रखी। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि यदि बांग्लादेश लौटने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया या देश में प्रवेश नहीं करने दिया गया तो वे क्या करेंगी, शेख हसीना ने कहा कि उनकी किस्मत में जो भी लिखा होगा, वह स्वीकार करेंगी, लेकिन अपने लोगों के बीच अवश्य लौटेंगी।

उन्होंने कहा, जब मेरे देशवासी कठिनाई में हों तो मैं उनसे दूर नहीं रह सकती। मुझे पता है कि मुझे हिरासत में लिया जा सकता है, जेल भेजा जा सकता है या झूठे मामलों में दिए गए फैसलों को लागू करने की कोशिश की जा सकती है। लेकिन डर मेरे लोगों के प्रति मेरे कर्तव्य को तय नहीं कर सकता। मेरी जिंदगी निजी सुरक्षा से कहीं अधिक महत्व-पूर्ण है।

भावुक हुईं शेख हसीना

अपने संबोधन की शुरुआत करते ही 78 वर्षीय शेख हसीना कई बार भावुक होकर रो पड़ीं। उन्होंने वर्ष 1981 का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी उन्हें बांग्लादेश लौटने से रोकने की कोशिश की गई थी, जब ज़ियाउर रहमान सत्ता में थे।

उन्होंने कहा, 1981 में जब मैं घर लौटी, तब भी मुझे रोकने का प्रयास किया गया था। वर्ष 1983, 1985 और 1987 में मुझे गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2007 में भी जब मैं देश लौटना चाहती थी, तब मुझे रोकने की कोशिश हुई, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। मुझे पता है कि इस बार भी मुझे जेल भेजा जा सकता है या मेरी हत्या भी हो सकती है, ▶8 पर

हसीना समर्थक क्रिकेटर शाकिब के घर पर हमला

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के घर पर हमला किए जाने का दावा किया गया है। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने उनके घर में तोड़फोड़ की और आग लगाने का प्रयास किया। यह घटना बुधवार को उस समय सामने आई, जब शाकिब अल हसन नई दिल्ली में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के एक मीडिया कार्यक्रम में शामिल हुए थे। घटना के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार रात मगुरा शहर के ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^{0}
न्यूनतम : 24^{0}

चुनाव से पहले ब्राह्मण अखिलेश

पीडी बोले तो पंडित!

लखनऊ, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को लखनऊ में वरिष्ठ समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती पर आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन के माध्यम से स्पष्ट संकेत दिया कि इस बार उसकी रणनीति भारतीय जनता पार्टी के पारंपरिक ब्राह्मण वोट बैंक में पैठ बनाने की है। राजनीतिक हलकों में अब यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या समाजवादी पार्टी लगभग 100 विधानसभा सीटों पर प्रभाव रखने वाले ब्राह्मण मतदाताओं को अपने पक्ष में आकर्षित कर पाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह चुनौती आसान नहीं होगी। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि, संत समाज का समर्थन, सनातन संस्कृति पर भारतीय जनता पार्टी का जोर तथा हिंदुत्व की राजनीति को देखते हुए परंपरागत रूप से ब्राह्मण मतदाताओं का बड़ा वर्ग भारतीय जनता पार्टी के साथ माना जाता रहा है।

लखनऊ में आयोजित सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन पांडेय, सनातन पांडेय, माता प्रसाद पांडेय, अभिषेक मिश्रा, करुणेश द्विवेदी सहित अनेक युवा ब्राह्मण नेता उपस्थित रहे। ▶8 पर

गुप्ता अंकल अकेले!

अंतिम संस्कार में भी नहीं आयी बेटियाँ

सोनीपत, 05 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के सोनीपत से रिश्तों की बदलती तस्वीर को उजागर करने वाला एक भावुक और मार्मिक मामला सामने आया है। यहां एक पिता अपनी बेटियों से मिलने की अंतिम इच्छा लिए इस दुनिया से विदा हो गया, लेकिन अंतिम समय में भी उसकी तीनों बेटियां उससे मिलने नहीं पहुंचीं। इतना ही नहीं, पिता के अंतिम संस्कार में भी कोई बेटी शामिल नहीं हुई और अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया वीडियो कॉल के माध्यम से देखी गई।

जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र निवासी 74 वर्षीय शिवचरण रामरतन गुप्ता एक समय प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी थे। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व वह अपनी पत्नी मीना गुप्ता के साथ सोनीपत स्थित एक वृद्धाश्रम में रहने आए थे। उनके कोई पुत्र नहीं था। उन्होंने अपनी तीनों बेटियों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाया था, जिनमें से दो अध्यापिका हैं। कुछ समय पहले उनकी पत्नी मीना गुप्ता का निधन हो गया था, जिसके बाद शिवचरण गुप्ता अकेले वृद्धाश्रम में रह रहे थे। वृद्धाश्रम के संचालक आनंद कुमार ने बताया कि लगभग 20 दिन पहले शिवचरण गुप्ता की तबीयत गंभीर होने पर उनकी तीनों बेटियोंअनिता, ▶8 पर

यूक्रेन के नए सैन्य प्रमुख के नेतृत्व में रूस पर 21 जुलाई से हमले बढ़े, अब तक कम से कम 100 लोगों की मौत

मास्को

रूसी विदेश मंत्रालय में विशेष दूत रोडियन मिरोशनिक ने कहा कि यूक्रेन के नए सैन्य प्रमुख मिखाइल द्रापाटी की नियुक्ति के बाद कीव के हमले बढ़ गए हैं ।राजनयिक ने कहा, मेजर जनरल द्रापाटी ने 21 जुलाई को कार्यभार संभाला। तब से लगभग 950 नागरिक प्रभावित हुए हैं। इनमें से 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इस दौरान कम से कम 45 बच्चे प्रभावित हुए। इनमें से 15 की मौत हो गई। द्रापाटी की बदली रणनीति के तहत आम बसों, गाड़ियों, खेती की मशीनों और एम्बुलेंस पर हमले तेज कर दिए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मिरोशनिक ने कहा, द्रापाटी के सैन्य प्रमुख का पद संभालने के साथ ही कायरतापूर्ण हमले बढ़ गए हैं। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती अलेक्जेंडर सिरस्की और पूर्व प्रमुख मिखाइल फेडोरोव की नीति को नहीं बदला, बल्कि पश्चिमी देशों से मिली सैन्य मदद और बड़ी संख्या में आए किलर ड्रोन का इस्तेमाल तेज करने के लिए किया। इससे रूस पर कीव की सैन्य क्षमता को कमजोर करने का दबाव बढ़ गया है। बताया गया है कि यूक्रेन ने रूस पर ड्रोन हमले कर कई गोदामों को निशाना बनाया। यह गोदाम प्राइवेट कंपनियों के हैं। इन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। कार्यवाहक क्षेत्रीय गवर्नर विटाली कोरोल्योव ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा पांच लोगों की मौत चेखोव शहर के एक गोदाम पर हुए ड्रोन हमले में हुई और 10 अन्य घायल हो गए। उधर, सेंट पीटर्सबर्ग में तीसरे रूस-कजाकिस्तान मीडिया फोरम में रूस के उप विदेशमंत्री मिखाइल गलुजिन ने कहा कि यूक्रेन सरकार रूस में आर्थिक बुनियादी ढांचे की सुविधाओं पर हमला करके तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रही है। इस बीच रूस के सैन्य विशेषज्ञ आंद्रे मारोचको ने लुगांस्क में कहा कि देश के सैनिकों ने सुमी क्षेत्र में नोवाया सेच के पास यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगा दी है और मारिनो बस्ती की ओर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि सैनिक सुमी दिशा खासकर इवोल्झांस्की सेक्टर में अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। सबसे पहले, नोवाया सेच बस्ती की ओर से दक्षिण-पूर्व दिशा में दुश्मन की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाई गई है। अब जवान मारिनो बस्ती पर दबाव बना रहे हैं। यह बस्ती खापोव्शचिना के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने 29 जुलाई को नोवाया सेच को यूक्रेन के नियंत्रण से मुक्त कराने की घोषणा की थी ।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के चितवन राष्ट्रीय उद्यान के सौराहा में दिखा सफेद हाथी

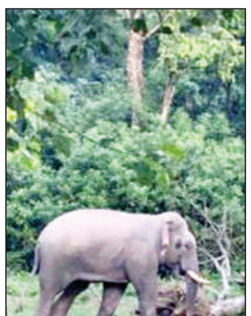

काठमांडू। नेपाल के चितवन राष्ट्रीय उद्यान के सौराहा क्षेत्र में नया सफेद जंगली हाथी दिखा है। इसकी उम्र का अनुमान लगभग 18 से 19 वर्ष लगाया गया है। यह करीब दो सप्ताह से इस क्षेत्र में विचरण कर रहा है। राष्ट्रीय उद्यान के सहायक संरक्षण अधिकारी प्रवीण पौडेल के अनुसार, यह हाथी फिलहाल सौराहा बफर जोन में रह रहा है। हाल ही में वह हाथी प्रजनन केंद्र तक पहुंचाा, लेकिन वहां मौजूद अन्य जंगली हाथियों ने उसे खदेड़ दिया। पौडेल ने बताया कि अब यह हाथी राष्ट्रीय उद्यान तथा राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण न्यास के हाथियों के संरक्षित क्षेत्रों के आसपास घूम रहा है। अब तक इसने किसी मानव बस्ती में प्रवेश नहीं किया है और न ही किसी प्रकार का नुकसान पहुंचाया है। प्रवीण पौडेल के अनुसार, युवा नर हाथी कई बार अपने झुंड से अलग होकर अकेले रहने लगते हैं। चूंकि हाथियों के झुंड का नेतृत्व मादा हाथी करती हैं, इसलिए शरारती या आक्रामक युवा नर हाथियों को झुंड की मुखिया बाहर निकाल देती है। यह बात पूर्व में किए गए अध्ययनों में भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि यह सफेद हाथी अपना अधिकांश समय सौराहा के मध्य क्षेत्र में बिता रहा है और समय-समय पर मादा हाथियों की तलाश में बाड़े तक पहुंच जाता है। चितवन राष्ट्रीय उद्यान में पहले से ही ध्रुवे, गोविन्दे और रोनाल्डो जैसे कई अकेले रहने वाले जंगली हाथी मौजूद हैं। इनसे पहले रोमियो, नाना पाटेकर और मकुना नाम के जंगली हाथी भी इस उद्यान में घूमते रहे हैं।

उत्तर कोरिया ने अमेरिका के नेतृत्व में युद्धाभ्यास को बताया आक्रामक युद्ध की रिहर्सल

सोल। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के नेतृत्व में हाल ही में आयोजित बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास रिम आफ द पैसिफिक को आक्रामक युद्ध की रिहर्सल करार दिया है। साथ ही उसने चेतावनी दी कि वह इसके जवाब में प्रतिरोधक क्षमता को नए स्तर पर ले जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सैन्य टिप्पणीकार के हवाले से प्रकाशित लेख में कहा गया है कि रिमपैक अभ्यास दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग का प्रतीक है और इसका उद्देश्य क्षेत्र में सैन्य दबदबा कायम करना है। लेख में दावा किया गया कि इस बार अभ्यास में दक्षिण कोरिया और जापान की भूमिका पहले की तुलना में ज्यादा व्यापक रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वाशिंगटन तीनों देशों के बीच सैन्य समन्वय और संयुक्त अभियान क्षमता को और मजबूत करना चाहता है। अमेरिकी प्रशांत बेड़े के उप-कमांडर के उस बयान का भी इसमें उल्लेख किया गया, जिसमें कहा गया था कि दक्षिण कोरिया और जापान की भूमिका केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि वास्तविक सैन्य अभियानों के लिए अहम है। उत्तर कोरिया ने इसे इस बात का प्रमाण बताया कि दुनिया के सबसे बड़े नौसैनिक अभ्यासों में शामिल रिमपैक का उद्देश्य संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी करना है। उत्तर कोरिया ने हाल के दक्षिण कोरिया-अमेरिका संयुक्त सैन्य प्रोग्राम्स की भी आलोचना की।

बेसमेंट में चल रही थी मरम्मत, प्लंबर को दिखी रस्सी खोदा चमकी किस्मत, सोने के सिक्कों से भरे बक्से से बंधी थी रस्सी, सिक्कों की कीमत 2.4 मिलियन डालर

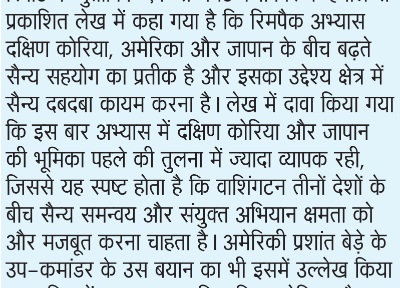

वियना। प्लंबर को एक घर के बेसमेंट की मरम्मत के दौरान सोने के सिक्कों से भरा खजाना मिल गया। इस सोने के सिक्कों की कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 23 करोड़ रुपए बताईग् जा रही है। दसअसल, दुनिया में किसी भी रहस्यमयी रस्सी या केबल को देखकर कोई भी इंसान यह सोच सकता है कि उसके दूसरे सिरे पर क्या होगा, लेकिन शायद ही कभी उसका नतीजा इतना अच्छा होता है कि वह लाखों डालर की कीमत का हो, लेकिन आस्ट्रिया के प्लंबर की तो लाटरी ही लग गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आस्ट्रिया की राजधानी वियना में एक विला की मरम्मत के दौरान प्लंबर को बेसमेंट के फर्श से बाहर निकली हुई एक ऐसी ही रस्सी दिखी। जब उसने उस कंक्रीट को खोदा जिसमें से वह रस्सी निकल रही थी, तो वह हैरान रह गया। वह रस्सी असल में सोने से भरे एक खजाने के बक्से से जुड़ी थी, जिसकी कीमत करीब 2.4 मिलियन डालर थी।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र करते हैं चांद की विनाशक सौर पवन से सुरक्षा : शोध

बीजिंग

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र चांद को विनाशकारी सौर पवन से सुरक्षा प्रदान करती है। चीन के चेंज-6 मिशन द्वारा चांद के फार साइड (अंधेरे हिस्से) से लाए गए सैंपल्स के विश्लेषण से यह बात साबित हुई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हमारी पृथ्वी अंतरिक्ष में एक मजबूत ढाल की तरह काम करती है, जो अपने उपग्रह चांद को सूरज के खतरनाक कोप से बचाती है। इस खोज ने वैज्ञानिकों को पहली बार चांद की मिट्टी में छिपे रासायनिक सिगनेचर को सीधे तौर पर पढ़ने में कामयाबी दिलाई है। चाइनीज एकेडमी आफ साइंसेज के साइंटिस्ट झांग शुहांग और प्रोफेसर ही हुआइयू की टीम ने इस महत्वपूर्ण रिसर्च को पूरा किया है, जिसे नेचर जियोसाइंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है। सोलर विंड दरअसल सूरज से निकलने वाले आवेशित कणों का एक निरंतर बहने वाला तूफान है।

चूंकि चांद के पास अपना कोई वातावरण या मैग्नेटिक फील्ड नहीं है, इसलिए यह सोलर विंड सीधे उसकी सतह से टकराती है। करोड़ों सालों से चांद को कवर करने वाली ढीली मिट्टी, जिसे रिगोलिथ कहते हैं, इन तूफानों का सामना कर रही है और उसने अपने अंदर इस भयंकर टकराव का पूरा रिकार्ड सुरक्षित रखा है। यह मिट्टी नोबल गैसों जैसे हीलियम, नियान, आर्गन, क्रिप्टन और जेनन के लिए एक प्राकृतिक फाइलिंग कैबिनेट की तरह काम करती है, क्योंकि ये गैसें दूसरे तत्वों के साथ बहुत कम प्रतिक्रिया करती हैं और इसलिए सबसे भरोसेमंद गवाह मानी जाती हैं। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती चांद के डार्क साइड के सैंपल्स की अनुपलब्धता थी, जिससे वे पास वाले हिस्से से इसकी तुलना नहीं कर पाते थे। चीन के चेंज-6 मिशन ने इस मुश्किल को आसान कर दिया, जब वह चांद के साउथ पोल-ऐटकेन बेसिन से 1.935 ग्राम रिगोलिथ धरती पर लेकर आया। रिसर्चर्स ने चेंज-6 के मटेरियल का काफी विस्तार से नोबल गैस विश्लेषण किया। इस दौरान, पांचों गैसों के कंसंट्रेशन और आइसोटोप रेशियो को मापा गया, जिसमें नियान के नंबर्स ने सबसे ज्यादा चौंकाया। दो नियान आइसोटोप 20एनई और 22एनई के बीच का रेशियो 11.34 प्लस या माइनस 0.22 निकला, जो चांद के पास वाले हिस्से के पुराने सैंपल्स से काफी कम था।

सालों बाद खुला अंतरिक्ष में दिख रहे साधारण क्षुद्रग्रह का रहस्य

कैलिफोर्निया। अंतरिक्ष के रहस्यमयी पिंड 1998 एसएच2 की वास्तविक पहचान आखिरकार दुनिया के सामने आ गई है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों द्वारा जिसे अब तक एक साधारण क्षुद्रग्रह माना जा रहा था, वह वास्तव में एक सक्रिय धूमकेतु है। इस खोज ने न केवल 30 वर्षों पुराने वैज्ञानिक रहस्य से पर्दा उठाया है, बल्कि ऐसे डार्क कामेट्स के अस्तित्व की ओर भी संकेत किया है, जो सामान्य धूमकेतुओं की तरह स्पष्ट पूंछ या चमक नहीं दिखाते। दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस ताजा अध्ययन के अनुसार, अगस्त 2025 में यह पिंड पृथ्वी से लगभग 30 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरा था। इसी दौरान उपलब्ध नए आंकड़ों और पुराने अवलोकनों का दोबारा विश्लेषण करने पर इसकी वास्तविक प्रकृति सामने आई। शोधकर्ताओं ने बताया कि 1998 से 2016 तक इस पिंड की कक्षा का अध्ययन किया गया था, लेकिन उस समय इसके धूमकेतु होने के स्पष्ट संकेत नहीं मिले। वर्ष 2025 में पृथ्वी के अपेक्षाकृत करीब आने पर वैज्ञानिकों ने इसकी गति और कक्षा का अत्यंत सटीक विश्लेषण किया। आप्टिकल एस्ट्रोमेट्री तकनीक से पता चला कि इसकी गति पर ऐसे गैर-गुरुत्वाकर्षणीय प्रभाव पड़ रहे थे, जिन्हें किसी सामान्य एस्टेरायड से नहीं समझाया जा सकता था। जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के नेविगेशन इंजीनियर डेविड फार्नोचिया के अनुसार, विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि यह पिंड सूर्य की गर्मी के प्रभाव से भीतर मौजूद बर्फ के पिघलने पर बेहद सूक्ष्म मात्रा में गैस छोड़ रहा था। यही गैस इसे हल्का-सा अतिरिक्त धक्का दे रही थी, जिससे इसकी कक्षा में मामूली लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई दे रहे थे। यही व्यवहार सक्रिय धूमकेतुओं की पहचान माना जाता है। वैज्ञानिकों ने दुनिया की शक्तिशाली दूरबीनों से प्राप्त चित्रों का अध्ययन किया, जिनमें इस पिंड के पीछे बेहद हल्की लेकिन स्पष्ट पूंछ दिखाई दी। इसके बाद पुष्टि हुई कि 1998 एसएच2 वास्तव में एक धूमकेतु है। अब इसका आधिकारिक नाम बदलकर पी/1998 एसएच2 कर दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य धूमकेतुओं में गैस और धूल का उत्सर्जन अधिक होता है, जिससे उनकी चमकदार पूंछ और कोमा आसानी से दिखाई देते हैं। लेकिन 1998 एसएच2 में यह गतिविधि बेहद कमजोर थी, इसलिए यह लंबे समय तक एक साधारण एस्टेरायड जैसा दिखाई देता रहा।

ट्रंप के कैलिफोर्निया गोल्फ कोर्स से संदिग्ध गिरफ्तार, हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैलिफोर्निया स्थित गोल्फ कोर्स से दो अगस्त को एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से हथियार और विस्फोटक सामग्री के रूप में गोला-बारूद बरामद हुआ है। इस घटना से सुरक्षा और कानून प्रवर्तक एजेंसियां भौचक हैं। लास एंजिल्स काउंटी शेरिफ विभाग कहा कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के बाहर रविवार को एक हथियारबंद व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। संघीय एजेंटों के अनुसार, यह संदिग्ध व्यक्ति परिसर में घूम रहा था।

रिपोर्ट के अनुसार, एक संघीय कानून प्रवर्तन सूत्र ने बताया कि सीक्रेट सर्विस इस बात की जांच कर रही है कि क्या वह व्यक्ति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए खतरा था। जब संदिग्ध की गिरफ्तारी की घोषणा की गई तब ट्रंप कैलिफोर्निया जा रहे एयर फोर्स 1 विमान में सवार थे। राष्ट्रपति अपने रैंचो पालोस वर्देस गोल्फ कोर्स में रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के डिनर में शामिल होने वाले हैं।

अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध की पहचान डाउनी के 38 वर्षीय जीनिन जान टैले के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि टैले के खिलाफ एल सेगुंडो में डकैती का एक मामला पहले से दर्ज है। शेरिफ विभाग के अनुसार, टैले मैदान पर फोटो खींचने के साथ वीडियो बना रहा था। ऐसा लग रहा था कि वह सुरक्षा गतिविधियों पर नजर रख रहा था। उसे छुपाकर हथियार ले जाने और प्रतिबंधित गोला-बारूद रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

लास एंजिल्स काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटार्नी कार्यालय के अनुसार, टैले ने चार आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। इन आरोपों में नवंबर 2025 की डकैती, ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब में ताजा गिरफ्तारी के बाद दर्ज हथियार से जुड़े तीन आरोप शामिल हैं।

शेरिफ विभाग ने कहा कि एफबीआई की संयुक्त आतंकवाद विरोधी टास्क फोर्स के जासूसों ने टैले के घर की तलाशी ली। इस दौरान एक नोटबुक बरामद हुई। इसमें एआर-स्टाइल राइफल, .45 कैलिबर की पिस्तौल, बाडी आर्मर, ज्यादा क्षमता वाली मैगजीन, गोला-बारूद, रेडियो सिग्नल डिवाइस आदि के बारे में लिखा है।

अंतरिक्ष में भटक रहा नासा का स्विफ्ट बूस्ट मिशन

वाशिंगटन। एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपग्रह को बचाने भेजा गया नासा का महत्वाकांक्षी स्विफ्ट बूस्ट मिशन खुद ही संकट में घिर गया है। बीते दिनों लान्च किया गया लिंक नामक स्पेसक्राफ्ट, जिसे नासा की स्विफ्ट आब्जर्वेटरी की मदद के लिए भेजा गया था, अब तकनीकी खराबी के कारण अंतरिक्ष में भटक रहा है। 3 जुलाई को इस मिशन को नार्थ्राप ग्रुमैन के पेगासस एक्सएल राकेट के माध्यम से धरती की निचली कक्षा में स्थापित किया गया था। एरिजोना स्थित कंपनी कैटलिस्ट स्पेस टेक्नोलाजी द्वारा निर्मित लिंक का मुख्य कार्य नासा की स्विफ्ट आब्जर्वेटरी से जुड़कर उसे उच्च कक्षा में पहुंचाना था, जो ब्रह्मांड में गामा-रे बर्स्ट जैसी तीव्र ऊर्जा वाली घटनाओं की खोज के लिए समर्पित है। लान्च के मात्र कुछ ही हफ्तों के भीतर लिंक स्पेसक्राफ्ट के साथ दिक्कतें शुरू हो गईं। नासा ने हाल ही में एक अपडेट में बताया कि लिंक सर्विसिंग स्पेसक्राफ्ट को अपने एटीट्यूड कंट्रोल (अंतरिक्ष में स्थिति बनाए रखने) में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप यह अंतरिक्ष में अनियंत्रित रूप से गोल-गोल घूमने लगा है और इससे लगातार संपर्क बनाए रखने में भी बाधा आ रही है।

दुनिया के सबसे तेज टोही विमानों में मिग-25 को किया था शामिल

वाशिंगटन

शीत युद्ध के दौर में अमेरिका और सोवियत संघ के बीच सैन्य तकनीक की प्रतिस्पर्धा चरम पर थी। दोनों देशों ने ऐसे लड़ाकू विमान विकसित किए, जिन्होंने आधुनिक विमानन तकनीक को नई दिशा दी। जहां अमेरिका ने अपने अत्याधुनिक एसआर-71 ब्लैकबर्ड में महंगे टाइटेनियम का इस्तेमाल किया, वहीं सोवियत संघ ने मिग-25 फाक्सबैट के निर्माण में निकेल-स्टेनलेस स्टील को प्राथमिकता दी।

यह फैसला उस समय अलग नजर आया, लेकिन इसी तकनीकी सोच ने मिग-25 को दुनिया के सबसे तेज टोही विमानों में शामिल कर दिया। भारतीय वायुसेना में मिग-25आर टोही विमान ने 1981 से 2006 तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कारगिल युद्ध के दौरान आपरेशन सफेद सागर में इस विमान ने दुश्मन की तैनाती, बंकरों, आपूर्ति मार्गों और तोपों की स्थिति की जानकारी जुटाने में अहम योगदान दिया। इसके अलावा, आपरेशन पराक्रम के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया गया।

अमेरिका ने एसआर-71 के लिए टाइटेनियम इसलिए चुना क्योंकि यह हल्का होने के साथ अत्यधिक तापमान सहने में सक्षम था। मैक 2.5 से अधिक की गति पर उड़ते समय विमान की बाहरी सतह का तापमान 300 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच सकता था। ऐसी स्थिति में सामान्य धातुएं कमजोर पड़ सकती थीं। टाइटेनियम ने एसआर-71 को तेज गति और ऊंचाई पर उड़ान भरने की क्षमता दी, लेकिन इसकी तकनीक बेहद गोपनीय रही और इसे कभी दूसरे देशों को नहीं दिया गया। इसके विपरीत, सोवियत इंजीनियरों ने मिग-25 के लिए भारी लेकिन मजबूत स्टील संरचना का विकल्प चुना। विमान का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा निकेल-स्टेनलेस स्टील से बनाया गया, जबकि इसमें कुछ मात्रा में टाइटेनियम और अन्य मिश्रित धातुओं का इस्तेमाल हुआ। स्टील टाइटेनियम की तुलना में भारी था, लेकिन इसकी लागत कम थी और बड़े पैमाने पर उत्पादन आसान था। सोवियत कारखानों में इसकी मरम्मत और निर्माण प्रक्रिया भी अधिक सुविधाजनक थी। मिग-25 का वजन करीब 20 हजार किलोग्राम था, फिर भी इसमें लगाए गए दो शक्तिशाली टर्बोजेट इंजनों ने इसे मैक 2.83 की रफ्तार तक पहुंचने में सक्षम बनाया। यह अपने समय के सबसे तेज सैन्य विमानों में शामिल रहा। इसकी ऊंचाई पर उड़ने और तेज गति से लंबी दूरी तय करने की क्षमता ने इसे दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बेहद प्रभावी बनाया। सोवियत संघ ने मिग-25 की तकनीक अपने सहयोगी देशों को भी दी। मिग-25 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी कम लागत, मजबूत डिजाइन और आसान रखरखाव था। इसी वजह से रूस ने इसे कई देशों को उपलब्ध कराया। भारत जैसे देशों के लिए यह विमान लंबे समय तक रणनीतिक निगरानी क्षमता का महत्वपूर्ण साधन बना रहा। शीत युद्ध की तकनीकी दौड़ में बने ये दोनों विमान आज भी सैन्य इंजीनियरिंग के दो अलग-अलग दृष्टिकोणों के उदाहरण माने जाते हैं।

बांग्लादेश में रंगपुर से लेकर ढाका तक छात्र अशांति, संगठनों में टकराव

ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के समय जुलाई विद्रोह के दौरान लोकतांत्रिक जागृति का प्रतीक रहे शिक्षण संस्थान दो साल बाद लड़ाई के मैदान में बदल गए हैं। दो दिनों के भीतर जातीयतावादी छात्र दल (जेसीडी) और इस्लामी छात्र शिविर के कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें रंगपुर के बेगम रोकेया यूनिवर्सिटी से लेकर राजधानी के जगन्नाथ यूनिवर्सिटी, ढाका कालेज और गवर्नमेंट मदरसा-ए-आलिया तक फैल गईं। इसके बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन को जांच शुरू करनी पड़ी और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा। यह हिंसा विचारधारा, कैंपस में प्रभाव और संगठनात्मक दबदबे को लेकर विरोधी छात्र संगठनों के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पहली बड़ी झड़प बेगम रोकेया यूनिवर्सिटी में जुलाई विद्रोह दिवस के मौके पर आयोजित एक प्रदर्शनी के दौरान हुई। यूनिवर्सिटी प्रशासन के मुताबिक, हिंसा तब शुरू हुई जब छात्र दल के कार्यकर्ताओं ने न्यायिक हत्या शीर्षक वाले एक बैनर पर आपत्ति जताई। इस बैनर पर जमात-ए-इस्लामी और बीएनपी के उन छह नेताओं की तस्वीरें थीं, जिन्हें 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराया गया था। देखते-देखते यह विवाद हिंसक हो गया। परिसर में पांच घंटे से ज्यादा समय तक लाठी-डंडे चले। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं के पास धारदार हथियार, हाकी स्टिक, लोहे की छड़ें, बांस के डंडे और हेलमेट थे। इस दौरान कैंपस के बाहर ट्रैफिक रुक गया। दोनों संगठनों ने हिंसा भड़काने के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। बाद में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया। यह छात्र अशांति ढाका में फैल गई। राजधानी ढाका स्थित जगन्नाथ यूनिवर्सिटी में एक डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग के दौरान विरोधी छात्र समूह आपस में भिड़ गए। इस दौरान यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन के चेयरमैन प्रो. डा. मामून अहमद भी मौजूद रहे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तनाव तब शुरू हुआ जब जगन्नाथ यूनिवर्सिटी सेंट्रल स्टूडेंट्स यूनियन और जातीय छात्र शक्ति के सदस्य कैंपस से जुड़ी कई मांगों को जल्द लागू करने की मांग वाले प्लेकार्ड लेकर आडिटोरियम में घुसने की कोशिश करने लगे। छात्र दल के कार्यकर्ताओं के दखल के बाद स्थिति बिगड़ गई और आखिरकार बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क उठी। बाद में झड़पें नेशनल मेडिकल कालेज हास्पिटल तक पहुंच गईं। यहां घायल छात्रों को इलाज के लिए ले जाया गया था। डाक्टरों ने बताया कि 70 से ज्यादा घायल लोगों का इलाज किया गया। इस हिंसा में छात्र दल, शिबिर, जातीय छात्र शक्ति और यूनिवर्सिटी की सेंट्रल स्टूडेंट्स यूनियन के नेता साथ ही कई पत्रकार घायल हुए हैं। ढाका कालेज भी हिंसा से अछूता नहीं रहा। प्रत्यक्षदर्शियों ने झड़प, ईंट-पत्थर फेंकने और लाठियों व लोहे की छड़ों के खुले प्रदर्शन का दावा किया है। यहां लगभग 20 लोग घायल हुए। दोपहर में बख्शी बाजार के गवर्नमेंट मदरसा-ए-आलिया में हिंसा फैल गई। इस हिंसा में प्रिंसिपल समेत कई लोग घायल हो गए। राजधानी के शिक्षण संस्थानों में बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। बेगम रोकेया यूनिवर्सिटी प्रशासन और जगन्नाथ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने जांच समितियों की घोषणा की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 अगस्त 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी सायं 06:54 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 08:14 तक
योग : गण्ड सायं 03:00 तक
करण : बालव प्रातः 07:53 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 01:53 तक
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :
चातुर्मास व्रत वाले मनुष्य को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दक्षिण और मध्य भारत की सबसे बड़ी प्लास्टिक प्रदर्शनी हाइप्लेक्स 2026 का उद्घाटन कल

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू शुक्रवार दि. 7 अगस्त को सुबह 11:30 बजे हाईटेक्स एग्जिबिशन सेंटर में हाइप्लेक्स 2026 का उद्घाटन करेंगे। यह दक्षिण और मध्य भारत की सबसे बड़ी तथा देश की तीसरी सबसे बड़ी प्लास्टिक प्रदर्शनी है।

तेलंगाना एंड आंध्र प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (तापमा) द्वारा आयोजित यह चार दिवसीय त्रिवार्षिक प्रदर्शनी 7 से 10 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। 26,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र और 7 नुमाइश हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी हाइप्लेक्स के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा संस्करण होगी।

निःशुल्क पंजीकरण और प्रवेश शुल्क

यह प्रदर्शनी चारों दिन सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आम और व्यावसायिक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। 6 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण कराने वाले आगंतुकों के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है, जबकि 7 अगस्त से स्थल (वेन्यू) पर टिकट लेकर प्रवेश करने वालों को 300 प्रति व्यक्ति शुल्क देना होगा।

550 से अधिक प्रदर्शक और 55,000 कारोबारी

एफटीसीसीआई में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान तापमा के अध्यक्ष नरेंद्र बालद्वा, हाइप्लेक्स 2026 के संयोजक मीला जयदेव, एआईपीएमए के

वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल रेड्डी वेन्नम और ताप्मा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एन. भास्कर रेड्डी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में देश–विदेश के 550 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। प्रदर्शनी में गुजरात से 160, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से 110 तथा चीन से लगभग 40 कंपनियां शामिल होंगी। आयोजन में 55,000 से अधिक व्यावसायिक आगंतुकों के पहुंचने की संभावना है।

रीसाइक्लिंग पैवेलियन बनेगा मुख्य आकर्षण

प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण एक विशेष रीसाइक्लिंग पैवेलियन होगा, जहां कचरे से संसाधन बनाने की तकनीक का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा।

टी–शर्ट से लेकर मकान तक: यहां दर्शाया जाएगा कि कैसे केवल 25 बेकार पीईटी बोतलों से एक पहनने योग्य टी–शर्ट बनाई जा सकती है। इसके अलावा रीसायकल प्लास्टिक से बनी सड़कें, रेलवे स्लीपर, ईंटें, बेंच, बस शेल्टर, फर्नीचर और मकान भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

तेलंगाना के स्कूलों में रीसायकल प्लास्टिक बेंच: मीला जयदेव ने बताया कि तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में जल्द ही रीसायकल प्लास्टिक से बनी बेंचें पेश की जाएंगी। भारत में अब तक प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके 1 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जा चुका है।

इसी साल आ सकते हैं 10 और 20 के पॉलिमर नोट

एआईपीएमए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल रेड्डी वेन्नम ने केंद्र सरकार द्वारा 10 और 20 के पॉलिमर (प्लास्टिक) बैंक नोट शुरू करने की दिशा में उठाए गए कदमों का स्वागत किया। उद्योगजगत की चर्चाओं के अनुसार, ये पॉलिमर करेंसी नोट इस वर्ष के अंत तक चलन में आ सकते हैं (अंतिम निर्णय आरबीआई और केंद्र सरकार का होगा)। ये नोट कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ और सुरक्षित होते हैं।

चिकित्सा और आधुनिक तकनीक में प्लास्टिक का योगदान

विशेषज्ञों के अनुसार, आज प्लास्टिक का दायरा केवल पैकेजिंग तक सीमित नहीं है। उन्नत मेडिकल–ग्रेड पॉलिमर का उपयोग कृत्रिम जोड़ों, हृदय संबंधी उपकरणों और अगली पीढ़ी के कृत्रिम हृदय के निर्माण में हो रहा है। इसके अलावा एयरोस्पेस, रक्षा, ऑटोमोबाइल और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में भी प्लास्टिक स्टील और तांबे का एक मजबूत विकल्प बनकर उभरा है।

फेडरेशन ऑफ आल इंडिया कैटरिंग असोसिएशन द्वारा जयपुर में आयोजित समारोह में नगरद्वय के भण्डारी कैटरिंग सर्विसेस के रामप्रकाश भण्डारी को 'एक्सलेंस अवार्ड फॉर इंडिय क्यूसिन' से सम्मानित किए जाने पर आबिड्स स्थित संतोष ढाबा जशन में रामप्रकाश भण्डारी का सम्मान करते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, ब्रिजगोपाल भूतडा, विनोद भाटी, दीपक बंग, अनूप चाण्डक, श्रीनाथ मणियार, निर्मल अन्ना, दिनेश बंग, आनन्द साँखला, महेन्दर खत्री, प्रफुल जैन, दीपक चोखानी एवं अन्य।

इन्वेस्टमेंट फ्रॉड से सावधान रहें: अंबर किशोर झा

पेद्दापल्ली, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम विभाग की ओर से गोदावरीखानी के इलंदू क्लब में सिंगरेनी एचओडी अधिकारियों के लिए साइबर जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अगस्त माह के साइबर अवेयरनेस प्रोग्राम सुरक्षा तिरंगा – साइबर इंडिपेंडेंट तेलंगाना के अंतर्गत आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने साइबर अवेयरनेस पोस्टर जारी किए तथा प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि राज्य में दर्ज साइबर अपराधों में लगभग 30 प्रतिशत मामले निवेश धोखाधड़ी (इन्वेस्टमेंट फ्रॉड) के हैं। अपराधी मुख्य रूप से बचत करने वाले कर्मचारी, सेवानिवृत्त व्यक्ति और आर्थिक रूप से स्थिर लोगों को निशाना बनाते हैं। कमिश्नर ने आगाह किया कि आकर्षक विज्ञापनों और ऊंचे मुनाफे के वादों के जरिए लोगों को जाल

में फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बारे में किसी को मत बताना जैसी बातें सुनते ही सतर्क हो जाएं और तुरंत परिवार या पुलिस से संपर्क करें। संदेह होने पर तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। सिंगरेनी आरजी–1 के जीएम ललित कुमार ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल से डीपफेक वीडियो और ऑडियो आसानी से बनाए जा रहे हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को नियमित रूप से साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में पेद्दापल्ली डीसीपी बी. राम रेड्डी, साइबर क्राइम एसीपी रंगा रेड्डी सहित कई अधिकारी और सिंगरेनी के एचओडी अधिकारी मौजूद रहे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा–अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की विधि–विधानपूर्वक पूजा एवं आरती संपन्न हुई। पूजा–अर्चना के उपरांत भगवान गणेश को प्रसाद स्वरूप कदंभत का भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच गरमागरम एवं स्वादिष्ट कदंभत प्रसाद वितरित किया गया, जिसे सभी ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार सरायवाला, राहुल सिंघल, अशोक लाखोटिया, सुरेश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, सीए मंसाराम अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, एडवोकेट पी.सी. जैन, सुदर्शन गारू, अजय कुमार अग्रवाल तथा श्रीनिवास भीम सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद में ही दिखती है सच्ची निस्वार्थ सेवा की मिसाल : कमल मूंदड़ा

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में प्रतिदिन संचालित होने वाले नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम में आज सेवा, समर्पण और मानवता का एक प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए समाजसेवी कमल मूंदड़ा ने कहा कि आज के समय में निस्वार्थ भाव से सेवा करना अत्यंत दुर्लभ होता जा रहा है, लेकिन राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि मन में करुणा, प्रेम और परोपकार की भावना हो तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब कोई भूखा व्यक्ति सम्मान के साथ भोजन प्राप्त करता है, तब केवल उसका पेट ही नहीं भरता, बल्कि

उसके मन में भी आशा और विश्वास का दीपक जल उठता है। यही सच्ची मानव सेवा है और यही ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद तक भोजन पहुँचाकर मानवता की ऐसी मिसाल प्रस्तुत कर रहा है, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

कमल मूंदड़ा ने कहा कि सेवा केवल आर्थिक सहयोग का नाम नहीं है, बल्कि किसी के दुःख को अपना दुःख समझना, पीड़ित और जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना तथा समाज में प्रेम, अपनापन और भाईचारे का वातावरण बनाना ही वास्तविक सेवा है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के प्रत्येक सदस्य का समर्पण, अनुशासन और सेवा भाव वास्तव में प्रशंसनीय है। यह संगठन निरंतर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने का कार्य कर रहा है और इसी कारण आज हजारों लोगों की आस्था इस सेवा अभियान से जुड़ती जा रही है। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, उमाकांत गुप्ता, संजय गुप्ता, सुभाष भागेरिया, कमल मूंदड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नियमित अन्नदान सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाई और जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा के इस पुनीत अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का वातावरण सेवा, समर्पण और सामाजिक सद्भाव से ओत–प्रोत रहा।

सरकारी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करें: जिला कलेक्टर

सुल्तानबाद, 5 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर कोया श्रीहरशा ने बुधवार को सुल्तानबाद सरकारी अस्पताल का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी विभाग, वार्ड, प्रसूति विभाग, प्रयोगशाला, फार्मेसी और मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं का जायजा लिया।

इस अवसर पर कलेक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण और समय पर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पालन समय पर करें तथा मरीजों के साथ विनम्र व्यवहार रखें, ताकि जनता का सरकारी अस्पतालों पर विश्वास बढ़े। कलेक्टर ने प्रसव को सरकारी अस्पताल में ही सुनिश्चित करने, सभी गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करने तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम और चिकित्सा कर्मचारियों के समन्वय से आवश्यक परीक्षण कराने पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, वार्ड, शौचालय और परिसर को साफ रखने, दवाएं व परीक्षण समय पर उपलब्ध कराने तथा आपातकालीन सेवाओं में किसी भी लापरवाही से बचने के निर्देश दिए। मरीजों की शिकायतों का तुरंत समाधान करने और रेफरल कम करते हुए स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि सेवा भाव से कार्य करके ही सरकारी अस्पतालों में जनता का विश्वास और बढ़ाया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान संबंधित चिकित्सा अधिकारी और अस्पताल कर्मचारी मौजूद रहे।

हैदराबाद की कंपनी ने टीटीडी ट्रस्ट को दो करोड़ किये दान

तिरुमाला, 05 अगस्त (एजेंसियां) तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद की एक प्रतिष्ठित कंपनी ने बुधवार को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के श्री वेंकटेश्वर ट्रस्ट को दो करोड़ रुपये का दान दिया।

ट्रिनिटी कंबाइन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के दानदाताओं आर. सीताम रेड्डी, जी. कविता, त्रिनय रेड्डी और त्रिभुवन रेड्डी ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर के अंदर रंगनायकुल मंडप में टीटीडी के अपर कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी को डिमांड ड्राफ्ट के रूप में यह दान सौंपा है।

जियागुड़ा स्थित स्वामी समर्थ गौशाला में आज गौसेवक एवं समाजसेवी श्री हरिकिशन जी वर्मा के जन्मदिन के अवसर पर गौसेवा की गई। इसके पश्चात गौशाला के प्रभुदत्त जी महाराज एवं अन्य साथियों ने श्री हरिकिशन वर्मा का शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया।
इस अवसर पर प्रभुदत्त जी महाराज, नथमल मायच्छ, पंकज वर्मा, महावीर प्रसाद कड़ेल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, सत्यनारायण मौसूण, सुरेश परवाल, श्रीनिवास परवाल, शरद वर्मा एवं कशिश वर्मा उपस्थित रहे।

क्या आप जानते हैं कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां क्यों थी।

संख्या पढकर चौंक गए परंतु यह सत्य है, शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख है कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां थी। वास्तव में उनकी 16,108 पत्नियां थी। हम सभी जानते हैं कि प्राचीन काल में बहुविवाह प्रथा बहुत लोकप्रिय थी, फिर भी 16,108 की संख्या बहुत अधिक लगती है। भारतीय पौराणिक कथाओं में कई ऐसी कहानियाँ हैं जो काफी रोचक हैं। भगवान कृष्ण अपने चमत्कारों के लिए जाने जाते हैं जिनकी रोचक कहानियाँ हमारे मन में कुतूहल उत्पन्न करती है। राधा के साथ उनका आत्मिक प्रेम, आठ सुन्दर राजकुमारियों से विवाह तथा फिर भी 16,000 और अधिक पत्नियां निश्चित रूप से हमें आश्चर्यचकित कर यह जानने के लिए मजबूर कर देते हैं कि इन सब के पीछे क्या कारण होगा। यदि हम शास्त्रों में देखें तो हम देखेंगे कि भगवान कृष्ण से राधा से कभी भी विवाह नहीं किया था।

क्यूं पड गया श्री कृष्ण के शरीर का रंग नीला परन्तु उन्होंने आठ महिलाओं से शादी की। उनकी आठ पत्नियों के नाम रुक्मिणी, सत्यभामा, जाम्बवती, कालिंदी, मित्रविंदा, नाग्नाजिती, भद्रा और लक्ष्मणा थे। उनमें से सत्यभामा और रुक्मिणी प्रसिद्ध हैं। अब 16,000 पत्नियों की कहानी की ओर बढते हैं। हम सभी जानते हैं कि भगवान कृष्ण एक चमत्कारी राजा थे। उनके साथ जो कुछ भी हुआ उसके पीछे कोई न कोई कारण था। अत: यह कहना सही नहीं होगा कि 16,108 पत्नियां कृष्ण लीला का एक हिस्सा थी। अत: ऐसी क्या परिस्थिति हुई कि भगवान कृष्ण को 16,000 महिलाओं से विवाह करना पडा आइए देखें।

महाभारत से जुडे कुछ रोचक रहस्य नरकासुर की कहानी नरकासुर प्रग्ज्योतिषा का राजा था। यह स्थान अब असम के नाम से जाना जाता है। वह विष्णु के सूअर अवतार वराह और पृथ्वी की देवी भूमि देवी का पुत्र था। भूमि का पुत्र होने के कारण उसे भौम या भौमासुर भी कहा जाता था। उसने स्वर्ग, धरती और पाताल तीनों विश्व पर कब्जा कर लिया था। उसने पृथ्वी पर जिन 16,000 देशों पर विजय प्राप्त की थी उन देशों की राजकुमारियों को कैद कर लिया था।

स्वर्ग में उसने स्वर्ग और देवों के देव इंद्रदेव की मां अदिति के कान के बाले (इयररिंग) चुराए। पाताल में उसने पानी के देवता वरुण का शाही छाता चुरा लिया। उसने राजकुमारियों को एक पर्वत पर बंदी बना कर रखा। इसी दौरान इंद्र ने अदिति के कान के बाले वापस लाने तथा विश्व को इस राक्षस की क्रूरता से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान कृष्ण से नरकासुर के साथ युद्ध करने की याचना की। अत: भगवान कृष्ण ने राक्षस का वध कर दिया। लूट का माल नरकासुर की मृत्यु के पश्चात भूमि देवी ने सभी चुराई हुई चीजें कृष्ण को वापस कर दीं जिसमें 16,000 महिलायें भी शामिल थी। श्री कृष्ण ने उन्हें मुक्त कर दिया परन्तु उन महिलाओं से इसका पालन नहीं किया।

सामाजिक कलंक प्राचीन काल में जब कोई राजा किसी अन्य राज्य की महिला का अपहरण कर लेता था तो राजा के परास्त होने के बाद भी उस महिला को राज्य में वापस नहीं लिया जाता था। उन्हें एक कलंकित और शर्मनाक जीवन व्यतीत करना पडता था क्योंकि ऐसा माना जाता था कि किसी दूसरे व्यक्ति ने उन्हें स्पर्श किया है। नरकासुर की कैद में रहने वाली 16,108 महिलाओं को भी यह सहन करना पडा। अत: उन सभी ने भगवान कृष्ण से प्रार्थना की कि वे उन सभी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लें। 16,108 पत्नियां अत: भगवान कृष्ण ने उन सभी से विवाह कर लिया। भागवत पुराण में विवाह के बाद कृष्ण की पत्नियों के जीवन के बारे में बताया गया है। प्रत्येक पत्नी को एक घर और सौ दासियाँ दी गयी थीं। कृष्ण ने स्वयं को कई रूपों में बाँट लेते थे तथा इस प्रकार रात में प्रत्येक पत्नी के साथ रहते थे। सुबह उनके सभी रूप मिलकर कृष्ण बन जाते और वे द्वारका के राजा रूप में आ जाते। कृष्ण की प्रत्येक पत्नी व्यक्तिगत तौर पर उन्हें नहला कर, सजा कर, पंखा झलकर, उन्हें उपहार और फूलों की माला देकर उनकी पूजा करती थी।

चमत्कारी राजा एक कथा के अनुसार एक बार उपद्रवी मुनि नारद ने कृष्ण से प्रार्थना की कि वे अपनी पत्नियों में से एक पत्नी उन्हें दे दें क्योंकि वे कुंवारें हैं। कृष्ण ने उनसे कहा कि आप किसी भी पत्नी को उस समय जीत कर दिखाएँ जब मैं (कृष्ण) उनके साथ न रहूँ। नारद कृष्ण की सभी 16,108 पत्नियों के घर गए परन्तु सभी घरों में कृष्ण उपस्थित थे। इस पारकर नारद कुवारें रह गए। इस घटना को देखकर नारद आश्वस्त हो गए कि भगवान कृष्ण के रूप में एक देवत्व था, एक पूर्ण और विविध आकार वाली अभिव्यक्ति जो एक ही समय में अपनी 16,000 पत्नियों के साथ का आनंद उठा रही थी। यही कारण है कि भगवान कृष्ण को सर्वशक्तिमान माना जाता है जो किसी न किसी रूप में अपने भक्तों के साथ रहते हैं जैसे वे अपनी 16,108 पत्नियों के साथ रहते थे।

कुंडली में मांगलिक दोष निवारण के उपाय

मांगलिक दोष क्या है।

जन्मपत्री की कुंडली में 12 स्थान होते हैं। इनमे से यदि पहले, दुसरे, चौथे, सातवे, आठवे और बारहवें स्थान में मंगल होता है तो मांगलिक दोष होता है। मांगलिक दोष वाले व्यक्ति पर मंगल गृह की बुरी छायां होती है। यह प्रभाव शादी के समय बहुत मायने रखता है क्यों कि शादी के समय कुंडली मिलान का यह सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। शादी से पहले व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष को देखना और इसका निवारण करना जरूरी है।

मांगलिक दोष के लक्षण

1. स्त्री और पुरुष दोनों में मांगलिक दोष हो सकता है।

2. मंगल को उग्रता वाला गृह माना जाता है इसलिए मांगलिक दोष वाले लोगों का स्वाभाव गर्म माना जाता है।

3. मांगलिक लोगों में बहुत गर्म और उग्र ऊर्जा होता है जिसका यदि सही इस्तेमाल नहीं किया जाए तो यह कुछ ना कुछ गलत हो सकता है।

4. मांगलिक दोष के कारण शादी में देरी होती है।

5.मंगल दोष के कारण शादी में कलह और तनाव रहता है।

6. दो मांगलिक लोगों का आपस में विवाह करने से इसका बुरा प्रभाव दूर होता है।

7. ऐसा माना जाता है कि जिन्होंने पिछले जन्म में अपने पार्टनर के साथ बुरा किया उनमें यह दोष पाया जाता है।

मंगल कब समस्या पैदा करता है

1.यदि मंगल पहले स्थान में है तो शादी के बाद विवाद और हिंसा की सम्भावना रहती है।

2. जब मंगल दुसरे स्थान में रहता है तो व्यक्ति के परिवार के कारण उसका विवाह और नौकरी पेशा प्रभावित होता है।

3. जब मंगल चौथे स्थान में रहता है तो व्यक्ति व्यावसायिक तौर पर सफलता प्राप्त नहीं करता है और लगातार जॉब बदलता है।

4. यदि मंगल सातवे स्थान में होता है तो उसका स्वाभाव उग्र होता है, जिसके कारण वह अपने परिवार से भी मधुर सम्बन्ध नहीं रख पाता है।

5. यदि मंगल आठवे स्थान में होता है तो वह व्यक्ति परिवारजनों द्वारा अलग कर दिया जाता है और जायदाद से बेदखल हो जाता है।

6. जब मंगल दसवे स्थान में होता है तो व्यक्ति को दिमाग से सम्बंधित समस्याएं होती है साथ ही इससे दुश्मन पैदा होना या आर्थिक नुकसान जैसी चीजें भी हो सकती हैं।

मांगलिक दोष निवारण के उपाय

1. दो मांगलिक लोगों का विवाह करने से इसका प्रभाव खत्म हो जाता है।

2. कुम्भ विवाह भी इसका एक समाधान है। इस विवाह में व्यक्ति को शादी से पूर्व किसी पेड से या कलश से विवाह करना पडता है।

3. मंगलवार का व्रत करने से भी इसका बुरा प्रभाव कम होता है। इस व्रत में मांगलिक लोगों को तूर दाल ही खानी होती है।

4. मंगलवार को नवग्रह मन्त्र या हनुमान चालीसा का जाप करने से भी मांगलिक दोष का असर कम होता है।

5. मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर पूजा करना भी मंगल दोष के निवारण का अच्छा उपाय है।

6. ज्योतिषियों के अनुसार मांगलिक दोष वाले लोगों को लाल मूंगा जडित सोने की अंगूठी दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करनी चाहिए।

7. मांगलिक लोगों को 28 साल की उम्र के बाद शादी करने की सलाह दी जाती है क्यों कि उम्र के अनुसार दोष का असर भी कम हो जाता है।

हिंदू धर्म में सिंदूर का महत्व

आमतौर पर सिंदूर को हिंदू महिलाओं द्वारा लगाया जाता है तथा इसका महत्व हिंदू पौराणिक कथाओं में छुपा है। सिंदूर, एक स्त्री के विवाहित होने की निशानी है तथा इसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना करते लगाती हैं। इसे माथे पर बालों के बीच में लगाया जाता है।

हिंदू धर्म में, इसे लगाने का हक केवल विवाहित महिलाओं को दिया गया है। एक प्रचलित मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती ने अपने पति के सम्मान के लिए अपने जीवन की आहुति दी थी जिसके कारण सिंदूर को देवी पार्वती का प्रतीक माना जाता है। अत:, माना जाता है कि जो महिला अपने माथे पर सिंदूर धारण करती है, देवी पार्वती का हाथ उसके सर पर सदैव बना रहता है तथा देवी पार्वती हर समय उसके पति की रक्षा करती है।

भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग इसके अलावा सिंदूर धारण करने के कई ऐतिहासिक प्रमाण भी मौजूद हैं। तो चलें, उन महत्वपूर्ण कारणों के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं।

1 ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, मेष राशि का स्थान माथे पर होता है। मंगल, मेष राशि का स्वामी ग्रह है और क्योंकि मंगल ग्रह का रंग लाल होता है, इसे शुभ माना जाता है। अत: इसे सौभाग्य का संकेत भी माना जाता है।

2 सिंदूर को नारी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह शक्ति एक पत्नी को किसी भी मुश्किल घडी में अपने पति की रक्षा करने में मदद करती है।

3 उत्तर भारत में नवरात्रि व संक्राति के त्योहारों पर विवाहित स्त्रियों के लिए सिंदूर लगाना अत्यंत अनिवार्य है। इससे पता चलता है कि सिंदूर धार्मिक कारणों की वजह से भी बहुत महत्व रखता है। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपा हुआ है ये विज्ञान

4 सिंदूर लगाने का एक और दिलचस्प कारण भी है। सिंदूर को धातु पारे के साथ हल्दी व चूने के मिश्रण से तैयार किया जाता है। पारा रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करता है एवं महिलाओं की यौन इच्छा को सक्रिय करता है। जिसके कारण इसमें एक शारीरिक महत्व भी शामिल हो जाता है। इसलिए सिंदूर को हमारी भावनाओं के केन्द्र, पिट्यूटरी ग्रंथ पर लगाना चाहिए।

धन का संचय उतना ही करना चाहिए जितनी जरूरत हो

बात उस समय की है जब गुरु नानक देव लाहौर यात्रा पर थे। वह एक अजीब नियम था। वो यह कि जिस व्यक्ति के पास जितनी अधिक संपत्ति वह अपने घर के ऊपर उतने ही झंडे लगाता था।लाहौर में दुनीचंद्र के पास 20 करोड रुपए की संपत्ति थी। इसलिए उसके घर की छत पर 20 झंडे फ्हरा रहे थे। दुनीचंद्र को पता चला कि गुरु नानक जी लाहौर आए हैं तो वो उनसे मिलने गया। दुनीचंद्र ने गुरुनानक जी से सेवा का अवसर मांगा। गुरु नानक जी ने उसे एक सुई देते हुए कहा, इसे ले जाइए और अगले जन्म में मुझे वापस कीजिएगा। दुनीचंद्र ने सुई ले ली। लेकिन उसने सोचा कि अगले जन्म में यह सुई मैं कैसे ले जा सकूंगा। वह वापस गुरु नानक जी के पास गया और उसने कहा, मरने के बाद में यह सुई कैसे ले जा सकता हूं। तब गुरु नानक जी ने कहा, जब तुम एक सुई अपने अगले जन्म में नहीं ले जा सकते तो इतनी सारी संपत्ति कैसे ले जा सकोगे। दुनीचंद्र ने जब यह बात सुनी तो उसकी आंखें खुल गईं।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

हिंदु धर्म में राहु और केतू दो ग्रह हैं जिन्हे दोष के रूप में जाना जाता है। राहु और केतू, एक ही असुर का नाम है जिसने अमृत मंथन के दौरान छल से अमृत पी लिया था और जब उसने आधा अमृत पी लिया तब पता चला कि वह असुर है तो भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उसका गला काट दिया। वह मरा नहीं, लेकिन सिर और धड दो हिस्सों में बंट गया, जिसे राहु-केतु के नाम से जाना गया। ये एक ग्रह बन गए जो लोगों की कुंडली में दोष माने जाते हैं। हिंदू धर्म में इन्हे दूर करने के कई उपाय हैं, जिन्हे लोगों के द्वारा अपनाया जाता है। अगर आप भी जानना चाहते है कि जीवन से राहु-केतु का दोष किस प्रकार दूर करना है। तो इन आध्यात्मिक उपायों को जानें।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

प्रत्येक शनिवार शाकाहारी भोजन करें: राहु और केतू दोष ग्रह है। इसके लिए आपको शनिवार को पूजा क रनी चाहिए और इस दिन पूर्णत: शाकाहारी भोजन का सेवन करना चाहिए।

भगवान शिव की पूजा करें: अगर आपकी कुंडली में राहु-केतू का दोष है तो भगवान शिव की पूजा करें। भगवान शिव, राहु-केतू और शनि के दोषों का निवारण करते है। आप प्रतिदिन 21 बार ओउम् नम: शिवाय का जाप करें। राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें: राहु और केतू के दोषों को शांत करने के लिए आप राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें। इस पूजा को आप घर पर आयोजित करवाएं, इससे आपके घर में सुख और शांति भी आएगी। श्रीकलाहस्ती मंदिर के दर्शन करें: श्रीकला हस्ती मंदिर आंध्रप्रदेश में स्थित है। जिन लोगों के जीवन में राहु-केतू दोष है वह इस मंदिर में दर्शन के लिए अवश्य जाएं। साल में भारी संख्या में लोग यहां दर्शन करने आते है।

दान: राहु-केतू दोष होने पर आप शनिवार को सरसों का तेल दान करें, गेहूं, नारियल, केला आदि को दान करें। गरीबों को भोजन खिलाएं। इससे आपको जीवन में सुकून और खुशी मिलेगी और यह ग्रह दोष भी शांत हो जाएगा।

क्यूं की जाती है गणेश-लक्ष्मी की पूजा एक साथ

दीपावली के दिन हम धन और समृद्धि की देवी माँ लक्ष्मी और बुद्धि के देवता भगवान गणेश की पूजा करते हैं। यह हम सब भली भांती जानते हैं कि कोई भी शुभ कार्य गणेश पूजन के बगैर कभी पूरा नहीं होता।

गणेश जी बुद्धि प्रदान करते हैं। वे विघ्न विनाशक और विघ्नेश्वर हैं। यदि व्यक्ति के पास खूब धन-सम्पदा है और बुद्धि का अभाव है तो वह उसका सदुपयोग नहीं कर पायेगा। इसलिए व्यक्ति का बुद्धिमान और विवेकी होना भी आवश्यक है। तभी धन के महत्व को समझा जा सकता है। गणेश लक्ष्मी की एक साथ पूजा के महत्त्व को कई कहानियों के माध्यम से बताया गया है। आइये जाने ऐसी ही कहानी।

शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन और संब्रद्धि का प्रतीक माना गया है। जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्हों ने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है जब तक वह माँ ना बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयी मदद मांगने के लिए।

जानिए दीवाली पर क्यों किया जाता है लक्ष्मी पूजन

पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थी कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देख भाल नहीं कर पाएंगी। लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौप दिया।

इससे लक्ष्मी जो बहुत प्रसन्न हुई और उन्होंने कहा कि वे गणेश का बहुत ध्यान रखेंगी। और जो सुख और संब्रद्धि के लिए लक्ष्मी जी का पूजन करते हैं उन्हें उनसे पहले गणेश जी की पूजा करनी पडेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी। तब से आज तक दीपावली पर लक्ष्मी जी की पूजा से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है।

भोले के भैरव रूप के स्मरण से दूर होते हैं कष्ट

-पहली फरवरी को है कालाष्टमी

-रात्रि को जागरण कर शिव एवं माता पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करें

-ब्रहमा के अपमानित करने पर शिव भगवान ने धारण किया था रौद्र रूप

कालाष्टमी का हिंदू धर्म में बडा महत्वपूर्ण स्थान है। मार्गशीर्ष मास में कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भगवान शिव, भैरव रूप में प्रकट हुए थे। कालाष्टमी का व्रत इसी उपलक्ष्य में किया जाता है। कालाष्टमी को 'भैरवाष्टमी' के नाम से भी जाना जाता है। भगवान भोलेनाथ के भैरव रूप के स्मरण मात्र से ही सभी प्रकार के पाप और कष्ट दूर हो जाते हैं। भैरव की पूजा व उपासना से मनोवांछित फल मिलता है। अत: भैरव जी की पूजा-अर्चना करने व कालाष्टमी के दिन व्रत एवं षोड्षोपचार पूजन करना अत्यंत शुभ एवं फलदायक माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन कालभैरव का दर्शन एवं पूजन मनवांछित फल प्रदान करता है।

व्रत की विधि भगवान शिव के भैरव रूप की उपासना करने वाले भक्तों को भैरवनाथ की षोड्षोपचार सहित पूजा करनी चाहिए और उन्हें अर्घ्य देनी चाहिए। रात्रि के समय जागरण कर शिव एवं पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करना चाहिए। भैरव कथा का श्रवण और मनन करना चाहिए। मध्य रात्रि होने पर शंख, नगाडा, घंटा आदि बजाकर भैरव जी की आरती करनी चाहिए। भगवान भैरवनाथ का वाहन 'श्वान' (कुत्ता) है। अत: इस दिन प्रभु की प्रसन्नता के लिए कुत्ते को भोजन कराना चाहिए। हिंदू मान्यता के अनुसार इस दिन प्रात:काल पवित्र नदी या सरोवर में स्नान कर पितरों का श्राद्ध व तर्पण कर भैरव जी की पूजा व व्रत करने से समस्त विघ्न समाप्त हो जाते हैं। भैरव जी की पूजा व भक्ति से भूत, पिशाच एवं काल भी दूर रहते हैं। शुद्ध मन एवं आचरण से जो भी कार्य करते हैं, उनमें इन्हें सफलता मिलती है।

माहात्म्य कालाष्टमी के दिन काल भैरव के साथ इस दिन देवी कालिका की पूजा-अर्चना एवं व्रत का भी विधान है। काली देवी की उपासना करने वालों को अर्धरात्रि के बाद मां की उसी प्रकार से पूजा करनी चाहिए, जिस प्रकार दुर्गापूजा में सप्तमी तिथि को देवी कालरात्रि की पूजा का विधान है। भैरव की पूजा-अर्चना करने से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि के साथ स्वास्थ्य की रक्षा भी होती है। भैरव तंत्रोक्त, बटुक भैरव कवच, काल भैरव स्तोत्र, बटुक भैरव ब्रहम कवच आदि का नियमित पाठ करने से अनेक समस्याओं का निदान होता है।

कथा भैरवाष्टमी या कालाष्टमी की कथा के अनुसार एक समय श्रीहरि विष्णु और ब्रहमा के मध्य विवाद उत्पन्न हुआ कि उनमें से श्रेष्ठ कौन है। यह विवाद इस हद तक बढ गया कि समाधान के लिए भगवान शिव एक सभा का आयोजन करते हैं। इसमें ज्ञानी, ऋषि-मुनि, सिद्ध संत आदि उपस्थित थे। सभा में लिए गए एक निर्णय को भगवान विष्णु तो स्वीकार कर लेते हैं, किंतु ब्रहमा जी संतुष्ट नहीं होते। वे महादेव का अपमान करने लगते हैं। शांतचित शिव यह अपमान सहन न कर सके और ब्रहमा द्वारा अपमानित किए जाने पर उन्होंने रौद्र रूप धारण कर लिया। भगवान शंकर प्रलय के रूप में नजर आने लगे और उनका रौद्र रूप देखकर तीनों लोक भयभीत हो गए। भगवान शिव के इसी रूद्र रूप से भगवान भैरव प्रकट हुए। वह श्वान पर सवार थे, उनके हाथ में दंड था। हाथ में दंड होने के कारण वे 'दंडाधिपति' कहे गए। भैरव जी का रूप अत्यंत भयंकर था। उनके रूप को देखकर ब्रहमा जी को अपनी गलती का एहसास हुआ। वह भगवान भोलेनाथ एवं भैरव की वंदना करने लगे। ब्रहमा, देवताओं और साधुओं द्वारा वंदना करने पर भैरव जी शांत हो जाते हैं।

एक सुखद आश्चर्य...

हाल ही में पेश हुए आम बजट में तंबाकू उत्पादों को महंगा कर दिया गया है। मकसद है इन उत्पादों से लोग दूरी बनाएं। इन प्रयासों के अच्छे परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। भारत में सिगरेट की खपत में गिरावट आ रही है। इसे एक सुखद संकेत माना जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के मुताबिक देश में 2015-16 में लगभग 10 अरब सिगरेट कम बिके हैं। इस समयावधि के दौरान सिगरेट का उत्पादन 117 अरब से घटकर 105.3 अरब सिगरेट रह गया। बढ़ती नशाखोरी के बीच ये आंकड़े समाज और सरकार दोनों के लिए आशा की नई किरण बन सकते हैं।

गुपचुप हुई गिरावट

बढ़ती नशाखोरी पूरे देश के लिए एक बड़ी चिंता बनती जा रही है। युवा और किशोर नशे के सर्वाधिक गिरफ्त में दिखते हैं। इस आयु में आधुनिक और अलग दिखने की सहज प्रवृत्ति होती है और नशे का कारोबार करने वाली कंपनियों ने बड़ी चालाकी से नशे को आधुनिक सोच और स्वच्छंद जीवनशैली से जोड़ दिया है। इसके कारण युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। रही सही कसर अन्य देशों से होने वाली नशे की तस्करी ने पूरी कर दी है। नशे के बढ़ते चलन के बीच अच्छी खबर यह है कि भारत में बीते दो सालों में सिगरेट की खपत में तेजी से कमी आई है। यह खबर एक सुखद आश्चर्य पैदा करती है क्योंकि खपत गिरावट बहुत गुपचुप हुई है।

यह भी है वजह

संभवतः सरकार द्वारा सिगरेट के पैकेटों पर इसके नुकसानदेह होने की सूचना बड़े रूप में छापे जाने के कारण समाज में जागरूकता पैदा हो रही है। पहले शाब्दिक और छोटे रूप में यह सूचना लिखी जाती थी कि 'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' लेकिन अब इस सूचना के साथ कैंसर की स्थिति को दर्शाता एक बड़ा चित्र भी निकोटिन की उपस्थिति वाले उत्पादों पर लगता है। यह चित्र उपभोक्ताओं की मानसिकता पर गहरा प्रभाव छोड़ने में सफल रहा है। आंकड़ों से साफ संकेत मिलता है कि सदाबहार माना जाने वाला सिगरेट का बाजार भारत में मंदी के दौर से गुजर रहा है। कभी सिगरेट के हानिकारक प्रभावों और कंपनियों की रणनीति की तरफ संकेत करते हुए डब्ल्यूएचओ के एक निदेशक ने कहा था कि 'सिगरेट में सिर्फ उतना ही निकोटिन डाला जाता है।

भगवान शिव ने की थी श्रीगणेश की पूजा

शास्त्रों के अनुसार भगवान ब्रह्मदेव ने भविष्यवाणी की थी कि हर युग में श्री गणेश विभिन्न रुपों में अवतरित होंगे। कृतयुग में विनायक, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापरयुग में गजानन एवं धूम्रकेतु नाम से कलयुग में अवतार लेंगे। गणपति जी के आठ प्रमुख मंदिरों में से एक है महागणपति मंदिर जो रांजणगांव में पुणे अहमदनगर राजमार्ग पर 50 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। इतिहास पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता है की यह मंदिर 9वीं और10वीं सदी के मध्य होंद में आया। शिव जी ने त्रिपुरासुर के साथ युद्ध करने से पूर्व गणेश जी की पूजा की थी तत्पश्चात मंदिर का निर्माण करवाया। तब यह स्थान मणिपुर के नाम से जाना जाता था पर आज इसे लोग रांजणगांव कहते हैं। शिव जी ने दैत्यराज त्रिपुरासुर को गणेश जी के आशीर्वाद से पराजित किया था इसलिए इन्हें त्रिपुरारी महागणपति के रूप में भी पूजा जाता है। इतिहास में हुए हमलों के डर से गणपति जी का वास्तविक स्वरूप मंदिर के एक तहखाने में छिपाया हुआ है। मंदिर में विराजित गणेश जी की प्रतिमा को माहोतक भी कहा जाता है क्योंकि इसकी 10 सूंड और 20 हाथ हैं। गणेश जी की प्रतिमा बैठे आसन में दिखाई देती हैं और उनके ईर्द-गिर्द रिद्धी-सिद्धी की प्रतिमाएं हैं। भव्य प्रवेश द्वार में अलंकृत महागणपति मंदिर पूर्वमुखी है। जय और विजय दो द्वारपाल हैं जिनकी प्रतिमाएं मुख्य द्वार पर अवस्थित हैं। भोर फटते ही सूरज की पहली किरण सीधी प्रतिमा पर पड़ती है। श्री अष्टविनायक गणपति स्वरूपों में महागणपति गणेश जी का सबसे शक्तिशाली प्रतिरूप है।

भगवान के दिए तोहफे...

विदुर-नीति जितनी उपयोगी महाभारत काल में थी उतनी आज भी है। ऐसा भी कहा जा सकता है की इन नीतियों के अनुसार कुछ ऐसी चीजें हैं जो भगवान का दिया तोहफा होती हैं। जिस व्यक्ति के पास यह होती हैं उससे अधिक सुख और समृद्ध इस धरती पर कोई ओर नहीं हो सकता। जीवन यापन करने के लिए काम की आवश्यकता होती है। जिस व्यक्ति के पास कमाई के पर्याप्त साधन होते हैं। वह ईमानदारी से मेहनत करके अपना और अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकता है। काम के अभाव में जीविका चलाना असंभव है। रोग और शोक व्यक्ति को तन मन से कमजोर बना देते हैं। बार-बार बीमार पड़ने वाले व्यक्ति का धन तो जाता ही है साथ ही उसे अंदर से तोड़ भी देता है। निरोगी काया संसार के तमाम सुखों से बढ़कर है। जिस व्यक्ति की पत्नी मृदुभाषी होती है, वह धरती पर जन्नत का आनंद भोगता है। उसका घर स्वर्ग के समान होता है। देवी सरस्वती के साथ-साथ महालक्ष्मी भी उसके आलय में वास करती हैं। भाग्यवान है वह व्यक्ति जिसकी संतान उसके कहे अनुसार कार्य करती है। अच्छी संतान कुल के नाम में चार चांद लगा देती है, वही बुरी संतान कुल का नाश कर देती है। ज्ञान में ऐसी शक्ति है जो रंक को भी राजा बनाने का सामर्थ्य रखती है। इससे न कोई छीन सकता है न चोरी होने की आशंका रहती है। जीवन में जैसी भी परिस्थितियां आएं, ज्ञान से कुछ भी अर्जित किया जा सकता है। जो पत्नी अपने पति को सच्चे दिल से मान देती है उसे धर्म ग्रंथों में पतिव्रता कहा जाता है। वह पत्नी अपने पति के मन भाती है जो पति की भावनाओं का सम्मान करती है और अपने घर की सभी जिम्मेदारियों को पूरा करती है।

जीवन का जरूरी तत्व क्षमा...

भूल करना मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है; हम सभी भूल करते हैं, लेकिन उन्हें दोहराने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। हमें अपनी भूल का अहसास हो गया है यह दिखाने की केवल दो विधियां हैं। पहली विधि है कि भूल को न दोहराएं और दूसरी एक सच्ची क्षमा याचना द्वारा। सही ढंग से क्षमा मांगना कोई विशेष कला या ज्ञान नहीं। यह तो केवल इस पर निर्भर है कि आप स्पष्ट रूप से सत्य बोल पाते हैं कि नहीं। जब हमें वास्तव में अपने कार्य पर पछतावा होता है, तो सही शब्द स्वतः ही बाहर आने लगते हैं और क्षमा मांगना अत्यंत सरल हो जाता है।

क्षमा याचना विश्वास की एक पुनःस्थापन है। इसके द्वारा आप यह कह रहे हैं कि मैं ने एक बार आपका विश्वास तोड़ा है किंतु अब आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं और मैं ऐसा फिर कभी नहीं होने दूंगा। जब हम एक भूल करते हैं, तो दूसरे व्यक्ति के विश्वास को झटका लगता है। अधिकतर सकारात्मक भावनाओं की नींव विश्वास ही होती है। उदाहरणार्थ जब आप किसी से प्रेम करते हैं, तो आप उन पर विश्वास करते हैं कि वे वास्तव में वैसे ही हैं जैसा वे स्वयं को दर्शाते हैं किंतु जब वे उसके विपरीत कार्य करते हैं, तो आप का विश्वास टूट जाता है। इस विश्वासघात से आप को बहुत कष्ट होता है और यह दूसरे व्यक्ति के प्रति आप की भावनाओं को भी प्रभावित करता है। यदि आप अपराध को दोहराने का विचार कर रहें हैं, तो ऐसी क्षमा याचना विश्वसनीय नहीं है। उदाहरणार्थ एक टूटे हुए घड़े को ले लीजिए। यदि आप सावधानी और सबूरी से प्रयत्न करें तो संभवतः एक बार उसे जोड़ सकते हैं किंतु उसे फिर से तोड़ने पर उसे जोड़ना अधिक कठिन या लगभग असंभव हो जाता है। इसी प्रकार यदि आप किसी के विश्वास को तोड़ते हैं संभवतः वह आपको एक बार क्षमा कर सकते हैं, लेकिन यदि आप ऐसा फिर से करते हैं तो आप उनसे क्षमा की आशा नहीं कर सकते। इसलिए, एक निष्ठाहीन क्षमा याचना सम्पूर्ण रूप से व्यर्थ है।

निष्कपट क्षमा याचना

क्षमा याचना विश्वसनीय तभी होती है जब आप यह ठान लें कि आप अपने अपराध को दोहराएंगे नहीं और जब आप कोई बहाना या औचित्य नहीं देते हैं। आप अपने कार्य का पूरा उत्तरदायित्व लेते हैं और सच्चे दिल से आप क्षमा मांगते हैं। पश्चाताप की भावना से रहित क्षमा याचना व्यर्थ है। वास्तव में, इससे दूसरे व्यक्ति को और अधिक कष्ट होगा। अक्सर लोग कहते हैं, मुझे क्षमा करें परंतु मैंने ऐसा सोच कर यह काम किया था या मुझे क्षमा करें परंतु मैं ने यह कार्य इस कारण किया था या मुझे क्षमा करें यदि मेरे कारण आप को कोई चोट पहुंची हो। यह क्षमायाचना नहीं केवल बहाना है। एक सच्ची क्षमा याचना में यदि और परंतु जैसे शब्दों का कोई स्थान नहीं होता। यह कहना कि आपने ऐसा क्यों किया इसका भी कोई अर्थ नहीं। सर्वश्रेष्ठ क्षमा याचना वह है जहां आप यह पूर्ण रूप से समझें, महसूस करें तथा स्वीकार करें कि आपके कार्यों ने अन्य व्यक्ति को ठेस पहुंचाई है। एक कारण या औचित्य दे कर अपनी क्षमा याचना को दूषित न करें। यदि आप सच्चे दिल से क्षमा नहीं मांगते हैं तो आप अपनी क्षमा प्रार्थना का नाश कर रहे हैं। इससे दूसरे व्यक्ति को और अधिक कष्ट होगा। आप एक क्षमा याचना अथवा एक बहाने में से केवल एक को ही चुन सकते हैं, दोनों को नहीं। एक सच्ची एवं निष्कपट क्षमा याचना वह होती है जिसमें आप अपने अपराध को पूर्ण रूप से स्वीकार करते हैं।

क्षमा मांगना क्यों जरूरी

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को किसी ने पत्थर का बना सुंदर पेन भेंट किया। उनका उस पेन से बहुत लगाव हो गया था। वे अपना लेखन कार्य उसी पेन से करते थे। काम खत्म होने के बाद स्वयं उसे संभाल कर मेज पर रख देते थे। एक दिन उनके ऑफिस का सेवक उनकी मेज की सफाई कर रहा था। सफाई करते समय अचानक उससे वह पेन नीचे गिर गया और टूट गया। स्याही के कुछ छींटे कमरे में बिछे कालीन और महामहिम राष्ट्रपति के कपड़ों पर जा गिरे। राष्ट्रपति को उसकी लापरवाही पर क्रोध आ गया और उसको डांटते हुए उसे काम से हटा कर दूसरी जगह भेज दिया। सेवक चला तो गया, किन्तु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बैचैन हो उठे। अंदर ही अंदर उनका मन उन्हें बुरा-भला कहने लगा। वे उदास हो गए। इसी बीच कई मिलने वाले लोग आए, किन्तु उनकी उदासी दूर नहीं हुई। उन्हें अपने सेवक से बुरा भला कहने पर बड़ी ग्लानी हो रही थी। सेवक से अनजाने में हुई गलती पर उसे डांटना उन्हें उचित नहीं लगा। वे उससे क्षमा मांगना चाहते थे। दूसरे दिन उन्होंने सेवक को बुलाया और उससे क्षमा याचना करने लगे। भारत का राष्ट्रपति एक सेवक से क्षमा मांगे, यह देखकर सेवक श्रद्धा से उनके चरणों में झुक गया। उनकी आंखे भर आई। उन्होंने उसी दिन उस सेवक को फिर से कार्य पर रख लिया। जिंदगी में हम लोग भी कई बार छोटी-छोटी बातो पर गुस्सा हो जाते है और दुसरे की थोड़ी सी गलती करने पर उससे उलझने लगते है और क्रोधित हो जाते हैं पर क्या ऐसा करना उचित है। सत्य तो यह है की क्रोध हमेशा ही हमारा स्वयं का ही नुकसान करता है और इससे समस्या का समाधान नहीं निकलता है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन की यह कहानी हमें सीख दे जाती है की एक उच्च चरित्र का आदमी स्वयं की गलती होने पर माफी मांगने से भी नहीं कतराता। इसलिए अपने जीवन में कभी भी छोटी-छोटी बातो को लेकर गुस्सा न करे और जीवन को प्रसन्नता से जिएं।

क्षमा मांगना और क्षमा करना

बिना शर्त पूर्णरूप से क्षमायाचना करें और क्षमा भी करें। लाभ-हानि या किसी निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर क्षमा मांगने और क्षमा देने से क्षमा निष्काम कर्म की कोटि में आ जाती है और निष्काम कर्म सबसे उत्तम माना गया है। जो लोग न क्षमा मांगना जानते हैं और क्षमा करना नहीं तो वे अपने लिए इस धरती पर ही नरक की सृष्टि कर लेते हैं। क्षमाशील व्यक्तित ही इस धरती पर स्वर्ग की सृष्टि कर जीतेजी स्वर्ग भोगते हैं। क्षमा कब करें? यदि कोई व्यक्ति क्षमा मांगता है, तो क्षमा न करना अपराध जैसी स्थिति हो जाती है। क्षमा मांगने पर मांगने वाला अपनी गलती को स्वीकार कर अपराधबोध से मुक्त हो जाता है, लेकिन क्षमा न करने वाला उसकी पीड़ा से सुलगता रहता है। अतः किसी के क्षमा मांगने पर क्षमा कर देना उसके स्वयं के लिए एक उपयोगी क्षण है। कोई अपनी गलती के लिए क्षमा न मांगे तो भी क्या उसे क्षमा किया जा सकता है? यह क्षमा करने वाले पर निर्भर है, पर क्षमा न करने पर क्षमा न करने वाला भी तो भुगतेगा। क्षमा मांगने पर भी और क्षमा न मांगने पर भी। बस थोड़ी सूझबूझ की जरूरत है। दूसरा क्षमा मांगे या न मांगे आप तो किसी भी तरह उसे क्षमा कर घातक मनोभावों से मुक्त हो जाइए। आप क्यों दूसरे की गलती का बोझ अपने मन में ढो रहे हैं? क्षमा न मांगने पर भी किसी को सही तरीके से उसकी गलती का एहसास कराकर क्षमा कर देने से गलती के शीघ्र परिष्कार की अपेक्षा की जा सकती है। क्षमा करना दूसरे को सुधरने का अवसर प्रदान करना ही है, अतः यह अनिवार्य भी है। अधूरी या आंशिक क्षमा का भी कोई अर्थ नहीं। भगवान महावीर इसलिए बाहुबली कहलाए, क्योंकि उन्होंने क्षमा को जीवन का अनिवार्य तत्व स्वीकार कर अपनाया। उनके बतलाए हुए मार्ग को धर्म कहा गया, क्योंकि इसमें क्षमा की प्रधानता थी। सम्राट अशोक इसलिए महान नहीं कहलाए कि उन्होंने कलिंग युद्ध में विजय प्राप्त की, अपितु ऐसे धर्म की शरण में चले गए जिसमें क्षमा की प्रधानता थी। ईसा मसीह ने उन लोगों को भी क्षमा कर दिया, जिन्होंने ईसा मसीह को सूली पर टांग दिया और ईसा मसीह प्रभु बन गए। उनके द्वारा दिखलाया गया मार्ग एक नया धर्म बन गया। क्षमा के अभाव में न कोई व्यक्ति वीर है और न कोई धर्म पूर्ण है। शत्रु और मित्र शब्दों का अस्तित्व वास्तव में 'क्षमा' के अभाव में ही है। जहां क्षमा है, वहां शत्रुता अथवा द्वेष का क्या काम?

वैर बिन, ये चार दिन

वैर मनुष्य के मन रूपी सरोवर में रहने वाली एक ऐसी गंदी मछली है जो सारे सरोवर को गंदा कर देती है। अगर हमारे मन में वैर, कपट, कलह और कटुता है, प्रतिशोध की भावना है तो हमने अपने मन के सरोवर में गंदी मछली को जन्म दे दिया है। जब तक यह गंदी मछली रहेगी हम अपने जीवन में दुर्गंध से भरे रहेंगे। वैर से वैर मिटता नहीं है। हम अपने विरोधी को भी प्रेम दें, उसके प्रति भी दोस्ती के भाव रखें, निंदा करने वाले व्यक्ति की भी प्रशंसा करें तो हम पाएंगे कि एक दिन वे हमारे साथ हो जाएंगे। जिसके मन में कठोरता, कटुता, कलह और संघर्ष की भावना रहती है उसके चित्त में कभी किसी के प्रति प्रेम नहीं होता। उसके प्रेम के सरोवर का पानी सूख जाता है और उसमें दरारें पड़ जाती हैं। स्नेह की कमी से मेलजोल में कटौती होती है। वह स्वयं तो दुखी रहता ही है किंतु अपनी उपस्थिति से आसपास के लोगों को भी दुखी करता है। अपने क्रोध और अहंकार से स्वयं को तो दंडित करता ही है, दूसरों को भी दंडित करने की सोचता रहता है। इतिहास में खून की जो नदियां बहती रही हैं, उनका एकमात्र कारण प्रतिशोध और बदले की भावना रही है। चिरकाल तक मनुष्य के मन में प्रतिशोध की भावना लहराती है। एक बार हम अपने मन को टटोलें, किसी धार्मिक ग्रन्थ की तरह ईमानदारी से अपने मन को पढ़ें। अपनी विचारस्थिति को पढ़े कि कहीं उसके भीतर कोई वैर तो नहीं है। चार दिन की छोटी-सी जिंदगी में दो दिन तो बीत गए और शेष दो दिन भी बीत जाएंगे - फिर किस बात का वैर-विरोध! छोटी-छोटी बातों की गांठें न बांधें। जैसे गन्ने की गांठ में एक बूंद भी रस नहीं होता वैसे ही जिस आदमी के मन में गांठें बन जाती हैं, उसका जीवन भी नीरस हो जाता है।

प्रेम प्रभावी हो ...

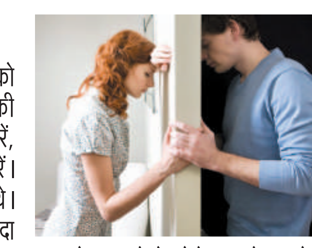

औरों के वचनों से मन को प्रभावित न करें, औरों की टिप्पणी से मन को कुंठित न करें, अपने मन को विचलित न करें। बुद्ध किसी गांव से जा रहे थे। गांव के लोगों ने उनकी बहुत निंदा की, अपशब्द कहे। गांव वाले जितना बुरा बोल सकते थे, बोले। जब वे चुप हो गए तो बुद्ध ने कहा - क्या अब मैं अगले गांव चला जाऊं? लोग दंग रह गये कि हमने इन्हें इतना भला-बुरा कहा और ये जरा भी प्रभावित नहीं हुए बल्कि मधुर मुस्कान से पूछ रहे हैं कि क्या मैं अगले गांव चला जाऊं? लोगों ने पूछा, हमारी गालियों का क्या हुआ? बुद्ध ने कहा - मैं जब पिछले गांव में था तो लोग मेरे पास मिठाइयां लेकर आए थे। उन्होंने मुझे मिठाइयां देने की बहुत कोशिश की और तरह-तरह के प्रयास भी किए लेकिन मैंने किसी की मिठाई स्वीकार नहीं की। आप मुझे बताएं कि वे मिठाइयां फिर किसके पास रहीं? लोगों ने कहा- यह तो बच्चा भी बता देगा कि मिठाइयां उन्हीं के पास रहीं। बुद्ध ने कहा- तुम्हारी बात तुम्हें मुबारक! पीछे के गांव वालों ने मिठाइयां दी, मैंने वे नहीं लीं अतः वे उन्हीं के पास रहीं, वैसे ही आप लोगों ने मुझे गालियां दीं और मैंने नहीं लीं तो आप लोगों की चीज आप ही के पास रह गई। जिनके मन में प्रेम और शांति का निर्झर बहा करता है वे ही लोग अप्रियता, कलह, कटुता और विरोध का वातावरण बनने पर भी उसे प्रेम और क्षमा में ढाल लिया करते हैं।

हर हाल में खुश रहो

प्रसन्न रहो, हर हाल में खुश रहो। प्रसन्नता आपके सौंदर्य को द्विगुणित करती है। आप प्रेम में, वात्सल्य में जीकर तो देखें। जितने आप जवानी में सुंदर हैं उससे भी अधिक बुढ़ापे में सुंदर दिखाई देंगे। क्या आपने गांधीजी का जवानी और बुढ़ापे का चित्र देखा है? तीस वर्ष की आयु में वे जैसे दिखते थे, सत्तर वर्ष की आयु में उससे कहीं अधिक सुंदर दिखने लगे थे। जैसे-जैसे व्यक्ति के विचार सुंदर होते जाते हैं उसका भीतरी सौंदर्य चेहरे पर प्रकट होने लगता है। आपने महर्षि अरविंद का वृद्धावस्था का चित्र देखा है? उनके चेहरे का ओज, तेज और सौंदर्य कितना अधिक आकर्षक था? बुढ़ापे में उसी का चेहरा बदसूरत होता है जिसके विचार सुंदर नहीं होते। जिसकी विचारदशा सुंदर होती है, वह जैसे-जैसे बूढ़ा होता है, उसके चेहरे पर सौन्दर्य छलछलाने लगता है। किसी के कल्याण के लिए अपनी ओर से जो कुछ भी हो सके, कर दो। अगर नहीं कर सको तो सहज रहो, अपने मन को हमेशा निर्मल रखो। वैर-विरोध और प्रतिशोध उसी को अच्छे लगते हैं जिसने अभी तक प्रेम और क्षमा का स्वाद नहीं चखा है। दुनिया में दो कठिन कार्य हैं- किसी से क्षमा मांगना या किसी को क्षमा करना। परन्तु ये दोनों ही कार्य आपको अनेक कठिनाईयों से मुक्ति दिलाते हैं। शुरू-शुरू में माफी मांगना हमें जहर पीने के समान लगता है परन्तु परिणाम में अमृत हो जाता है। क्षमा मांगना यदि प्रायश्चित का सुंदर व अच्छा रूप है तो क्षमा करना बड़प्पन का प्रतीक। इसमें आप न केवल मन की उलझन से मुक्त होंगे अपितु अपनी शक्ति और शांति में बढ़ोतरी करने में भी सफल हो जाएंगे।

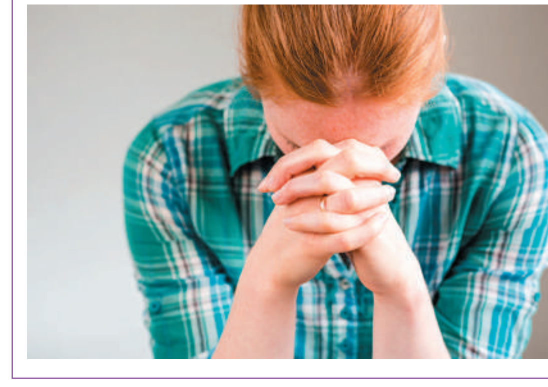

हस्ताक्षर व्यक्तित्व का आईना...

हस्ताक्षर व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण आइना है। व्यक्ति के हस्ताक्षर में उसके व्यक्तित्व की सभी बातें पूर्ण रूप से दिखाई देती हैं। हस्ताक्षर या लिखावट से हमारा सीधा संबंध मानसिक विचारों से होता है यानी हम जो सोचते हैं करते हैं जो व्यवहार में लाते हैं वह सब अवचेतन रूप में कागज पर अपनी लिखावट व हस्ताक्षर के द्वारा प्रदर्शित कर देते हैं। यहां यह जानना भी जरूरी है कि हस्ताक्षर के अध्ययन से व्यक्ति अपने भविष्य व व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है और हस्ताक्षर में दिखाई देने वाली कमियों को दूर करते हुए अपने हस्ताक्षर के साथ-साथ अपना भविष्य व व्यक्तित्व भी बदल सकता है।

पहला अक्षर बड़ा

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर का पहला शब्द काफी बड़ा रखता है, वह व्यक्ति उतना ही विलक्षण प्रतिभा का धनी, समाज में काफी लोकप्रिय व उच्च पद प्राप्त करने वाला होता है। हस्ताक्षर में पहला शब्द बड़ा व बाकी के शब्द सुंदर व छोटे आकार में होते हैं ऐसा व्यक्ति धीरे-धीरे उच्च पद प्राप्त करते हुए सर्वोच्च स्थान पाता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में पैसा बहुत कमाता है। कई भवनों का मालिक बनता है व समाज में काफी लोकप्रिय होता है किन्तु संकोची स्वभाव का उत्तम श्रेणी का विद्वान भी होता है। वह अपने कुल का नाम काफी ऊंचा करता है।

अस्पष्ट हस्ताक्षर

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर इस प्रकार से लिखता है, जो काफी अस्पष्ट होते हैं तथा जल्दी-जल्दी लिखे गए होते हैं वह व्यक्ति जीवन को सामान्य रूप से नहीं जी पाता, हर समय ऊंचाई पर पहुंचने की ललक लिए रहता है। इस प्रकार का व्यक्ति राजनीतिज्ञ, अपराधी, कूटनीतिज्ञ या बहुत बड़ा व्यापारी बनता है। जीवन आपाधापी में व्यतीत करने के कारण वह समाज से कटने लगता है तथा लोगों की उपेक्षा का शिकार भी बनता है। वह व्यक्तिगत रूप से पूर्ण सम्पन्न तथा इनका वैवाहिक जीवन कम सामान्य रहता है। वह धोखा दे सकता है, परंतु धोखा खा नहीं सकता है। यह इसकी विशेषता है।

काफी छोटे हस्ताक्षर

जो व्यक्ति हस्ताक्षर काफी छोटे व शब्दों को तोड़-मरोड़ कर उनके साथ खिलवाड़ करता है जिसके फलस्वरूप हस्ताक्षर बिल्कुल पढ़ने में नहीं आता है वह व्यक्ति बहुत ही चालाक होता है। अपने फायदे के लिए किसी का भी नुकसान करने व नुकसान पहुंचाने से नहीं चूकता। पैसा, धन भी गलत रास्ते से कमाता है। ऐसा व्यक्ति राजनीति एवं अपराध के क्षेत्र में काफी नाम कमाता है।

हस्ताक्षर के नीचे दो लाइनें

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के नीचे दो लाइनें खींचता है, वह व्यक्ति भावुक होता है। पूरी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाता, मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर होता है। इसके जीवन में असुरक्षा की भावना रहती है। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के शब्दों को काफी घुमाकर, सजाकर प्रदर्शित करके करता है वह व्यक्ति किसी न किसी हुनर का मालिक अवश्य होता है यानी कलाकार, गायक, पेंटर, व्यंग्यकार आदि। ऐसे व्यक्तियों का समय जीवन के उत्तरार्द्ध में अच्छा होता है।

हस्ताक्षर के नीचे एक बिंदू

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर में नाम का पहला अक्षर सांकेतिक रूप से तथा उपनाम पूरा लिखता है तथा हस्ताक्षर के नीचे बिंदू लगाता है, ऐसा व्यक्ति भाग्य का धनी होता है। मृदुभाषी, व्यवहार कुशल, समाज में पूर्ण सम्मान प्राप्त करता है। ईश्वरवादी होने के कारण इन्हें किसी भी प्रकार की लालसा नहीं सताती, इसके फलस्वरूप जो भी चाहता है स्वतः ही प्राप्त हो जाता है। वैवाहिक जीवन सुखी व संतानों से भी सुख प्राप्त होता है।

हस्ताक्षर के नीचे दो बिंदू

अपने हस्ताक्षर के अंतिम शब्द के नीचे दो बिंदू रखने वाला व्यक्ति विलक्षण प्रतिभा का धनी होता है। ऐसा व्यक्ति जिस क्षेत्र में जाता है काफी प्रसिद्धि प्राप्त करता है और ऐसे व्यक्ति से बड़े-बड़े लोग सहयोग लेने को उत्सुक रहते हैं। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर स्पष्ट लिखते हैं तथा हस्ताक्षर के अंतिम शब्द की लाइन या मात्रा को इस प्रकार खींच देते हैं जो ऊपर की तरफ जाती हुई दिखाई देती है, ऐसे व्यक्ति शिक्षक , विद्वान, बहुत ही तेज दिमाग के होते हैं। ऐसे व्यक्ति दिल के बहुत साफ होते हैं, हरेक के साथ सहयोग करने के लिए तैयार रहते हैं। मिलनसार, मृदुभाषी, समाजसेवक, परोपकारी होते हैं। वे कभी किसी का बुरा नहीं सोचते, सामने वाला व्यक्ति कैसा भी क्यों न हो, हमेशा उसे सम्मान देते हैं। सर्वगुण सम्पन्न होने के बावजूद काफी पैसा व पूर्ण सम्मान प्राप्त होता है।

यह है अलग तरह का म्यूजिक...

ईडीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक एक अलग तरह का म्यूजिक है जो सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंट के जरिए तैयार किया जाता है। ज्यादातर यह सिर्फ कंप्यूटर म्यूजिक सॉफ्टवेयर की मदद से ही संचालित किया जाता है। मौजूदा दौर में आउटडोर क्लबों में होने वाले आयोजन में यही म्यूजिक चलन में आता है।

लोगों की अभी यही धारणा है कि भारत में ईडीएम का प्रवेश अभी-अभी हुआ है। लेकिन हकीकत यह है कि संगीत की यह विधा बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है और भारत इस मायने में कहीं भी पीछे नहीं है। दुनिया के करीब 250 से ज्यादा विदेशी कलाकार वर्षभर में भारत का दौरा करते हैं। इस क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले जर्मन मूल के अमेरिकन संगीत निर्माता मार्कुस शुल्ज ने कुछ समय पहले मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली और पुणे में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे। तब उन्होंने कहा था भले ही मौजूदा दौर में बहुत ज्यादा क्लब नहीं हैं, लेकिन जिस तरह लोगों की रुचि इसमें बढ़ रही है उससे आयोजनों की भव्यता और बढ़ेगी। इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की बढ़ती लोकप्रियता ने बॉलीवुड संगीत सितारों को भी हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब सिर्फ बड़े शहरों तक नहीं रहा बल्कि अहमदाबाद, गुड़गांव, इंदौर, लखनऊ जैसे शहरों में भी देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि बॉलीवुड सितारे भी अपने लाइव शो में ईडीएम को शामिल करने लगे हैं।

कुछ समय पहले इंदौर में पाकिस्तानी कलाकार आतिफ असलम ने डीजे चेतस के साथ मिलकर अपने छह हजार से ज्यादा प्रशंसकों के लिए ईडीएम की प्रस्तुति दी थी। एक ओर दिन रात इस तरह के म्यूजिक को चाहने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्हें संगीत का एक नया बेहतरीन अनुभव भी मिल रहा, वहीं इस म्यूजिक को जीतोड़ कर चाहने के कारण कुछ अपवाद वाली स्थितियां भी सामने आ रही हैं। मसलन, इस तरह के आयोजनों में पश्चिमी रंग ज्यादा होता है और इसमें पात्रता 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के युवाओं की रहती है। तो इस तरह के आयोजन में ग्लैमर, ड्रग्स और कुछ ज्यादा ही छूट मिलती है। पिछले साल गोवा में ऐसे ही एक डीजे की मौत ड्रग्स की ज्यादा मात्रा लेने से हो गई थी। गुड़गांव में अमेरिकन युवा लेडी आर्टस्टि की मृत्यु भी ईडीएम में होने वाले तेज आवाज के शोर से हो गई थी। दिल्ली की फैशन डिजाइनर आंचल अरोड़ा की भी मौत ईडीएम आयोजन में दम घुटने से हो गई थी।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

सेना का भारतीयकरण जरूरी

सेना का भारतीयकरण जरूरी भारतीय सैन्य अधिकारियों की मुसीबत यह है कि उनकी मानसिकता आज भी अंग्रेजियत के रंग में रंगी हुई है। उन्हें आम नागरिकों से व्यवहार करने का आज भी शालीन तरीका अपनाना अपनी बेइज्जती महसूस होती है। आए दिन सार्वजनिक स्थलों पर सिविल अधिकारियों और नागरिकों से सेना के अधिकारियों की झड़प देखने को मिलती है। रविवार को पता चला कि एक सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल ने अतिरिक्त केबिन सामान को लेकर श्रीनगर हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट के ग्राउण्ड स्टाफ पर हमला करके उसकी रीढ़ की हड्डी को फैक्चर कर दिया तथा जबड़ा तोड़ दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश कुमार सिंह की यह उदण्डता 26 जुलाई की है किन्तु इस घटना का खुलासा रविवार को हुआ। झगड़े का कारण था सैन्य अधिकारी के सामान का निर्धारित भार से ज्यादा होना। 7 किग्रा तो वह आसानी से नियमानुसार ले जा सकते थे किन्तु उनका सामान 16 किग्रा निर्धारित भार सीमा से दोगुना से भी ज्यादा। मतलब यह कि अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करके अवैध लाभ लेना चाहते थे। अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए स्पाइसजेट के ग्राउण्ड कर्मचारी को सेना के अधिकारी का कोपभाजन बनना पड़ा। यह अच्छा हुआ कि सैन्य अधिकारी के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली किन्तु अभी तक उसे गिरफ्तार न कर पाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि अभी भी उस अधिकारी को पुलिस, प्रशासन और उसके पद की प्रतिष्ठा का लाभ मिल रहा है। दरअसल आज भी भारतीय सेना का सिविलियन के प्रति वैसा ही व्यवहार है जैसा कि 1947 के पहले था। ये अधिकारी अपने निचले स्तर के कर्मियों के साथ भी इसी तरह अमानवीय व्यवहार करते हैं और जब वह कमा यानि सिपाही अपने कम्पनी कमांडर अथवा कमांडिंग आफिसर को शिकायत करता है तो उसी के खिलाफ अनुशासनहीनता और अपने अधिकारी को असंतुष्ट करने का आरोप लगता है। आम के अपने कानून होते हैं और उनकी धाराएं आम भी वही हैं जिन्हें ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया था। तमाम ऐसे अमानवीय एवं अव्यावहारिक प्रावधान हैं जिन्हें न तो सेना बदलना चाहती है और न ही सरकार को किसी तरह की चिन्ता है। सेना का मानना है कि यदि उन प्रावधानों को खत्म कर दिया जाएगा तो सेना में भी अनुशासनहीनता की भावना आ जाएगी। किन्तु सच तो यह है कि शीर्ष अधिकारी सिपाही स्तर के कर्मियों को अपना गुलाम समझते हैं। इसका मुख्य कारण यही है कि उन्हें आम मैन्युअल के मुताबिक संरक्षण मिलता है। शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल सैम बहादुर जैसे को अपना आदर्श मानें तो सैन्य प्रतिष्ठान में भी अधिकारियों के व्यवहार में बदलाव लाना असंभव नहीं है। यह सच है कि हमारे देश में सेना का बहुत सम्मान है। आम आदमी के दिल में सेना के प्रति जो सम्मान है, वह सेना के लिए बहुमूल्य प्रतिष्ठा का कारण है। इसलिए सेना के अधिकारियों द्वारा जब कभी भी इस तरह की बदतमीजियों की घटना होती है तो भी देश की आम जनता उनके प्रति नरमी ही बरतती है। किन्तु वास्तविकता तो यह है कि जब तक सैन्य तंत्र खुद अपने अधिकारियों को भारतीयता का एहसास नहीं कराएगी, तब तक इस स्थिति से छुटकारा मिलने वाला नहीं है। लब्बोलुआब यह है कि सरकार को सैन्य मैन्युअल में व्यापक संशोधन करने की जरूरत है और जो अधिकारी सेना के अंदर या बाहर इस तरह की बदतमीजी करे उसे तत्काल स्टेट अथारिटी का एहसास कराए जाने की जरूरत है। उन्हें भी सामान्य न्यायालय में भारतीय न्याय संहिता के तहत अभियोजन का सामना करने के लिए विवश किया जाना चाहिए।

आए दिन सार्वजनिक स्थलों पर सिविल अधिकारियों और नागरिकों से सेना के अधिकारियों की झड़प देखने को मिलती है। रविवार को पता चला कि एक सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल ने अतिरिक्त केबिन सामान को लेकर श्रीनगर हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट के ग्राउण्ड स्टाफ पर हमला करके उसकी रीढ़ की हड्डी को फैक्चर कर दिया तथा जबड़ा तोड़ दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश कुमार सिंह की यह उदण्डता 26 जुलाई की है किन्तु इस घटना का खुलासा रविवार को हुआ। झगड़े का कारण था सैन्य अधिकारी के सामान का निर्धारित भार से ज्यादा होना। 7 किग्रा तो वह आसानी से नियमानुसार ले जा सकते थे किन्तु उनका सामान 16 किग्रा निर्धारित भार सीमा से दोगुना से भी ज्यादा। मतलब यह कि अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करके अवैध लाभ लेना चाहते थे। अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए स्पाइसजेट के ग्राउण्ड कर्मचारी को सेना के अधिकारी का कोपभाजन बनना पड़ा। यह अच्छा हुआ कि सैन्य अधिकारी के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली किन्तु अभी तक उसे गिरफ्तार न कर पाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि अभी भी उस अधिकारी को पुलिस, प्रशासन और उसके पद की प्रतिष्ठा का लाभ मिल रहा है। दरअसल आज भी भारतीय सेना का सिविलियन के प्रति वैसा ही व्यवहार है जैसा कि 1947 के पहले था। ये अधिकारी अपने निचले स्तर के कर्मियों के साथ भी इसी तरह अमानवीय व्यवहार करते हैं और जब वह कमा यानि सिपाही अपने कम्पनी कमांडर अथवा कमांडिंग आफिसर को शिकायत करता है तो उसी के खिलाफ अनुशासनहीनता और अपने अधिकारी को असंतुष्ट करने का आरोप लगता है।

प्रत्येक बच्चे को उसके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है

शिक्षा से जुड़ी जान जोखिम में डालने वाली चिन्ताजनक मजबूरियां

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा, नई शिक्षा नीति, आधुनिक विश्वविद्यालय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय हमारे विकास के प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो इन सभी उपलब्धियों को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में बरसाती उफान के बीच बेतवा नदी को पार कर स्कूल जाते मासूम बच्चों की तस्वीर केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल का आईना है जिसमें चमक अधिक है और संवेदना कम। वास्तव में किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें अथवा डिजिटल सुविधाएँ नहीं होतीं, बल्कि यह होता है कि उस देश का सबसे अंतिम, सबसे कमजोर और सबसे गरीब बच्चा कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर पा रहा है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय पहुँचने के लिए उफनती नदी, बहते नाले, टूटी पुलिया, जर्जर रास्ते या जानलेवा परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न है।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक 'विकसित भारत' का स्वप्न साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन शिक्षा, नई शिक्षा नीति, आधुनिक विश्वविद्यालय और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे विषय हमारे विकास के प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इसी भारत की एक तस्वीर ऐसी भी है जो इन सभी उपलब्धियों को कठोर प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में बरसाती उफान के बीच बेतवा नदी को पार कर स्कूल जाते मासूम बच्चों की तस्वीर केवल एक घटना नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल का आईना है जिसमें चमक अधिक है और संवेदना कम। वास्तव में किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी गगनचुंबी इमारतें, चौड़ी सड़कें अथवा डिजिटल सुविधाएँ नहीं होतीं, बल्कि यह होता है कि उस देश का सबसे अंतिम, सबसे कमजोर और सबसे गरीब बच्चा कितनी सुरक्षा और सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त कर पा रहा है। यदि किसी बच्चे को विद्यालय पहुँचने के लिए उफनती नदी, बहते नाले, टूटी पुलिया, जर्जर रास्ते या जानलेवा परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रश्नचिह्न है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बच्चे को उसके घर के समीप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक गांवों में या तो विद्यालय हैं ही नहीं, और यदि हैं भी तो उनमें शिक्षक नहीं हैं। कहीं शिक्षक हैं तो विद्यार्थी नहीं, कहीं भवन हैं तो पढ़ाई नहीं, कहीं भवन ही जर्जर होकर मौत का इंतजार कर रहे हैं। ऊपर से विद्यालयों के समानीकरण की नीति ने अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी और बढ़ा दी है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों को प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर, नदियाँ पार कर अथवा जोखिम भरे रास्तों से होकर विद्यालय पहुँचना पड़ता है। विडंबना यह है कि आज हम शिक्षा में तकनीक के बढ़ते प्रयोग पर गर्व कर रहे हैं। स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन परीक्षाएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण की चर्चा हो रही है। लेकिन जब बच्चा विद्यालय तक सुरक्षित पहुँच ही नहीं पा रहा, तब यह सारी तकनीकी प्रगति उसके लिए केवल एक दूर का सपना बनकर रह जाती है। शिक्षा की पहली शर्त सुरक्षित विद्यालय तक पहुँचना है। यदि यही सुनिश्चित नहीं है तो स्मार्ट क्लासरूम भी उस बच्चे का उपहास ही बन जाते हैं। यह समस्या केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के अनेक राज्यों में बरसात आते ही हजारों बच्चे उफनते नालों, अस्थायी पुलों और क्षतिग्रस्त सड़कों को पार कर विद्यालय जाने को मजबूर होते हैं। कहीं नाव की व्यवस्था नहीं, कहीं

पुल वर्षों से अधूरा पड़ा है, कहीं सड़क निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। कई स्थानों पर बच्चे घंटों पानी उतरने का इंतजार करते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। कई बच्चे भय के कारण विद्यालय जाना ही छोड़ देते हैं। इस प्रकार शिक्षा से वंचित होने का सबसे बड़ा कारण केवल गरीबी नहीं, बल्कि असुरक्षित आधारभूत संरचना भी बनती जा रही है। शिक्षा क्षेत्र की जानलेवा परिस्थितियाँ केवल नदी या नाले तक सीमित नहीं हैं। पिछले वर्षों में अनेक दर्दनाक घटनाएँ सामने आई हैं। कहीं जर्जर स्कूल भवन ढह गए, कहीं विद्यालयों में करंट लगने से बच्चों की मौत हुई, कहीं आग लगने से मासूम झुलस गए, कहीं ओवरलोड ऑटो और वैन दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। दिल्ली के कोचिंग संस्थान में हुई त्रासदी ने यह भी दिखाया कि शिक्षा के नाम पर संचालित संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कितनी घोर अनदेखी होती है। नीट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक और उससे उपजी निराशा ने अनेक प्रतिभाशाली छात्रों को आत्महत्या तक के लिए विवश किया। क्या यह भी शिक्षा व्यवस्था की असुरक्षा का ही एक रूप नहीं है? सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि हमारी सरकारी व्यवस्था अक्सर किसी दुर्घटना के बाद ही क्यों जागती है? जब तक कोई बच्चा नदी में बह नहीं जाता, भवन गिर नहीं जाता, आग नहीं लग जाती या कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता, तब तक प्रशासनिक मशीनरी की संवेदनाएँ जैसे सोई रहती हैं। घटना के बाद जांच समिति बनती है, निलंबन होता है, मुआवजा घोषित होता है और कुछ दिनों बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। यह प्रतिक्रियात्मक शासन व्यवस्था किसी भी सभ्य लोकतंत्र के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इस विफलता के पीछे भ्रष्टाचार भी एक बड़ा कारण है। भवन निर्माण से लेकर सड़क, पुल, विद्यालय सुरक्षा प्रमाणपत्र, वाहन फिटनेस और निरीक्षण व्यवस्था तक अनेक स्तरों पर लापरवाही और भ्रष्टाचार व्याप्त है। कई बार बिना सुरक्षा मानकों की पूर्ति किए ही विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और परिवहन वाहनों को अनुमति मिल जाती है। निरीक्षण कागजों में पूरा हो जाता है और वास्तविकता किसी दुर्घटना के बाद सामने आती है। यदि जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति विकसित नहीं होगी तो ऐसी घटनाएँ कभी समाप्त नहीं होंगी। सरकार को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल पुस्तकें बाँटने, छात्रवृत्ति देने और परीक्षाएँ आयोजित करने का नाम नहीं है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ है-बच्चे के लिए सुरक्षित वातावरण, सम्मानजनक विद्यालय, प्रशिक्षित शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और निर्भय आवागमन की व्यवस्था। जिस बच्चे का प्रतिदिन का संघर्ष विद्यालय तक जीवित पहुँचने का हो, वह ज्ञान की ऊँचाइयों तक कैसे पहुँचेगा? आज आवश्यकता यह है कि शिक्षा सुरक्षा को राष्ट्रीय मिशन बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में नदी या नाले बाधा बनते हैं, वहाँ स्थायी पुलों का निर्माण प्राथमिकता से हो। जब तक पुल नहीं बनते, तब तक सुरक्षित नाव या जल परिवहन की सरकारी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक विद्यालय का वार्षिक सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य हो। जर्जर भवनों को तत्काल बंद किया जाए और नए भवनों का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। स्कूल वाहनों के लिए कठोर सुरक्षा मानक लागू हों तथा उनका नियमित निरीक्षण हो। प्रत्येक विद्यालय में अग्निशमन, आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार की प्रभावी व्यवस्था हो। साथ ही प्रत्येक दुर्घटना के लिए केवल निचले कर्मचारियों पर कार्रवाई न होकर उच्च अधिकारियों तक जवाबदेही तय की जाए। विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा जब विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे तक पहुँचेगा। जिस राष्ट्र में बच्चे शिक्षा पाने के लिए जान जोखिम में डालने को विवश हों, वहाँ विकास के दावे अधूरे प्रतीत होते हैं। विश्वगुरु बनने का मार्ग केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सुरक्षित शिक्षा और समान अवसरों से होकर गुजरता है। आज आवश्यकता नए कानून बनाने से अधिक उन कानूनों को ईमानदारी से जमीन पर उतारने की है। जब तक शासन की प्राथमिकताओं में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च स्थान नहीं पाएगी, तब तक विकास के बड़े-बड़े दावे खोखले लगते रहेंगे। सरकार, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज-सभी को यह संकल्प लेना होगा कि देश का कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान जोखिम में नहीं डालेगा कि वह पढ़ना चाहता है। यदि भारत को वास्तव में 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है, तो सबसे पहले उसे अपने बच्चों के लिए सुरक्षित बचपन और सुरक्षित शिक्षा सुनिश्चित करनी होगी। क्योंकि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों, मंत्रालयों या महानगरों में नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे विद्यालयों में लिखा जाता है जहाँ मासूम बच्चे अपने सपनों के साथ बैठते हैं। यदि उन सपनों की रक्षा नहीं हो सकी, तो विकसित भारत का स्वप्न भी अधूरा ही रह जाएगा।

देश दुनिया से

जंतर-मंतर पर सुरक्षा तैयारी में चूक के सबक

मैंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हो रही कुछ गतिविधियों को देखा। प्रदर्शनकारियों की भीड़ बहुत बड़ी थी और उसकी तुलना में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिस बल नाकाफी लग रहे थे। एक विशाल और अराजक भीड़ और कम संख्या में पुलिसवाले होना स्थिति बेकाबू बनने में आवश्यक घटक होते हैं। जब मैं इस बारे में विचार करता हूं, तो यह स्पष्ट है कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बुलावे पर लोगों की प्रतिक्रिया का अंदाज़ा लगाने में भारी गलती हुई, नतीजन सुरक्षा बलों की प्रतिक्रिया भी पर्याप्त नहीं थी। विगत में पीछे मुड़कर देखें तो चर्चा में 'कॉकरोच' शब्द की आमद के बाद स्थिति तेजी से बदली। बोस्टन से आए एक व्यक्ति ने संसद तक मार्च का आह्वान कर नई दिल्ली में अपने किस्म की 'टी पार्टी' (चाय पार्टी) बनाने की कोशिश की। किसी सभा या विरोध-प्रदर्शन की इजाज़त देने या न देने का फैसला मात्र पुलिस का न होकर शहर अथवा राज्य के नागरिक प्रशासन का भी होता है। पुलिस बल राजसत्ता का एक औजार है और उसका पेशेवर व्यवहार तय कर सकता है कि स्थिति बिगड़ेगी या काबू में रहेगी। मौजूदा मामले में, अधिकारियों ने तैयारी और योजना बनाने का वक्त गंवा दिया क्योंकि उन्होंने लोगों की प्रतिक्रिया के पैमाने का सही अंदाज़ा नहीं लगाया व स्थिति एक असमान टकराव में बदल गई। आमतौर पर, जब भी ऐसे किसी मार्च की घोषणा होती है, तो ज़मीनी स्तर पर प्रशासनिक मशीनरी अतिरिक्त सक्रिय हो जाती है। ज़िला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक तथा खुफिया एजेंसियों के अधिकारी मिलकर बैठक करते हैं, खतरे के स्तर का आकलन किया जाता है व उससे निबटने के लिए आपातकालीन योजनाएं बनाई जाती हैं। बलों की ज़रूरत का आकलन किया जाता है और लाठीचार्ज दस्ता, आंसू गैस, हथियारबंद टुकड़ियों आदि की उपलब्धता का अनुमान लगाया जाता है। अगर और ज़्यादा कर्मियों एवं सामग्री की ज़रूरत दिखे, तो जरूरी मांग की जाती है। सूचीबद्ध किए गए इंतज़ामों की देखरेख के लिए अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं और

सिर्फ़ उन्हीं को चुना जाता है जिनका अनुभव विगत में ऐसी स्थितियों को संभालने का साबित हो चुका हो। इसके साथ ही, कार्यकारी मजिस्ट्रेट नामित किए जाते हैं और उन्हें पुलिस अधिकारियों से संलग्न कर दिया जाता है। इलाके को सेक्टरों में बांटा जाता है और इन अधिकारियों को काम करने के निर्दिष्ट इलाके सौंप दिए जाते हैं। सभी इंतज़ामों की कुल मिलाकर निगरानी के लिए एक बहुत वरिष्ठ अधिकारी को तैनात किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऊपर बताए गए सभी उपायों का ध्यान रखा गया है। वह सभी विभागों के अधिकारियों को उद्देश्य के बारे में निर्देश देता है और आगे वे अपनी-अपनी ज़िम्मेदारी वाले इलाकों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हैं। स्थिति क्या है यह बताना और समझाना सबसे ज़रूरी है ताकि आखिरी व्यक्ति तक को खतरे और उस पर क्या प्रतिक्रिया देनी है, इसकी समझ बन जाए। बल का इस्तेमाल इस सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए कि वांछित अधिकतम परिणाम पाने के लिए न्यूनतम बल का प्रयोग करना पड़े। अधिकारियों और जवानों को यह याद रखना चाहिए कि ये हमारे ही भाई-बंधु हैं और हमें उनके साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार नहीं करना है। ज्यादा से ज्यादा परिणाम पाने के लिए कम-से-कम बल का इस्तेमाल किया जाए। पूरे अभियान की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए। आंसू गैस दस्ते को एक रणनीतिक जगह पर एक राजपत्रित अधिकारीकी देखरेख में अलग से तैनात किया जाना चाहिए और वह केवल उनके आदेश पर ही काम करेगा। इसी प्रकार, हथियारबंद दस्ता भी एक राजपत्रित अधिकारी की देखरेख में सुरक्षित जगह पर उपलब्ध रहे और वह केवल उनके आदेश पर ही कार्रवाई करेगा। आंसू गैस के गोले और अन्य हथियार सामान्य बलों को नहीं दिए जाएं; नियम के अनुसार उनके पास केवल लाठियां होनी चाहिए। इंतज़ाम का एक और बहुत ज़रूरी हिस्सा कंट्रोल रूम है, जिसे ऑपरेशन वाली जगह के पास स्थापित किया जाना चाहिए और वहां चौबीसों घंटे वरिष्ठ अफ़सर मौजूद रहें। कंट्रोल रूम और सेक्टर इंचार्ज अफ़सरों के पास नवीनतम संचार उपकरण होने चाहिए और संवाद का एक असरदार चैनल बनाया जाना चाहिए। सीनियर अफ़सरों को इस कंट्रोल रूम में मौजूद होना चाहिए- पुलिस और एग्जिक्यूटिव अफसर ,दोनों केवल अपने दफ्तरों तक ही सीमित नहीं रहें। एक बार जब इंतज़ाम पूरे हो जाएं, अफ़सरों और जवानों को स्थिति संबंधी निर्देश और जानकारी दी जाए और पूर्वाभ्यास किया जाए, वरिष्ठ अधिकारी भीड़ की संख्या और इरादों के बारे में ताज़ा जानकारी के लिए खुफिया एंजेसियों के संपर्क में रहें। अगर हो सके, तो वरिष्ठ सिविल और पुलिस अफ़सरों को आयोजकों से मिलना चाहिए और वे उन्हें शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से विरोध करने की अहमियत समझाएं। यह कोशिश अलग-अलग स्तरों पर की जानी चाहिए, और आमतौर पर इसके अच्छे नतीजे मिलते हैं। उस दिन, मैंने टीवी पर एक अकेले पुलिसवाले को स्पष्ट तौर पर दिशा अथवा उद्देश्य की पूरी तरह समझ के बिना आंसू गैस के गोले छोड़ते देखा। इसी तरह, प्रदर्शनकारियों के समूहों का पीछा करते हुए पुलिसवाले तरह-तरह की लाठियों और डंडों से लैस होकर दौड़ रहे थे।

कुछ अलग

संत की शिष्य को सीख

पुराने समय की लोक कथा है। एक संत अपने शिष्य के साथ गांव-गांव जाकर भिक्षा मांगते थे। वे लोगों को धर्म, सेवा और अच्छे कर्मों का महत्व भी समझाते थे। एक दिन चलते-चलते वे एक छोटे से घर के बाहर पहुंचे। संत ने भिक्षा के लिए आवाज लगाई। आवाज सुनकर एक छोटी बच्ची घर से बाहर आई। उसने संत को प्रणाम किया और बोली, ₹बाबा, हम बहुत गरीब हैं। हमारे घर में ऐसा कुछ नहीं है जो मैं आपको दे सकूं। आप कृपया आगे चले जाइए। संत ने बच्ची की बात सुनी और मुस्कुराते हुए बोले, ₹बेटी, ऐसा मत कहो। अगर तुम्हारे पास हमें देने के लिए कुछ नहीं है, तो अपने आंगन की थोड़ी-सी मिट्टी ही दे दो। बच्ची ने बिना सोचे तुरंत आंगन में जाकर एक मुट्ठी मिट्टी उठाई और संत के भिक्षा पात्र में डाल दी। संत ने प्रसन्न होकर उसे आशीर्वाद दिया और अपने रास्ते पर आगे बढ़ गए। कुछ दूर चलने के बाद शिष्य ने संत से पूछा, गुरुदेव, मैं समझ नहीं पाया। आपने भिक्षा में मिट्टी क्यों स्वीकार की? मिट्टी का क्या उपयोग होगा? संत ने शांत भाव से जवाब दिया, ₹तुम्हें यह मिट्टी दिखाई दे रही है, लेकिन मैं इस बच्ची के संस्कार देख रहा हूं। आज यह छोटी है। अगर आज इसे किसी की मदद करने से मना करना सीखने को मिल गया, तो भविष्य में भी यह दूसरों की सहायता करने से बच सकती है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन आज इसने अपनी क्षमता के अनुसार कुछ देने की कोशिश की है। भले ही वह केवल एक मुट्ठी मिट्टी है, लेकिन इसके मन में दान और सेवा की भावना का बीज बो दिया गया है। जब यह बड़ी होगी और इसके पास धन-संपत्ति होगी, तब यही भावना इसे जरूरतमंदों की मदद करने के लिए प्रेरित करेगी।

आप का नज़रिया

बदजुबानी का परिणाम

तमिलनाडु की राजनीति के सबसे प्रभावशाली परिवार एवं डीएमके प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के सुपुत्र पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा वृष्णन को लेकर द्विअथी टिप्पणी करने और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप में मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। असल में 3 अगस्त यानि सोमवार को कावेरी मुद्दे पर विपक्ष के नेता के भाषण के दौरान जब भीड़ तृषा, तृषा के नारे लगा रही थी तो डीएमके इस शीर्ष नेता ने अभिनेत्री तृषा वृष्णन के खिलाफ अशोभनीय और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी की। मजे की बात तो यह है कि उदयनिधि के बदजुबानी के बाद सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम यानि टीवीके पाटी के नेता सव्रिय हो गए और उन्होंने पुलिस से लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग तक में पूर्व मुख्यमंत्री की शिकायत दर्ज करा दी। डीएमके को स्वाभाविक रूप से बचाव में कहना पड़ा रहा है कि उनके नेता की टिप्पणी को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया। सच तो यह है कि उदयनिधि बेहद असय एवं अमर्यादित टिप्पणी के लिए वुख्यात हैं। इसके पहले उन्होंने एक बार नहीं कई बार सनातन धर्म की मलेरिया एवं अन्य बीमारियों से तुलना कर डाली है। उनके इस दुराचरण के खिलाफ सनातन धर्म के समर्थक ने कानूनी कार्रवाईं के लिए अदालत भी गए किन्तु चूंकि वह सत्ता से बाहर रहने के बावजूद प्रभावशाली परिवार के हैं, इसलिए उदयनिधि बचते रहे लेकिन इस बार उन्होंने सत्तारूढ़ दल के प्रमुख एवं मुख्यमंत्री विजय से पंगा लिया है क्योंकि तृषा वृष्णन से उनके नजदीकी संबंध हैं, इसीलिए टीवीके के नेता डीएमके नेता को इस बात का एहसास कराना चाहते हैं कि राज्य में स्टेट अथारिटी नाम की भी कोई चीज है और राजनेताओं को इतनी छूट नहीं मिलनी चाहिए कि वह महिलाओं की मर्यादाओं की गरिमा का ध्यान रखना आवश्यक समझे। बहरहाल उदयनिधि अपनी जहरीली जुबान के लिए जितने वुख्यात हैं, उससे अधिक जनभावनाओं के प्रति निष्ठुरता के लिए भी जाने जाते हैं। जब उदयनिधि राज्य की सत्ता के शिखर पर थे, उस वक्त उनके कई फैसले जनभावनाओं के विरुद्ध थे। राजनीतिक परिवार से संबंध रखने वाले व्यक्ति में इतना अहंकार एवं नकारात्मकता को तमिलनाडु में डीएमके के साथसाथ वुछ संस्थाएं भी उदयनिधि की बौद्धिकी मानते हैं। यही वजह है कि उन्होंने कभी अपने व्यवहारों का मूल्यांकन करने की जरूरत ही नहीं समझी। लब्बोलुआब यह है कि लोकतंत्र में विपक्ष का नेता होने का यह कदापि अर्थ नहीं है कि उसको आलोचना के साथ साथ बदजुबानी अथवा अपने प्रतिद्वंदी के अपमान का लाइसेंस मिल गया है। उसे भी जिम्मेदारी की भावना के साथ अपने विचार व्यक्त करने के कर्तव्य का अनुपालन करना चाहिए। उदयनिधि के खिलाफ कार्रवाईं बिल्वुल सही है क्योंकि जनतंत्र में जिसके पास जितनी ताकत होती है, उससे उतने ही विनम्रता की उम्मीद की जाती है। उदयनिधि को संवैधानिक पद की गरिमा के अनुवूल अपनी अमर्यादित टिप्पणी के लिए क्षमा मांग लेना चाहिए और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री तथा अभिनेत्री को भी दुर्भावना त्याग कर उदयनिधि की नासमझी वश किए गए उनके अक्षम्य अपराध के लिए क्षमा का देना चाहिए अन्यथा डीएमके राज्य की सत्तारूढ़ पाटी और सरकार के कामों में हमेशा अडंगा डालेगी और इसका परिणाम भुगतेगी राज्य की निद्र्ोष जनता।

असल में 3 अगस्त यानि सोमवार को कावेरी मुद्दे पर विपक्ष के नेता के भाषण के दौरान जब भीड़ तृषा, तृषा के नारे लगा रही थी तो डीएमके इस शीर्ष नेता ने अभिनेत्री तृषा वृष्णन के खिलाफ अशोभनीय और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी की। मजे की बात तो यह है कि उदयनिधि के बदजुबानी के बाद सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम यानि टीवीके पाटी के नेता सव्रिय हो गए और उन्होंने पुलिस से लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग तक में पूर्व मुख्यमंत्री की शिकायत दर्ज करा दी। डीएमके को स्वाभाविक रूप से बचाव में कहना पड़ा रहा है कि उनके नेता की टिप्पणी को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया। सच तो यह है कि उदयनिधि बेहद असय एवं अमर्यादित टिप्पणी के लिए वुख्यात हैं। इसके पहले उन्होंने एक बार नहीं कई बार सनातन धर्म की मलेरिया एवं अन्य बीमारियों से तुलना कर डाली है। उनके इस दुराचरण के खिलाफ सनातन धर्म के समर्थक ने कानूनी कार्रवाईं के लिए अदालत भी गए किन्तु चूंकि वह सत्ता से बाहर रहने के बावजूद प्रभावशाली परिवार के हैं, इसलिए उदयनिधि बचते रहे लेकिन इस बार उन्होंने सत्तारूढ़ दल के प्रमुख एवं मुख्यमंत्री विजय से पंगा लिया है क्योंकि तृषा वृष्णन से उनके नजदीकी संबंध हैं, इसीलिए टीवीके के नेता डीएमके नेता को इस बात का एहसास कराना चाहते हैं कि राज्य में स्टेट अथारिटी नाम की भी कोई चीज है और राजनेताओं को इतनी छूट नहीं मिलनी चाहिए कि वह महिलाओं की मर्यादाओं की गरिमा का ध्यान रखना आवश्यक समझे।

दृष्टि कोण

उच्च शिक्षा परिसरों में एचआईवी के बढ़ते मामले

देश का भविष्य उसके युवा तय करते हैं और युवा शक्ति का सबसे बड़ा केंद्र हमारे विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय हैं। ऐसे में यदि किसी राज्य से यह समाचार सामने आए कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी एचआईवी (HIV) संक्रमण से प्रभावित पाए गए हैं और सरकार को उच्च शिक्षा संस्थानों में व्यापक जांच अभियान चलाने का निर्णय लेना पड़ा है, तो यह केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय नहीं रह जाता। यह शिक्षा, समाज, परिवार, नीति-निर्माताओं और पूरे राष्ट्र के लिए गंभीर चेतावनी है। यह समय भय फैलाने का नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता और व्यापक जागरूकता के साथ इस चुनौती का सामना करने का है। एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर हमला करता है। यदि समय पर जांच और उपचार न मिले तो यह एड्स (AIDS) जैसी गंभीर अवस्था तक पहुंच सकता है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने इसे अब एक नियंत्रित बीमारी बना दिया है। एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART) की सहायता से संक्रमित व्यक्ति सामान्य और लंबा जीवन जी सकता है। इसलिए सबसे महत्वपूर्ण है समय पर पहचान, नियमित उपचार और संक्रमण की रोकथाम। युवाओं में एचआईवी संक्रमण की खबर कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। क्या हमारे शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य और यौन शिक्षा पर्याप्त है? क्या युवाओं को सुरक्षित व्यवहार, संक्रमण के कारणों और बचाव के उपायों की वैज्ञानिक जानकारी मिल रही है? क्या परिवार और समाज इस विषय पर खुलकर संवाद करने को तैयार हैं? यदि इन प्रश्नों का उत्तर 'नहीं' है, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या केवल स्वास्थ्य की नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक सोच और शिक्षा व्यवस्था की भी है। भारतीय समाज में आज भी यौन स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना सहज नहीं माना जाता। माता-पिता संकोच करते हैं, शिक्षक कई बार इस विषय से बचते हैं और विद्यार्थी अधूरी या भ्रामक जानकारी इंटरनेट अथवा मित्रों से प्राप्त करते हैं। परिणामस्वरूप मिथक,

भ्रांतियां और गलत निर्णय जन्म लेते हैं। जबकि वैज्ञानिक जानकारी ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। यह समझना भी आवश्यक है कि एचआईवी संक्रमण केवल असुरक्षित यौन संबंधों से ही नहीं, बल्कि संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित सुई के प्रयोग तथा संक्रमित मां से शिशु तक भी फैल सकता है। वहीं हाथ मिलाने, साथ बैठने, भोजन साझा करने, गले मिलने, छींकने या मच्छर के काटने से एचआईवी नहीं फैलता। दुर्भाग्य से आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग इन तथ्यों से अनभिज्ञ है। यही अज्ञानता संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार को जन्म देती है। उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत युवा जीवन के ऐसे दौर में होते हैं जहां स्वतंत्रता, जिज्ञासा और नए अनुभवों का विस्तार होता है। ऐसे में उन्हें सही दिशा देना केवल परिवार का नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों और सरकार की भी जिम्मेदारी है। प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य परामर्श केंद्र, प्रशिक्षित काउंसलर, गोपनीय जांच सुविधा और नियमित जागरूकता कार्यक्रम होने चाहिए। विद्यार्थियों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि वे किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के साथ आगे आते हैं, तो उनकी निजता और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। यदि किसी राज्य ने उच्च शिक्षा संस्थानों में एचआईवी जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है, तो इसका उद्देश्य केवल संक्रमित व्यक्तियों की पहचान करना नहीं होना चाहिए। इसके साथ परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, उपचार और जागरूकता को समान महत्व देना होगा।

भारतीय टीम का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचना कठिन, श्रीलंका के पास अच्छा अवसर :चोपड़ा

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम जिस प्रकार से खेल रही है। उसको देखते हुए उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल में पहुंचने की संभावना बेहद कम है। वहीं श्रीलंका के पास अच्छा अवसर है। चोपड़ा के अनुसार ये सही है कि भारतीय टीम दो बार की उपविजेत रही है पर इस बार उसकी राह लगभग असंभव नजर आ रही है। वहीं श्रीलंका के पास भारत के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू सीरीज जीतकर शीर्ष चार में जगह बनाने का अवसर है। भारतीय टीम 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। वर्तमान हालातों पर नजर डालें तो डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारतीय टीम 48.150 फीसदी अंकों (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं। वहीं, श्रीलंका 41.67 पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है।

चोपड़ा ने बताया कि श्रीलंका के लिए यह सीरीज निर्णायक साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, अगर हम (भारत) 2-0 से हारते हैं, तो हम सिर्फ 39 फीसदी अंक र रहेंगे और श्रीलंका 61 फीसदी अंक पर पहुंच जाएगा और चौथे नंबर पर आ जाएगा। अगर श्रीलंका भारत को 2-0 से हराता है तो वह दौड़ में शामिल हो जाएगा। तब उनके आगे बढ़ने का वास्तविक मौका होगा, वरना उनके लिए यह पास आकर भी दूर रहने वाली कहानी होगी। इससे स्पष्ट है कि श्रीलंका के पास इस सीरीज में क्लीन स्वीप कर डब्लूटीसी फाइनल की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश करने का सुनहरा अवसर है।

वहीं, भारतीय टीम के हिसाब से देखें तो चोपड़ा ने बताया कि अगर भारत सीरीज में क्लीन स्वीप करता है, तो उन्हें फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा, अगर हम यह सीरीज 2-0 से जीतते हैं, तो हम 57.58 फीसदी अंक तक पहुंच जाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सीरीज 1-1 से ड्रा होती है, तो दोनों टीमों को कोई खास फायदा नहीं होगा। ऐसी स्थिति में भारत 48.48 पीसीटी और श्रीलंका 44.44 पीसीटी पर रहेगा, जिससे उनकी मौजूदा स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा।

चोपड़ा ने भारत के लिए आगे आने वाली परेशानी पर भी प्रकाश डाला, जो उनके फाइनल में पहुंचने की राह को और मुश्किल बनाती हैं। उन्होंने कहा, आगे हमारे पास न्यूजीलैंड में 2 मैचों की सीरीज है, जहां जीतना मुश्किल है। अगर आप एक भी मैच हारते हैं, तो आप 50 फीसदी अंक खो देते हैं। यह एक मुश्किल सीरीज होगी और उसके बाद भारत में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच हैं। भारत मुश्किल स्थिति में है। न्यूजीलैंड में भारत का रिकार्ड खराब रहा है, 2008/09 के बाद से उन्होंने वहां कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। भारत को घरेलू मैदान पर भी आस्ट्रेलिया के खिलाफ संघर्ष करना पड़ सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले साल मिली लगातार क्लीन स्वीप से स्पष्ट है।

न्यूज ब्रीफ

सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज: प्रज्ञानानंद रैपिड चरण में शीर्ष पर, अब ब्लिट्ज मुकाबलों पर नजर

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के रैपिड चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। नौ राउंड के बाद उन्होंने संभावित 18 में से 12 अंक जुटाए और इसी के साथ इस वर्ष के अंत में होने वाले ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) फाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया।

विश्व चैंपियनशिप 2026 की दौड़ से बाहर हो चुके प्रज्ञानानंद ने रैपिड चरण में सटीक रणनीति, बेहतरीन तकनीक और जीत के जज्बे का शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्हें अंतिम (नौवें) राउंड में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर जार्डन वान फोरेस्ट के हाथों हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह एक अंक की बढ़त के साथ शीर्ष पर बने रहे। उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव 11 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। सिंदारोव इसी वर्ष विश्व शतरंज चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में भारत के डी. गुकेश को चुनौती देंगे। अमेरिका के वेस्ली सो भी 11 अंकों के साथ शीर्ष खिलाड़ियों की दौड़ में बने हुए हैं। हालांकि, टूर्नामेंट का फैसला केवल रैपिड चरण से नहीं होगा। अब खिलाड़ियों को 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेलने हैं, जहां प्रत्येक जीत पर एक अंक मिलेगा। कुल 2 लाख अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार अमेरिकी डालर मिलेंगे। यदि प्रज्ञानानंद अंतिम राउंड जीत जाते तो ब्लिट्ज चरण में उनकी बढ़त और मजबूत होती। रैपिड चरण में उन्होंने चार जीत, चार ड्रा और एक हार के साथ 12 अंक हासिल किए। रैपिड चरण के बाद अंक तालिका में लेवोन अरोनियन, लेनियर डोमिंगेज पेरेज, अनिश गिरी और विन्सेंट कीमर नौ-नौ अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इनमें विशेष रूप से कीमर ब्लिट्ज शतरंज के मजबूत खिलाड़ी माने जाते हैं और खिताबी दौड़ को रोचक बना सकते हैं। इस 10 खिलाड़ियों की राउंड-राबिन प्रतियोगिता के बाद प्रतिष्ठित सिंकफील्ड कप का आयोजन होगा, जो क्लासिकल प्रारूप में खेला जाएगा। रैपिड चरण के बाद शीर्ष खिलाड़ी :- 1. आर. प्रज्ञानानंद (भारत) - 12 अंक , 2. जावोखिर सिंदारोव (उज्बेकिस्तान) - 11 अंक , 3. वेस्ली सो (अमेरिका) - 11 अंक , 4. लेवोन अरोनियन (अमेरिका), लेनियर डोमिंगेज पेरेज (अमेरिका), अनिश गिरी (नीदरलैंड) और विन्सेंट कीमर (जर्मनी) - 9-9 अंक।

सिनसिनाटी ओपन में फिर साथ दिखेंगी विलियम्स बहनें, यूएस ओपन से पहले खेलेंगी डबल्स

नई दिल्ली। सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स एक बार फिर डबल्स कोर्ट पर साथ उतरने के लिए तैयार हैं। यूएस ओपन से पहले होने वाले प्रतिष्ठित सिनसिनाटी ओपन में दोनों को डबल्स ड्रा के लिए वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है।

टूर्नामेंट आयोजकों ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहला अवसर होगा, जब दोनों बहनें किसी आधिकारिक मुकाबले में डबल्स जोड़ी के रूप में खेलती नजर आएंगी। वहीं, सिनसिनाटी ओपन में दोनों पहली बार एक साथ डबल्स खेलने उतरेंगी। इस साल विंबलडन में भी दोनों को डबल्स के लिए वाइल्ड कार्ड मिला था, लेकिन सेरेना विलियम्स की चोट के कारण यह जोड़ी कोर्ट पर नहीं उतर सकी थी। सेरेना और वीनस विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल डबल्स जोड़ियों में गिनी जाती हैं। 3 ओलंपिक स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं।

सीए ने भारतीय मूल के नील को अंडर-19 टीम में शामिल किया

सिडनी। भारत को जिस प्रकार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के तौर पर एक उभरता हुआ सितारा मिला है। वैसा ही एक सितारा क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) को भी मिल गया है। संयोग की बात ये है कि ये उभरता क्रिकेटर नील पटेल भी भारतीय मूल का है।

युवा सलामी बल्लेबाज नील पटेल ने आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया है। इसी कारण इस बल्लेबाज को अगले माह 13 सितंबर से होने वाले भारत दौरे के लिए आस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। नील को आस्ट्रेलिया के 16 सबसे होनहार और उभरते हुए क्रिकेटरों की सूची में भी जगह मिली है जिससे उनकी असाधारण खेल क्षमता का अंदाजा होता है। नील ने बहुत कम उम्र में आस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट और एज-ग्रुप टूर्नामेंट्स में काफी अधिक रन बनाये हैं। उन्हें आस्ट्रेलिया के सबसे रोमांचक और आक्रामक युवा बल्लेबाजी प्रतिभा में से एक माना जाता है। न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने अपनी ठोस तकनीक, क्रीज पर गजब के संयम और लंबी पारियां खेलने की क्षमता से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। यूनिवर्सिटी आफ़ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए पटेल ने सिर्फ़ 16 साल की उम्र में सुर्खियां बटोरीं।

अल्जीरिया ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के कारण कोच पेटकोविच को हटाया

अल्जीयर्स

अल्जीरियाई फुटबाल फेडरेशन (एफएएफ) ने हाल में हुए फीफा विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम के मुख्य कोच व्लादिमीर पेटकोविक और उनके सहयोगी स्टाफ को हटा दिया है। एफएएफ ने कोच पेटकोविक के 29 महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर कर दिया है। इसका कारण उनका अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाना रहा है। एफएएफ ने एक आधिकारिक बयान में पेटकोविक और उनके स्टाफ के प्रति उनके पेशेवरपन, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड और लाजियो के पूर्व कोच रहे पेटकोविक को मार्च 2024 में जामेल बेलमाडी की जगह टीम का कोच बनाया गया था। उनके मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, 2022 में बाहर रहने के बाद टूर्नामेंट में अपनी वापसी सुनिश्चित की। यह उपलब्धि प्रशंसनीय थी, जिसने टीम में नई उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 62 वर्षीय पेटकोविक के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन विश्व कप में निराशाजनक रहा, जिसके कारण फेडरेशन को अलग होने का निर्णय लेना पड़ा। अल्जीरिया ग्रुप जे में तीसरे स्थान पर रहा और नाकआउट चरण में पहुंचा, लेकिन राउंड आफ 32 में स्विट्जरलैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। यह गौरतलब है कि विश्व कप से कुछ समय पहले ही पेटकोविक का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया गया था। इसके बावजूद, टीम के अपेक्षित परिणामों को हासिल करने में विफलता ने फेडरेशन को भविष्य को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाने पर मजबूर किया।

पेटकोविक से करार खत्म करने के बाद, अल्जीरियाई फुटबाल फेडरेशन नए कोच की तलाश में है। टीम के सामने अब सितंबर में 2027 अफ्रीका कप आफ नेशंस के लिए क्वालीफिकेशन मैच हैं, जहां उसे जांबिया, टोगो और बुरुंडी के साथ ग्रुप में रखा गया है। यह एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी जिसके लिए टीम को एक मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता होगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार नाइजीरिया के हेड कोच एरिक चेले और हाल ही में ट्यूनीशिया से अपना पद छोड़ने वाले अनुभवी कोच हर्वे रेनार्ड, पेटकोविक की जगह ले सकते हैं।

मेसी की दरियादिली, स्पेन में आग प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए दान दिए 80000 यूरो

मैड्रिड। फुटबाल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने स्पेनिश राजधानी मैड्रिड में हाल ही में जंगल में लगी भीषण आग से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण के प्रयासों के लिए 80,000 यूरो (करीब 88 लाख रुपये) का दान दिया है। मैड्रिड क्षेत्रीय सरकार की प्रेसिंडेट इसाबेल डियाज अयुसो ने सोशल मीडिया पर इस अर्जेंटीना के स्टार के योगदान की घोषणा की और प्रभावित समुदायों के समर्थन में उनके इस उदार भाव के लिए धन्यवाद दिया। इसाबेल डियाज ने कहा, मेसी ने मैड्रिड के सिएरा ओएस्ते क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिए 80,000 यूरो दान किए हैं। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं और उनसे कहना चाहती हूं कि मैड्रिड के लोग जल्द ही उनका स्वागत करने और उन्हें वह सम्मान देने के लिए उत्सुक हैं जिसके वे हकदार हैं। तेजी से फैली थी आग यह दान ऐसे समय में आया है जब स्पेनिश अधिकारी मैड्रिड के सिएरा ओएस्ते क्षेत्र में तबाही मचाने वाली आग के बाद की स्थिति को संभालने के अपने प्रयासों में जुटे हुए हैं। इससे पहले, दक्षिणी यूरोप में जंगल की आग तेजी से फैलती रही, जिससे स्पेन, फ्रांस और इटली में बड़े पैमाने पर लोगों को वहां से निकालना पड़ा और आपातकालीन अभियान चलाने पड़े, क्योंकि अत्यधिक गर्मी और तेज हवाओं ने आग को और भड़का दिया था। न ने एक राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया था क्योंकि आग ने मैड्रिड के पास और अविला प्रांत में समुदायों को खतरे में डाल दिया था। मालूम हो कि मेसी ने अर्जेंटीना को 2026 फीफा विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था, जहां टीम को स्पेन से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

नेमार दिसंबर के बाद क्लब फुटबाल से भी ले सकते हैं संन्यास

साओ पाउलो

ब्राजील के स्टार फुटबालर नेमार के क्लब भविष्य को लेकर भी संशय छाया हुआ है। नेमार ने विश्वकप के बाद अंतराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लिया था पर अब कहा जा रहा है कि वह क्लब स्तर के मुकाबले भी इस साल के अंत तक ही खेलेंगे। वहीं नेमार का कहना है कि वह अभी दिसंबर तक क्लब स्तर पर खेलते रहेंगे और उसके बाद हालातों की समीक्षा कर आगे का फैसला करेंगे। उन्होंने दिसंबर के बाद के अपने भविष्य को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। जिससे उनके प्रशंसक संशय में हैं।

सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने कहा कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने अपने प्रशंसकों और फुटबाल जगत को आश्वस्त करते हुए कहा, मैं अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रहा हूं। नेमार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अपनी अनिश्चितता खुले तौर पर जाहिर की। उन्होंने कहा, अभी कुछ नहीं बता सकता, दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे।

नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। उनके इस खुलेपन ने इस बात को बल दिया है कि दिसंबर के बाद उनके पास कई विकल्प खुले हो सकते हैं। 34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं, जिसने उनके खेल और करियर दोनों पर गहरा असर डाला है। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली की गंभीर चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे थे, और इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था, जिसके चलते ब्राजील टीम को काफी नुकसान हुआ। लगातार चोटों से जूझने के बावजूद नेमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है; उन्होंने ब्राजील के लिए चार गोल किए और राष्ट्रीय टीम के इतिहास में चार अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया।

राज्य रैंकिंग मास्टर्स टेबल टेनिस स्पर्धा 8 अगस्त से

इंदौर। मध्य प्रदेश वेटरंस टेबल टेनिस कमेटी द्वारा सत्र की पहली राज्य रैंकिंग मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन 8 अगस्त से स्थानीय अभय प्रशाल में किया जाएगा। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में होने वाली इस स्पर्धा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में वेटरन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। म.प्र. वेटरंस टेबल टेनिस कमेटी के सचिव गौरव पटेल ने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुष एकल के 40+, 50+, 60+, 65+ और 70+ आयु वर्ग में मुकाबले खेले जाएंगे। इसके अलावा महिला एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल वर्ग में भी खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। स्पर्धा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 125 से अधिक खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। मुकाबले स्टेग अमेरिका की 12 टेबलों पर आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता के संचालन के लिए प्रमुख निर्णायक गोविंद शर्मा और नवीन सोनी के साथ 10 सदस्यीय निर्णायक दल जिम्मेदारी संभालेगा।

डीपीएल: सकारात्मक सोच और बेहतर रणनीति से मिली जीत: आयुष दोसेजा

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ पर जीत के बाद वेस्ट दिल्ली लायंस के कार्यवाहक कप्तान आयुष दोसेजा ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरकर अपनी रणनीति को पूरी तरह सफल बनाया।

दोसेजा ने कहा, यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण जीत थी। कल की हार के बाद हम सकारात्मक मानसिकता के साथ वापसी करना चाहते थे। हमने अच्छी योजना बनाई, सकारात्मक रहे और अपनी रणनीति को पूरी तरह अमल में उतारा। कप्तान के तौर पर जिस तरह खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी निभाई, उससे मैं बेहद खुश हूं।

उन्होंने मैच के हीरो मयंक गुसाईं की जमकर तारीफ की। गुसाईं ने गेंदबाजी में चार ओवर में मात्र 13 रन देकर तीन विकेट लिए और बाद में 10 गेंदों पर नाबाद 19 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

दोसेजा ने कहा, मयंक ने शानदार गेंदबाजी की। वह बेहतरीन आलराउंडर हैं, लेकिन उनकी गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। टी20 मैच में चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट लेना शानदार प्रदर्शन है। उन्होंने जीत में सबसे बड़ा योगदान दिया और प्लेयर आफ द मैच के हकदार थे।

अपनी बल्लेबाजी पर दोसेजा ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी करने आया तब स्थिति थोड़ी चुनौतीपूर्ण थी क्योंकि हम शुरुआती विकेट गंवा चुके थे। मेरी योजना पहले कुछ गेंदें खेलकर परिस्थितियों को समझने की थी। इसके बाद जब मुझे गैप मिलने लगे तो मैंने सकारात्मक क्रिकेट खेलते हुए लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने की कोशिश की। बारिश से प्रभावित परिस्थितियों पर उन्होंने कहा, बारिश की वजह से हमारी योजनाओं में कुछ बदलाव करना पड़ा और अंतिम एकादश में भी परिवर्तन करने पड़े। लेकिन टीम का हर खिलाड़ी मौके के लिए तैयार था। सभी ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला और टीम की जीत में योगदान दिया।

इस जीत के साथ वेस्ट दिल्ली लायंस ने डीपीएल 2026 में तीन मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में चार अंक हासिल कर लिए।

बुमराह की खराब फिटनेस से उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर उठे सवाल

पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर लगातार संघर्ष करते रहे हैं। इसी कारण वह बार-बार टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। ऐसे में अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में उनके खेलने को लेकर टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण ये है कि पिछले बुमराह पिछले 970 दिन में सिर्फ तीन एकदिवसीय ही खेल पाये हैं। ऐसे में उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अपने अनूठी एक्शन और सटीक यार्कर के कारण क्रिकेट जगत में एक अलग पहचान बनाने में सफल रहे हैं पर यही उनकी फिटनेस के लिए भी एक चुनौती बन गई है। बीसीसीआई द्वारा उनके वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दिए जाने के बावजूद, बुमराह की मैदान पर उपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्रिकेट के मैदान पर उतरने के बाद कोई भी खिलाड़ी अपने को चोटों से ज्यादा समय तक नहीं बचा पाता, और बुमराह इसका जीता-जागता उदाहरण हैं।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 970 दिनों की अवधि में बुमराह ने भारतीय टीम के लिए केवल 3 एकदिवसीय मैच खेले हैं। यह आंकड़ा तब और भी हैरान करने वाला हो जाता है जब हम देखते हैं कि इसी दौरान भारतीय टीम ने कुल 29 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, जिसका अर्थ है कि बुमराह ने इनमें से 26 महत्वपूर्ण मैचों को नहीं खेला है।

2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से ही हां बुमराह कुछ ही एकदिवसीय मैचों में ही मैदान पर दिखे हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या बुमराह अपनी इस सीमित उपलब्धता के साथ भारतीय टीम को 2027 का एकदिवसीय विश्व कप जिताने में सक्षम होंगे साथ ही, वर्कलोड मैनेजमेंट पर इतना जोर दिए जाने के बावजूद उनकी पूरी फिटनेस हासिल न कर पाना भी कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

बुमराह की अनुपस्थिति सिर्फ एकदिवीसयस फार्मेट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चोट और वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण वह टेस्ट और टी-20 फार्मेट से भी लगातार बाहर रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट में, साल 2023 के बाद से भारतीय टीम ने कुल 27 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह केवल 22 में ही मैदान पर उतर सके हैं, यानी 5 टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर रहना पड़ा।

क्रिकेट के सबसे छोटे फार्मेट, टी-20 में तो स्थिति और भी चिंताजनक है। 2023 वनडे विश्व कप के बाद से भारतीय टीम ने कुल 78 टी-20 मैच खेले हैं, जिनमें से बुमराह ने सिर्फ 33 में ही हिस्सा लिया है। इसका मतलब है कि उन्होंने चोट या वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर 45 टी-20 मुकाबलों में मैदान से बाहर ही समय बिताया है। बुमराह की यह लगातार चोटें न केवल उनके स्वयं के करियर के लिए बल्कि भारतीय टीम के लिए भी एक बड़ा सिरदर्द बन गई हैं। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर वह एकदिवसीय सीरीज में घुटने की चोट का शिकार हो गये। इसी कारण अब वह श्रीलंका दौरे से भी बाहर हो गये हैं।

आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ सेवा केंद्र ने 200 विद्यार्थियों को वितरित किए स्कूल बैग

बेंगलूरु, 05 अगस्त (एजेंसियां)।
आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ सेवा केंद्र, बेंगलूरु द्वारा सेवा, साधना एवं संस्कार की भावना को साकार करते हुए दासरहल्ली स्थित सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय में 200 विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। यह सेवा अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों के जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल बैग प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरों पर प्रसन्नता और उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ललित मांडोत ने की, जबकि सेवा केंद्र के मंत्री लादूलाल बाबेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सेवा कार्य का सफल संचालन संयोजक राजेश चावत के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेवा केंद्र के मंत्रीमंडल, कार्यकारिणी एवं ट्रस्ट परिवार के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस सेवा अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना, उनमें संस्कारों का विकास करना तथा समाज में सेवा और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने सेवा को मानव जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए कहा कि एक स्कूल बैग केवल अध्ययन सामग्री रखने का साधन नहीं, बल्कि एक विद्यार्थी के सपनों, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।

कार्यक्रम में दासरहल्ली वार्ड की पूर्व कॉरप-ोरेटर उमा नागराज, संगठन मंत्री विक्रम दुगड़, नवरतनमल गांधी, दासरहल्ली सभा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, प्रवीण बोहरा, लोकेश बोहरा, तेयुप अध्यक्ष दिलीप पीतलिया, मंत्री कल्पेश चावत, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती भाग्य लक्ष्मी, कन्हैयालाल गांधी, हंसमुख बाबेल, रमेश मेवाड़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगकर्ताओं, दानदाताओं एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही भविष्य में भी शिक्षा एवं सेवा से जुड़े ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया गया।

लाइफ मैनेजमेंट में ही जीवन का हर राज छिपा है : राजमतीजी म.सा.

शुद्ध सामायिक ही आत्मकल्याण का सशक्त माध्यम, धर्म को जीवन में उतारने का दिया संदेश

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास-2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. ''मधुकर'' की पावन परम्परा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. ''भीम'' के पावन सान्निध्य से प्रेरित जिन शासन चन्द्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएँ – जिन शासन दीपिका, मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. ''राजुल'', मुस्कानप्रिय एवं स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. सुख-साता पूर्वक विराजमान हैं।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ पूज्य महासती श्री जीव्याश्रीजी म.सा. के प्रेरक प्रवचन से हुआ। उन्होंने एक सुंदर गीतिका के माध्यम से अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि चिंतामणि रत्न की प्राप्ति के लिए जितना पुरुषार्थ करना पड़ता है, उससे कहीं अधिक पुरुषार्थ संसार-सागर से पार उतरने के लिए आवश्यक है तथा धर्म साधना के लिए अनंत गुना अधिक परिश्रम करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि यदि जीवन में सफलता प्राप्त करनी है और निरंतर आगे बढ़ना है तो प्रत्येक कार्य व्यवस्थित ढंग से करना चाहिए। लाइफ मैनेजमेंट में ही जीवन का हर राज छिपा है। जो व्यक्ति प्रातःकाल उठकर परमात्मा की भक्ति करता है, वह स्वस्थ, बुद्धिमान एवं धनवान बनता है। जो उगते हुए सूर्य के दर्शन करता है, उसका भाग्य भी सदैव उदित रहता है।

इसके पश्चात महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि वीतराग जिनवाणी जीव को संसार-सागर से पार उतारने का कार्य करती है। शुद्ध सामायिक आत्मकल्याण का सर्वोत्तम साधन है और वही जीव को संसार से तार सकती है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में अधिकांश चीजें दिखावे तक सीमित हो गई हैं। धर्म केवल नाम मात्र का रह गया है, जबकि उसे जीवन में उतारने की आवश्यकता है। उन्होंने पूनिया श्रावक का उदाहरण देते हुए कहा कि वे 48 मिनट की शुद्ध सामायिक करते थे। उनकी सामायिक प्राप्त करने के लिए स्वयं श्रेणिक महाराज भी पहुंचे थे, लेकिन उसे खरीद नहीं सके। आज हम धर्म को केवल औपचारिकता या खेल समझकर निभा रहे हैं, जबकि उसे अपने आचरण का हिस्सा बनाना चाहिए।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में संघ के मंत्री अशोक सिंघवी ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि आयम्बिल एवं एकासना की श्रृंखला निरंतर जारी है। संघ द्वारा संचालित भोजनशाला में आज सिद्धि तप के तपस्वियों ने एकासना का लाभ प्राप्त किया।

सिखवाल समाज नागौर पट्टी सस्ता का सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिखवाल समाज नागौर पट्टी सस्ता द्वारा श्री अनंतगोपाल जी एवं श्री बृजेश कुमार जी सहित समस्त तड़बा तिवारी परिवार (जांडन वाला) का पुष्पमाला एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने तिवारी परिवार का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके सामाजिक योगदान की सराहना की।

सम्मान समारोह में नागौर पट्टी सस्ता के अध्यक्ष अनिल जायलवाल के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों ने तिवारी परिवार का अभिनंदन किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर ओमप्रकाश ओझा, भगवानदास नागला, कांतिलाल नागला, अजय पंडित, संदीप जायलवाल, ओम नारायण पंडित, विजय शर्मा तथा बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने समाज की एकता, आपसी सद्भाव एवं सामाजिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाने के लिए ऐसे आयोजनों को प्रेरणादायी बताया।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा का श्रीलंका भ्रमण 21 अक्टूबर से

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा द्वारा अग्रबंधुओं के लिए श्रीलंका भ्रमण का विशेष कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। शाखा के परामर्शदाता एवं प्रचार-प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह छह दिवसीय भ्रमण 21 अक्टूबर को हवाई यात्रा के साथ प्रारंभ होकर 26 अक्टूबर को संपन्न होगा।

उन्होंने बताया कि भ्रमण के दौरान दो रात्रि बेंटोटा में प्रवास रहेगा, जहां समुद्री बीच, मधु रिवर सफारी तथा विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। इसके बाद दो रात्रि कैंडी में प्रवास के दौरान विभिन्न मंदिरों के दर्शन, बोटैनिकल गार्डन, शहर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों का भ्रमण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रहेगा।

यात्रा के अंतिम चरण में एक रात्रि कोलंबो में प्रवास होगा, जहां शहर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, गाले फेस ग्रीन तथा शॉपिंग का कार्यक्रम रखा गया है।

यात्रा के दौरान प्रतिभागियों के लिए स्टार होटल में आवास, स्थानीय भ्रमण (साइट सीइंग) तथा भोजन की समुचित व्यवस्था रहेगी, जिससे सभी यात्री आरामदायक एवं सुखद यात्रा का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

शाखा की ओर से सभी शाखाओं के अग्रबंधुओं से इस भ्रमण में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है। जिन अग्रबंधुओं की इस टूर में रुचि हो, वे टूर संयोजक एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवालों) से संपर्क कर अधिक जानकारी एवं पंजीकरण करा सकते हैं।

गीत चाँदनी की मूल्यांकन एवं कवि गोष्ठी सारगर्भित वातावरण में संपन्न

हैदराबाद, 5 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो):
नगरद्वय के कवियों की सक्रिय साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान के तत्वावधान में प्रतिमास आयोजित मूल्यांकन गोष्ठी (क्रम-346) मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलर सभागार में सारगर्भित एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई।

संस्था के कार्यदर्शी एवं वरिष्ठ कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस माह की गोष्ठी का विशेष आकर्षण पटना (बिहार) से प्रकाशित प्रतिष्ठित मासिक हिंदी पत्रिका 'फ़िलहाल' के संयुक्तांक 11-12 (जुलाई 2026) में प्रकाशित लेखों एवं रचनाओं का साहित्यिक मूल्यांकन रहा। हैदराबाद के वरिष्ठ साहित्यकारों ने पत्रिका की सामग्री पर अपने विचार प्रस्तुत किए।कवयित्री विद्या दवे श्रीमाली ने भारतीय राजनीति पर प्रकाशित लेख की समीक्षा करते हुए पूँजीवाद के बढ़ते प्रभाव और भ्रष्टाचार को लोकतंत्र के लिए चुनौती बताया। कवयित्री आशा ठाकुर ने कृषि विषयक लेख की समीक्षा में किसानों की समस्याओं के समाधान को राष्ट्र की प्राथमिकता बताया। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने वियतनाम पर आधारित लेख की समीक्षा प्रस्तुत की, जबकि कवि सुनील मिश्रा ने बेरोज़गारी संबंधी लेख पर और कवयित्री निधि झा ने 'जेएनयू का नूर' लेख पर अपने विचार रखे।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हैदराबाद के सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) विनय कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के साहित्यकार देश के किसी भी साहित्यकार से कम नहीं हैं और ऐसी गोष्ठियाँ साहित्यिक संस्कृति को जीवंत रखती हैं। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि शिव कुमार तिवारी 'कोहिरी' ने की। उन्होंने गीत चाँदनी को पिछले 45 वर्षों से साहित्य सेवा में सक्रिय बताते हुए सभी कवियों के काव्य-पाठ की सराहना की।मूल्यांकन गोष्ठी के उपरांत कवि गोष्ठी का शुभारंभ कवयित्री आशा ठाकुर द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। कवियों ने समसामयिक विषयों, सामाजिक सरोकारों, मानवीय मूल्यों और राष्ट्रभावना पर आधारित गीत, ग़ज़ल, कविता एवं हास्य-व्यंग्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। काव्य-पाठ में सुनील मिश्रा, संत कुमार मंडल 'जागृति', जितेंद्र कुमार 'चंचल', निधि झा, शिव कुमार तिवारी 'कोहिरी', पूनम जोधपुरी, विद्या दवे श्रीमाली, मंजुला यादव, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आशा ठाकुर एवं गोविंद अक्षय शामिल रहे।कार्यक्रम का संचालन गोविंद अक्षय ने किया। उन्होंने बताया कि संस्था पिछले 45 वर्षों से नियमित साहित्यिक गोष्ठियों के माध्यम से नये एवं वरिष्ठ रचनाकारों को समान मंच प्रदान कर रही है। कार्यक्रम के आरंभ में जलपान की व्यवस्था कवयित्री आशा ठाकुर के सौजन्य से की गई। अंत में सभी प्रतिभागियों एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

नायडू ने आंप्र की वित्तीय स्थिति और प्रगति पर 'श्वेत पत्र' जारी किया

विजयवाडा ।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद, राज्य ने 2014-2019 के दौरान 13.5 प्रतिशत की जीएसडीपी वृद्धि दर हासिल की थी और यह पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी के 2019-24 के शासनकाल के दौरान घटकर 10.3 प्रतिशत पर आ गई। इसके परिणामस्वरूप राज्य को 6.94 लाख करोड़ रुपये का जीएसडीपी नुकसान हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

परिसीमन...

सूत्रों के अनुसार, बुधवार की बैठक से पहले मंगलवार रात दोनों नेताओं के बीच टेलीफोन पर भी बातचीत हुई थी। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि विदेशी अंशदान विनियमन विधेयक तथा परिसीमन विधेयक को लेकर सरकार की रणनीति पर राहुल गांधी गुरुवार को विपक्षी दलों की बैठक में विस्तार से चर्चा करेंगे। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव तथा अन्य प्रमुख सहयोगी दलों के नेताओं से भी संयुक्त रणनीति बनाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम को भी साथ लाने की कोशिश

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने इंडी गठबंधन से बाहर हो चुकी द्रविड़ मुनेत्र कषगम से भी अनौपचारिक संपर्क-संवाद शुरू कर दिया है। कांग्रेस का मानना है कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने अप्रैल में परिसीमन विधेयक को काला कानून बताया था। ऐसे में उनके इस विधेयक का समर्थन करने की संभावना कम है। स्टालिन के करीबी समाजवादी पार्टी, वाम दलों तथा तृणमूल कांग्रेस के माध्यम से विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम को अपने साथ बनाए रखने का प्रयास करेंगे।

उधर, किरेन रिजीजू भी समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित विपक्ष के अन्य नेताओं से मुलाकात की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने बैठक में महिला आरक्षण विधेयक को पुनः पेश किए जाने के विषय पर भी चर्चा की, लेकिन कांग्रेस की ओर से इस पर भी कोई आश्वासन नहीं दिया गया।

कॉकरोच ...

हाल के दिनों में मीडिया में ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि सीजेपी जल्द ही एक राजनीतिक दल का रूप ले सकती है। इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए अभिजीत दिपके ने स्पष्ट किया कि संगठन किसी भी स्थिति में राजनीतिक दल नहीं बनेगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सीजेपी एक दबाव समूह (प्रेशर ग्रुप) के रूप में ही कार्य करती रहेगी। संगठन का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा छात्रों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी आवाज उठाना है। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके सभी आंदोलन महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों से प्रेरित होकर पूरी तरह अहिंसक एवं लोकतांत्रिक तरीके से संचालित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय ढांचा तैयार करने पर भी हुई चर्चा

रणनीति बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर संगठनात्मक ढांचा तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। शीघ्र ही राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जा सकती है। इसके बाद संगठन के वरिष्ठ सदस्य विभिन्न राज्यों का दौरा कर छात्र संगठनों से संपर्क स्थापित करेंगे। बैठक में हाल ही में सौरभ दास के घर हुई घटना पर भी चर्चा की गई। संगठन के नेताओं ने कहा कि सीजेपी भविष्य में भी शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर मजबूती के साथ अपनी आवाज उठाता रहेगा।

दिसंबर में ...

लेकिन फिर भी मुझे अपने देश लौटना ही है।

शेख हसीना ने कहा कि दिसंबर बांग्लादेश के लिए विजय का महीना है, इसलिए उन्होंने उसी महीने लौटने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि 16 दिसंबर 1971 को भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर बांग्लादेश की स्वतंत्रता सुनिश्चित की थी। बांग्लादेश इस दिन को विजय दिवस के रूप में मनाता है।

उन्होंने अपने संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1971 में वह अपनी मां के साथ जेल में थीं और उनके पुत्र जॉय का जन्म भी जेल में हुआ था। वर्ष 1975 में उन्होंने अपने परिवार को खो दिया और छह वर्षों तक देश से बाहर रहना पड़ा।

उन्होंने कहा कि देश लौटने के बाद उन्होंने सैन्य शासन और राजनीतिक षड्यंत्रों के विरुद्ध संघर्ष किया। उन पर 19 बार जानलेवा हमले हुए, जिनमें वर्ष 2004 का ग्रेनेड हमला भी शामिल है, लेकिन वे कभी पीछे नहीं हटीं।

उन्होंने कहा, मुझे अपने भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि बांग्लादेश के भविष्य की चिंता है। मैं इसलिए लौटना चाहती हूं ताकि देश में सुरक्षा, विकास, समृद्धि और शांति का वातावरण स्थापित हो सके। अवामी लीग की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वापसी का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि देश को सही दिशा में आगे बढ़ाना है।

भारत को बताया सच्चा मित्र राष्ट्र

शेख हसीना ने अपने संबोधन में भारत को बांग्लादेश का सच्चा मित्र राष्ट्र बताते हुए कहा कि संकट के हर दौर में भारत ने बांग्लादेश का साथ दिया है।

उनके पुत्र सजीब वाजेद जॉय ने भी भारत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सत्ता से हटने के बाद भारत आने पर उनकी मां के साथ किसी राष्ट्राध्यक्ष जैसा व्यवहार किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रवास के दौरान उन्हें पूरा सम्मान, सुरक्षा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने शेख हसीना को कथित मानवता के विरुद्ध अपराध के एक मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला उनकी अनुपस्थिति में सुनाया गया।

अभियोजन पक्ष का आरोप है कि वर्ष 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले जनआंदोलन को दबाने के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री होने के नाते इसकी जिम्मेदारी शेख हसीना पर थी। न्यायाधिकरण ने उन्हें इन आरोपों में दोषी ठहराते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

हसीना समर्थक...

केशब मोड़ क्षेत्र में कुछ लोग शाकिब अल हसन के घर पहुंचे। उन्होंने पहले ईंट-पत्थर फेंककर घर की खिड़कियों के शीशे तोड़े और उसके बाद आग लगाने का प्रयास किया। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हालांकि, हमले के पीछे कौन लोग थे, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। यह घटना उस समय चर्चा में आई, जब शाकिब अल हसन बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित एक मीडिया कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसे बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने संबोधित किया था। कार्यक्रम समाप्त होने के कुछ ही घंटों बाद मगुरा स्थित उनके घर पर हमले की खबर सामने आई।

शाकिब अल हसन मगुरा-1 संसदीय सीट से अवामी लीग के सांसद भी रह चुके हैं। इसी कारण इस घटना को राजनीतिक दृष्टि से भी देखा जा रहा है। हालांकि, हमले के पीछे वास्तविक कारण क्या था, इसकी अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

घटना के बाद अवामी लीग ने एक बयान जारी कर दावा किया कि शाकिब अल हसन के घर पर पेट्रोल बम से हमला किया गया। पार्टी का आरोप है कि शेख हसीना के कार्यक्रम में शामिल होने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया।अवामी लीग ने यह भी दावा किया कि कार्यक्रम से पहले कुछ राजनीतिक दलों ने मीडिया संस्थानों को चेतावनी दी थी। पार्टी ने इस घटना को विरोधियों की सुनियोजित कार्रवाई बताया।अब तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार, घर में तोड़फोड़ और आग लगाने के प्रयास की बात सामने आई है। वहीं, पेट्रोल बम के इस्तेमाल का दावा केवल अवामी लीग ने किया है। इस दावे की स्वतंत्र अथवा सरकारी स्तर पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले की जांच जारी है।

पीडी बोले ...

इस अवसर पर अखिलेश यादव ने त्रिशूल धारण किया। कार्यक्रम में डमरू वादन तथा शिव तांडव स्तोत्र का पाठ भी किया गया। साथ ही अयोध्या से इस बार पवन पांडेय को विधायक टिकट देने का संकेत भी दिया।

इस दौरान अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के पी.डी.ए. (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के राजनीतिक सूत्र की नई व्याख्या करते हुए कहा कि 'पी.डी.' का अर्थ पंडित भी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पी.डी.ए. की अलग-अलग परिभाषाएं गढ़ रहे हैं, लेकिन जितनी पीड़ा दी जाएगी, पी.डी.ए. उतना ही मजबूत होगा।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मण मतदाताओं की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। आजादी के बाद लंबे समय तक ब्राह्मण कांग्रेस का प्रमुख वोट बैंक माने जाते रहे। प्रदेश में अब तक छह ब्राह्मण मुख्यमंत्री बने और सभी कांग्रेस से थे। राम मंदिर आंदोलन तक अधिकांश ब्राह्मण मतदाता कांग्रेस के साथ रहे। कांग्रेस के नारायण दत्त तिवारी उत्तर प्रदेश के अंतिम ब्राह्मण मुख्यमंत्री रहे।

राम मंदिर आंदोलन के बाद ब्राह्मण मतदाता धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी की ओर बढ़े। छह दिसंबर 1992 के बाद गठबंधन राजनीति के दौर में ब्राह्मण वोटों का बंटवारा भी हुआ। वर्ष 2007 में बहुजन समाज पार्टी की पूर्ण बहुमत सरकार बनने में ब्राह्मण मतदाताओं की अहम भूमिका मानी गई।

राजनीतिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2007 में बहुजन समाज पार्टी के 41 ब्राह्मण विधायक चुने गए थे। वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी के 21 ब्राह्मण विधायक विधानसभा पहुंचे। वर्ष 2017 में भारतीय जनता पार्टी के 58 ब्राह्मण विधायक निर्वाचित हुए, जबकि वर्ष 2022 में भारतीय जनता पार्टी के 41 ब्राह्मण विधायक चुने गए।

कृष्ण-सुदामा की मित्रता का दिया उदाहरण

अखिलेश यादव ने सम्मेलन में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हजारों वर्षों पुरानी मित्रता समाज में समानता और सम्मान का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को जब भी अवसर मिला है, उसने सभी वर्गों को सम्मान देने का कार्य किया है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का पलटवार

समाजवादी पार्टी की इस रणनीति पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की स्थिति सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली जैसी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के शासनकाल में गुंडागर्दी, अराजकता, दंगे, सर्व समाज की उपेक्षा तथा सनातन संस्कृति को नुकसान पहुंचाने का कार्य हुआ। उन्होंने कहा कि जनता ऐसे प्रयासों पर विश्वास नहीं करेगी।

राम मंदिर मुद्दे पर जारी घमासान

दूसरी ओर, राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर संसद से लेकर उत्तर प्रदेश विधानसभा तक राजनीतिक टकराव जारी है। लखनऊ में विधानसभा के बाहर विपक्षी विधायकों ने हाथों में दानपात्र और तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार को सदन से बाहर निकाले गए समाजवादी पार्टी के विधायक सचिन यादव बुधवार को विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि समाजवादी पार्टी राम मंदिर से जुड़े विवाद और ब्राह्मण मतदाताओं को साधने की रणनीति के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के पारंपरिक हिंदू वोट बैंक में राजनीतिक सेंध लगाने का प्रयास कर रही है।

गुप्ता अंकल...

निशा और प्रियाको इसकी सूचना दी गई थी। इसके बावजूद कोई भी उनसे मिलने नहीं पहुंची।

आनंद कुमार के अनुसार, शिवचरण गुप्ता के पास एक मोबाइल फोन था, जिसके माध्यम से वह अपनी बेटियों से बातचीत करते थे। लेकिन बीमारी बढ़ने के बाद बेटियों के फोन भी आने बंद हो गए। वृद्धाश्रम की ओर से दोबारा संपर्क करने के बावजूद भी कोई बेटी उनसे मिलने नहीं आई।

उन्होंने बताया कि मंगलवार देर रात शिवचरण गुप्ता का निधन हो गया। इसके बाद भी तीनों बेटियों को सूचना देकर कहा गया कि यदि वे आ रही हैं तो अंतिम संस्कार रोका जा सकता है, लेकिन उनके आने की कोई पुष्टि नहीं मिली।

वीडियो कॉल पर देखा अंतिम संस्कार

शिवचरण गुप्ता की बड़ी बेटी अनिता नेपाल में अध्यापिका हैं। दूसरी बेटी निशा उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में रहती हैं, जबकि सबसे छोटी बेटी प्रिया मुंबई में निवास करती हैं।

वृद्धाश्रम प्रबंधन के अनुसार, तीनों बेटियां अंतिम संस्कार में शामिल होने नहीं पहुंचीं। उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया देखी। बड़ी बेटी अनिता ने ऑनलाइन 5,100 रुपये भेजते हुए पिता का अंतिम संस्कार विधि-विधान से कराने का अनुरोध किया।

वृद्धाश्रम संचालक ने बताया कि प्रारंभ में बेटियों ने अस्थियां सुरक्षित रखने के लिए कहा था, लेकिन बाद में उन्होंने बताया कि उनके पास आने का समय नहीं है और आश्रम प्रबंधन ही अस्थियों का गंगा में विसर्जन कर दे।

अंतिम संस्कार के बाद बेटियों ने वीडियो कॉल पर पूरी प्रक्रिया देखी तथा अंतिम संस्कार का वीडियो भी उन्हें भेजने का अनुरोध किया। इसके बाद वृद्धाश्रम प्रबंधन और समाज के लोगों ने मिलकर शिवचरण रामरतन गुप्ता का विधि-विधान से अंतिम संस्कार संपन्न कराया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अ. भा. अग्रवाल सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल का नगरागमन

दक्षिण भारत प्रवास के दौरान सम्मेलन पदाधिकारियों ने किया भव्य स्वागत

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल दक्षिण भारत प्रवास के अंतर्गत चेन्नई एवं बेंगलूरु के सफल कार्यक्रमों के पश्चात बुधवार को हैदराबाद पहुंचे।

हैदराबाद आगमन पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय सह-प्रवक्ता अशोक बंसल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल तथा अन्य पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मित्तल का यह दौरा संगठन के विस्तार, सुदृढ़ीकरण एवं विभिन्न प्रांतीय इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पूर्व वे चेन्नई एवं बेंगलूरु में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता कर संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति प्रदान कर चुके हैं।

पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं

हैदराबाद में आयोजित स्वागत कार्यक्रम के दौरान सम्मेलन के पदाधिकारियों ने श्री मित्तल को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की कामना की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

ए.पी. महेश बैंक की 50वीं वार्षिक साधारण सभा आज

शेयरधारकों से सक्रिय सहभागिता एवं रचनात्मक सुझाव देने का आह्वान

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 50वीं वार्षिक साधारण सभा गुरुवार, 6 अगस्त 2026 को बैंक के प्रधान कार्यालय, 8-2-680/1 एवं 2, रोड नंबर-12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में आयोजित होगी। सभा का शुभारंभ प्रातः 11:15 बजे होगा, जिसके उपरांत सभी उपस्थित शेयरधारकों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था रहेगी।

बैंक प्रबंधन ने सभी शेयरधारकों को वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित होकर कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी निभाने का आमंत्रण दिया है। साथ ही उनसे अनुरोध किया गया है कि वे अपने बहुमूल्य विचार एवं रचनात्मक सुझाव साझा करें, जिससे सार्थक चर्चा को बढ़ावा मिले और बैंक की निरंतर प्रगति एवं विकास में सहयोग प्राप्त हो सके।

9 अगस्त 1978 को स्थापित ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक ने पिछले 49 वर्षों में निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। अपनी सुदृढ़ बैंकिंग सेवाओं और ग्राहकों के विश्वास के बल पर बैंक ने लगातार अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है।

वर्तमान में बैंक तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान तथा महाराष्ट्र (मुंबई) में फैली 45 शाखाओं के माध्यम से ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है।

बैंक का विस्तृत नेटवर्क उसकी निरंतर प्रगति, ग्राहक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता तथा विश्वसनीय बैंकिंग व्यवस्था का परिचायक है।

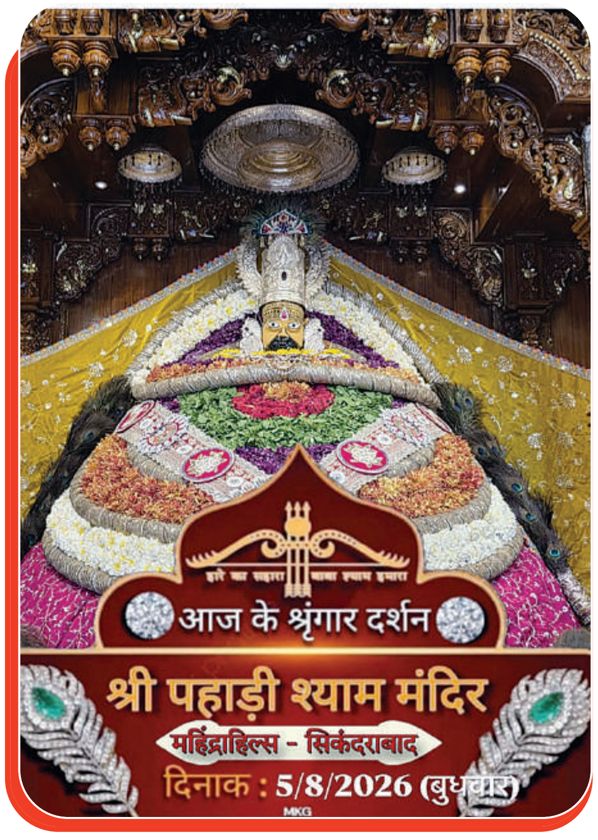

हाईलाइफ प्रदर्शनी रेडिएंस स्पेशल का आयोजन 13 से

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो):
देश के सबसे बड़े फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी ब्रांड हाईलाइफ एग्जिबिशन ने अपने बहुप्रतीक्षित रेडिएंस स्पेशल की तारीखों का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। यह भव्य प्रदर्शनी आगामी 13, 14 और 15 अगस्त 2026 को हाईटेक सिटी, हैदराबाद स्थित एचआईसीसी-नोवोटेल में आयोजित की जाएगी। इस प्रदर्शनी में आकर्षक फैशन, मनमोहक डिजाइनर वियर, लाइफस्टाइल ट्रेंड्स, खूबसूरत ज्वैलरी और लग्जरी उत्पादों का एक शानदार संग्रह देखने को मिलेगा।

बुधवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स में आयोजित हाईलाइफ एग्जिबिशन - रेडिएंस स्पेशल के ग्रैंड फैशन शोकेस और डेट अनाउंसमेंट कार्यक्रम में अभिनेत्री रिया सोनी, अभिनेत्री प्रीति सुंदर, अभिनेत्री ऋतिका चक्रवर्ती सहित कई फैशन प्रेमियों और उत्साही लोगों ने शिरकत की।

हाईलाइफ एग्जिबिशन उत्सव, लाइफस्टाइल और वेडिंग शॉपिंग के लिए सबसे प्रसिद्ध, पसंदीदा और देश के सबसे बड़े प्रदर्शनी ब्रांड्स में से एक है। आगामी 13, 14 और 15 अगस्त 2026 को एचआईसीसी, नोवोटेल, हाय-टेक सिटी में आयोजित होने वाला रेडिएंस स्पेशल संस्करण क्रिएटिव फैशन वियर, ट्रेंडिंग स्टाइल्स, ब्राइडल वियर, वेडिंग वियर, डिजाइनर वियर, एक्सेसरीज और ज्वैलरी का एक लुभावना और एक्सक्लूसिव कलेक्शन पेश करेगा।

देश की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी

हाईलाइफ एग्जिबिशन अपनी श्रेणी में देश की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी मानी जाती है। इसका मुख्य कारण इसके साथ जुड़ने वाले टॉप फैशन लेबल्स, शीर्ष डिजाइनर और उनका कलात्मक संग्रह है। यही वजह है कि खरीदारी के शौकीनों और फैशन प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी एक मस्ट विजिट गंतव्य बन जाती है।

फैशन, ज्वैलरी और ट्रेंडिंग स्टाइल्स का अनोखा संगम

हाईलाइफ एग्जिबिशन में फैशन और लाइफस्टाइल वियर, वेडिंग वियर, ट्रेंडी आउटफिट्स, डिजाइनर वियर, ज्वैलरी और एक्सेसरीज का एक से बढ़कर एक रोमांचक संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा, जो हैदराबाद के खरीदारों को एक प्रीमियम और ग्लैमरस शॉपिंग का अनुभव प्रदान करेगा।

सीएसआईआर-आईआईसीटी ने मनाया 83वां स्थापना दिवस

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश के प्रमुख बहुविषयक रासायनिक अनुसंधान संस्थानों में से एक सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी) ने स्वामी विवेकानंद सभागार में अपना 83वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु की प्रोफेसर जी. माधवी लता रहीं, जिन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज 'चिनाब रेल ब्रिज' के निर्माण में महत्वपूर्ण भू-तकनीकी योगदान दिया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सीएसआईआर-आईआईसीटी (सीएसआईआर-आईआईसीटी) के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवासा रेड्डी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और आठ दशकों की वैज्ञानिक उत्कृष्टता व राष्ट्र सेवा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, बायोटेक्नोलॉजी और पर्यावरण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में लगातार नए आयाम छू रहा है।

कठिन इलाकों में पुल निर्माण विषय पर अपना स्थापना दिवस व्याख्यान देते हुए प्रो. माधवी लता ने चिनाब ब्रिज के निर्माण के दौरान आई जटिल चुनौतियों और उनके समाधान के अनुभव साझा किए। वैज्ञानिकों व युवा शोधकर्ताओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा: बिना किसी उम्मीद के लगन (पैशन) के साथ काम करें और असफलताओं से कभी न डरें। उन्होंने कहा कि असफलताएं वैज्ञानिक खोज का हिस्सा हैं और शोधकर्ताओं को तत्काल मान्यता के बजाय निष्ठा, ईमानदारी और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्न सेवा एवं मानव सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, समर्पण और सेवा भावना के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर मानवता, करुणा और परोपकार का संदेश दिया। सेवा कार्य के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुँचाने के संकल्प को दोहराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल स्वयं के लिए जीना नहीं, बल्कि समाज और मानवता के लिए उपयोगी बनना है। जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से सेवा करता है, वही सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना करता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वे राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जैसे सेवा, संस्कार और समर्पण के परिवार से जुड़े हुए हैं। ग्रुप जिस निष्ठा, अनुशासन और निरंतरता के साथ मानव सेवा, अन्नदान और गौसेवा के कार्य कर रहा है, उसकी शब्दों में कोई परिभाषा नहीं की जा सकती। यह केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा को जीवन का उद्देश्य मानने वाले लोगों का परिवार है।

पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने समाज में यह संदेश दिया है कि सेवा के लिए धन से अधिक आवश्यक एक संवेदनशील हृदय होता है। जब समाज के लोग मिलकर सेवा का संकल्प लेते हैं, तब अनेक जरूरतमंद परिवारों के जीवन में आशा का दीप जलता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा का एक छोटा-सा कार्य भी नियमित रूप से करे तो समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा या असहाय नहीं रहेगा।

उन्होंने सभी सदस्यों के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि ग्रुप का प्रत्येक सदस्य बिना किसी भेदभाव के मानवता की सेवा में समर्पित है। यही भावना राधे-राधे ग्रुप को विशिष्ट बनाती है और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सेवा, सहयोग, संस्कार और परोपकार की इस पावन यात्रा में अधिक से अधिक लोग जुड़ें, जिससे मानवता की सेवा का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ता रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने ''जय श्री राधे'' के उद्घोष के साथ सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, अनिल धारशुवाले, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, महेश गोयल, रेनू शर्मा एवं अर्चना शास्त्री उपस्थित रहे।

शिक्षा जीवनयापन सिखाती है, संस्कार जीवन जीना : स्वामी हीरपुरी महाराज

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोइनपल्ली स्थित बापूजी नगर में गेहलोत, सोलंकी एवं पंवार परिवार के निवास पर आयोजित चातुर्मास प्रवचन के दौरान गुरुदेव महंत भवरगिरीजी महाराज के पावन सान्निध्य में कथा वाचक स्वामी हीरपुरी महाराज ने कहा कि ''शिक्षा जीवनयापन करना सिखाती है, जबकि संस्कार जीवन जीने की सही कला सिखाते हैं।'' उन्होंने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं। जिस प्रकार कुम्हार गीली मिट्टी को मनचाहा आकार देता है, उसी प्रकार माता-पिता और गुरु बचपन में बच्चों के जीवन को सही दिशा देकर उनके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। स्वामी हीरपुरी महाराज ने कहा कि आज अभिभावक बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छे वस्त्र एवं सभी सुविधाएं तो उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन यदि उन्हें संस्कार नहीं दिए गए तो यह सब अधूरा है। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि वे बच्चों को बचपन से ही सत्य बोलने, बड़ों का सम्मान करने, माता-पिता की सेवा, गुरु के प्रति आदर, ईश्वर का स्मरण तथा दया, करुणा और विनम्रता जैसे गुणों का अभ्यास कराएं।

उन्होंने कहा कि बचपन में बोए गए संस्कार ही आगे चलकर व्यक्ति के चरित्र एवं पहचान का आधार बनते हैं। धन-संपत्ति की विरासत कुछ पीढ़ियों तक ही रहती है, जबकि संस्कारों की विरासत पीढ़ी-दर-पीढ़ी समाज का निर्माण करती है। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को संपत्ति से पहले संस्कार दें। संस्कारवान बच्चे अपनी मेहनत से संपत्ति भी अर्जित कर लेते हैं, लेकिन केवल संपत्ति, यदि संस्कार न हों, तो अधिक समय तक टिक नहीं सकती।

प्रवचन के दौरान स्वामी हीरपुरी महाराज ने रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों का भी भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने माता पार्वती की तपस्या, सप्तऋषियों द्वारा उनकी परीक्षा तथा भगवान श्रीराम द्वारा भगवान शिव के विवाह के लिए किए गए आग्रह का उल्लेख करते हुए कहा कि नारद जैसे सद्गुरु की सीख और मार्गदर्शन से ही माता पार्वती की तपस्या सफल हुई। उन्होंने कहा कि विश्वास और निष्ठा से ही जीवन सफल बनता है। इस अवसर पर सीरवी समाज जीडीमेटला बडेर के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष चेनाराम चोयल, पूर्व सचिव राजूराम बर्फा, सीरवी समाज पारसीगुट्टा बडेर के सचिव नारायणलाल काग, रुघाराम गेहलोत, मांगीलाल सोलंकी, नेमाराम पंवार, जगदीश गेहलोत, रमेश मुलेवा, समस्त मारवाड़ी हरिभक्त महिला मंडल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सिखवाल समाज की होली की सैर का भव्य आयोजन संपन्न

हैदराबाद, 05 अगस्त शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिखवाल समाज चौदह खेड़ा, सात खेड़ा, कोलर बाघाणा पटी द्वारा जाडन के श्री अनंतगोपाल जी तिवारी एवं बृजेश तिवारी परिवार द्वारा घोषित होली की सैर का भव्य आयोजन घटकेसर स्थित श्रीनिधि रिसोर्ट में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों ने श्री अनंतगोपाल जी तिवारी एवं बृजेश तिवारी परिवार का शॉल, साफा एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। उपस्थित समाजबंधुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए समाज की एकता एवं आपसी सौहार्द को मजबूत बनाने वाले ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने पर बल दिया। इस अवसर पर श्याम सुंदर उपाध्याय (चौधरी), रामदेव नागला, चन्द्रभान व्यास, गणपतलाल तुकार, नंदकिशोर उपाध्याय, महेश व्यास (खारची), महावीर तिवारी, चेतन नागला, जगदीश प्रसाद उपाध्याय, ओमप्रकाश भीलावत, आत्माराम नागला, जीवराज उपाध्याय, महेश तिवारी, यमनेश तिवारी (मोन्टू), घनश्याम ओझा तथा लव तिवारी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

तुम्मिडीहेट्टी बैराज की ऊंचाई 150 मीटर करने की मांग, रेवंत ने पाटिल से की मुलाकात

नई दिल्ली/हैदराबाद 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात कर राज्य की सिंचाई परियोजनाओं, विशेषकर तुम्मिडीहेट्टी बैराज से जुड़े लंबित मुद्दों पर चर्चा की।

इस दौरान मुख्यमंत्री रेड्डी के साथ राज्य के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी और सांसद भी मौजूद रहे। बैठक में श्री रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री पाटिल से अनुरोध किया कि वह महाराष्ट्र सरकार के साथ संवाद स्थापित कराने में हस्तक्षेप करें, ताकि तुम्मिडीहेट्टी बैराज की ऊंचाई को लेकर लंबे समय से लंबित विवाद का समाधान हो सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने तुम्मिडीहेट्टी बैराज के निर्माण के लिए 148 मीटर की ऊंचाई को मंजूरी दी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि महाराष्ट्र को 150 मीटर की ऊंचाई पर बैराज निर्माण के लिए सहमत कराने का प्रयास किया जाए। श्री रेड्डी ने कहा कि यदि बैराज की ऊंचाई 150 मीटर की जाती है, तब भी डूब क्षेत्र 1,000 हेक्टेयर से कम रहेगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे पर्यावरणीय और पुनर्वास संबंधी प्रभाव सीमित रहेंगे, जबकि परियोजना का लाभ कहीं अधिक होगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को यह भी अवगत कराया कि तुम्मिडीहेट्टी बैराज के निर्माण से गुरुत्वाकर्षण (ग्रेविटी) के माध्यम से पानी की आपूर्ति संभव होगी। इस पहल से महंगी लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं पर होने वाले बड़े व्यय से बचा जा सकेगा और राज्य में सिंचाई के साथ-साथ पेयजल उपलब्धता भी सुदृढ़ होगी।

उदय कृष्णा रेड्डी दो दिन की पुलिस हिरासत में, उप्परपल्ली अदालत ने दी अनुमति

हैदराबाद 05 अगस्त (शुभ लाभ विशेष रिपोर्ट)।

प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी से जुड़े बहुचर्चित मामले में जांच ने नया मोड़ ले लिया है। उप्परपल्ली अदालत ने पुलिस की हिरासत याचिका स्वीकार करते हुए आरोपी प्रशिक्षु अधिकारी को दो दिन की पुलिस कस्टडी में लेकर पूछताछ करने की अनुमति दे दी है। अदालत के इस आदेश के बाद जांच अधिकारी अब मामले के विभिन्न पहलुओं, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों तथा शिकायत में लगाए गए आरोपों के संबंध में विस्तृत पूछताछ करेंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट, डिजिटल संचार, चैट रिकॉर्ड, कॉल डिटेल तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा है। जांच एजेंसियों का उद्देश्य उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों का सत्यापन कर घटनाक्रम की वास्तविकता तक पहुंचना है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध साक्ष्यों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रैंक से मिली पहचान और विवादों में घिरा प्रशिक्षु अधिकारी

उदय कृष्णा रेड्डी सिविल सेवा परीक्षा में उत्कृष्ट रैंक प्राप्त करने के बाद चर्चा में आए थे। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के लिए चयनित होने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर भी व्यापक पहचान मिली। इसी दौरान उनके विरुद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से कई महिलाओं से संपर्क स्थापित करने, भावनात्मक संबंध बनाने तथा अनुचित व्यवहार करने के आरोप सामने आए। इन शिकायतों के सार्वजनिक होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और जांच प्रारंभ की गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, शिकायतों में लगाए गए आरोपों का परीक्षण उपलब्ध डिजिटल रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संबंधित व्यक्तियों के बयानों के आधार पर किया जा रहा

है। पुलिस फिलहाल प्रत्येक आरोप की स्वतंत्र रूप से जांच कर रही है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी साक्ष्यों का सत्यापन किया जा रहा है।

कुछ मीडिया रिपोर्टों और सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया कि पूछताछ के दौरान उदय कृष्णा रेड्डी ने कथित रूप से कहा, ''अगर उन्हें मैं पसंद था और मैंने हां कह दिया, तो इसमें गलत क्या है?'' हालांकि, इस कथित बयान की अब तक पुलिस या किसी सक्षम सरकारी एजेंसी द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए इस कथन को केवल अपुष्ट मीडिया दावे के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

दो दिन की पुलिस कस्टडी में क्या होगी जांच ?

अदालत द्वारा स्वीकृत दो दिन की पुलिस हिरासत के दौरान जांच अधिकारी निम्न बिंदुओं पर विशेष रूप से पूछताछ कर सकते हैं

-सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हुई बातचीत और संपर्कों का सत्यापन।

-विभिन्न शिकायतकर्ताओं के आरोपों का घटनाक्रम के अनुसार मिलान।

- मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच।

-चैट, ई-मेल, कॉल रिकॉर्ड तथा डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण।

- शिकायतकर्ताओं एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के बयानों के साथ उपलब्ध साक्ष्यों का मिलान।

* कथित घटनाओं के समय, स्थान और परिस्थितियों का सत्यापन।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि यदि जांच के दौरान नए तथ्य सामने आते हैं तो उसके अनुरूप आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासनिक सेवा की गरिमा पर उठे सवाल

इस मामले ने प्रशासनिक सेवाओं में चयनित अधिकारियों के आचरण, नैतिक मूल्यों और सार्वजनिक जीवन में उनकी जिम्मेदारियों को लेकर व्यापक चर्चा छेड़ दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवाओं जैसे प्रतिष्ठित पदों पर नियुक्त अधिकारियों से केवल प्रशासनिक दक्षता ही नहीं, बल्कि उच्च नैतिक आचरण, पारदर्शिता और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने की भी अपेक्षा की जाती है।

सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के दौर में सार्वजनिक पदों पर कार्यरत अधिकारियों को व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पहले की तुलना में अधिक हो गई है। किसी भी प्रकार के विवाद का प्रभाव न केवल संबंधित अधिकारी पर पड़ता है, बल्कि पूरी सेवा की प्रतिष्ठा पर भी प्रश्नचिह्न लग सकता है।फिलहाल पूरे मामले पर सभी की नजरें पुलिस जांच और आगामी न्यायिक प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं। दो दिन की पुलिस हिरासत के दौरान होने वाली पूछताछ से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

डायल 112 : अब एक कॉल पर मिलेगी 18 आपातकालीन सेवाएं, तेलंगाना में नई व्यवस्था लागू

हैदराबाद 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था अब पूरी तरह बदल गई है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद ने बुधवार को डायल 112 सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया।

इसके साथ ही पुलिस (100), अग्निशमन (101), एंबुलेंस (108) सहित कुल 18 आपातकालीन सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत कर दिया गया है। अब किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को अलग-अलग हेल्पलाइन नंबर याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी।

डीजीपी ने बताया कि नागरिक अब केवल 112 डायल कर पुलिस, फायर, एंबुलेंस, महिला सुरक्षा, चाइल्ड हेल्पलाइन, आपदा प्रबंधन, बिजली, जीएचएमसी, हाइड्रा और अन्य आवश्यक सेवाओं की तत्काल सहायता प्राप्त कर सकेंगे। अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कॉल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से कॉल मिलते ही ऑपरेटर संबंधित विभाग को तुरंत अलर्ट करेंगे और निकटतम टीम को मौके पर रवाना किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पहले जहां आपातकालीन कॉल पर प्रतिक्रिया देने में औसतन 3 से 4 मिनट का समय लगता था, वहीं नई प्रणाली के माध्यम से अब करीब 2 मिनट में रियल-टाइम रिस्पॉन्स देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्नत तकनीक की मदद से कॉलर की लोकेशन भी तत्काल ट्रेस की जाएगी, जिससे राहत एवं बचाव कार्य और अधिक तेज़ हो सकेगा।

डीजीपी सी.वी. आनंद ने बताया कि दिल्ली के निर्भया कांड के बाद केंद्र सरकार द्वारा गठित समिति ने पूरे देश में सभी आपात सेवाओं के लिए एक समान हेल्पलाइन नंबर लागू करने की सिफारिश की थी। इसी के आधार पर 112 को भारत का मानक आपातकालीन नंबर बनाया गया है, ताकि संकट की घड़ी में लोगों को अलग-अलग नंबर याद रखने की परेशानी न हो।

उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना देश का पहला राज्य है, जहां एआई और मानव संसाधन आधारित आधुनिक डायल-112 प्रणाली लागू की गई है। कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के टॉवर-बी की दो मंजिलें इस सेवा के लिए समर्पित की गई हैं। आने वाले समय में इस व्यवस्था को ड्रोन तकनीक, एडवांस लोकेशन ट्रैकिंग और स्मार्ट पुलिसिंग सिस्टम से भी जोड़ा जाएगा।

डीजीपी ने कहा कि डायल-112 केवल एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि 'पुलिसिंग 3.0' की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है, जो कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं को पहले से अधिक तेज़, प्रभावी और तकनीक-सक्षम बनाएगा।

इस अवसर पर डीजी विक्रम सिंह मान, श्रीनिवास, कमल हासन रेड्डी, साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल, सीआईडी प्रमुख चारू सिन्हा, सज्जनार सहित अनेक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा से समाज को प्रेरणा: गजराज जैन

हैदराबाद, 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में गजराज जैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निस्वार्थ भाव से संचालित सेवा कार्य पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा और भारतीय संस्कृति के सर्वोच्च आदर्शों का पालन है। जिस समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना के साथ यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है, वह वास्तव में अनुकरणीय है।

गजराज जैन ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सेवा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज के सहयोग, विश्वास और समर्पण से संचालित हो रही है।

समाज के अनेक सेवाभावी लोग बिना किसी भेदभाव और बिना किसी स्वार्थ के इस पुनीत कार्य में तन, मन और धन से सहयोग कर रहे हैं। यही सामूहिक भावना इस अभियान को निरंतर नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान को हमारे शास्त्रों में महादान कहा गया है, क्योंकि इससे किसी भूखे व्यक्ति की भूख मिटती है और उसके चेहरे पर संतोष की मुस्कान आती है। ऐसे सेवा कार्य समाज में करुणा, संवेदना, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़े और जरूरतमंदों की सहायता को अपना नैतिक दायित्व समझे।

गजराज जैन ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व का जो आदर्श स्थापित किया है, वह अन्य संस्थाओं और युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है।

यदि समाज इसी प्रकार एकजुट होकर सेवा का संकल्प ले, तो कोई भी जरूरतमंद भूखा नहीं रहेगा और मानवता की यह ज्योति निरंतर प्रज्ज्वलित होती रहेगी। उन्होंने सभी नागरिकों से इस सेवा अभियान में सहभागी बनने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, भगतराम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, गोपाल गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, राजेश पोत्रपल्ली एवं गजराज जैन उपस्थित रहे।

हयातनगर में प्लॉट विवाद, दो घायल

हैदराबाद 05 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हयातनगर थाना क्षेत्र स्थित बंजारा कॉलोनी में प्लॉट स्वामित्व को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक हो गया। घटना में दो लोग घायल हो गए, जबकि तीन अन्य को मामूली चोटें आई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित पक्ष का आरोप है कि वर्ष 2009 में बेचे गए प्लॉट को लेकर दूसरे पक्ष ने दोबारा स्वामित्व का दावा करते हुए उनके घर पर पहुंचकर पत्थरों और डंडों से हमला किया। आरोप है कि आरोपितों ने मकान पर भी अपना अधिकार जताते हुए धमकी दी।

पीड़ित पक्ष का यह भी कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान माता-पिता को खो चुकी दो बहनें इस मकान में रह रही हैं। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके रिश्तेदारों पर भी कथित रूप से हमला किया गया। पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि दूसरे पक्ष के एक युवक ने चाकू दिखाकर धमकाया।

घटना में दो महिलाओं को सिर पर चोटें आईं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। तीन अन्य को मामूली चोटें लगी हैं।

मामले में दोनों पक्षों ने हयातनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

रामगुंडम पुलिस ने 40 किलो से अधिक गांजा नष्ट किया

मंचेरियाल, 5 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): रामगुंडम पुलिस कमिश्नरेट द्वारा गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों के उन्मूलन के लिए सख्त कार्रवाई जारी है। पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने बताया कि कमिश्नरेट अंतर्गत पेद्दापल्ली और मंचेरियल जिलों के विभिन्न थानों में दर्ज 81 एनडीपीएस मामलों में आरोपियों से जब्त 40.173 किलोग्राम सूखा गांजा तथा 26 गांजे के पौधों को न्यायालय की अनुमति से नष्ट किया गया।न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति में एफएसएल जांच हेतु नमूने सुरक्षित रखने के बाद, कमिश्नरेट की ड्रग डिस्पोजल कमेटी की देखरेख में पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए करीमनगर जिले के मानकोंडूर मंडल के ईदुलगट्टेपल्ली स्थित वेंकटरमणा इनसिनरेटर्स में गांजे को जलाकर नष्ट किया गया। नष्ट किए गए गांजे और पौधों की अनुमानित कीमत 17.09 लाख रुपये है।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अवैध लाभ के लिए गांजे की खेती, तस्करी, भंडारण, आपूर्ति और बिक्री कर युवाओं को नशे की लत लगाने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। स्थानीय पुलिस, स्पेशल ड्रग कंट्रोल टीमें और नारकोटिक्स विभाग संयुक्त रूप से व्यापक अभियान चला रहे हैं।इस कार्यक्रम में पेद्दापल्ली डीसीपी बी. राम रेड्डी, अतिरिक्त डीसीपी (प्रशासन) के. श्रीनिवास, गोदावरीखानी एसीपी एम. रमेश, जयपुर एसीपी ए. वेंकटेश्वरलु, स्पेशल ब्रांच एसीपी नागेंद्र गौड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेम सागर राव ने भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज किया

मंचेरियाल, 5 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): मंचेरियाल से कांग्रेस विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ जानबूझकर झूठा प्रचार किया जा रहा है और कुछ जनप्रतिनिधि राजनीतिक साजिश के तहत उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

कल एक अखबार में विधायक के खिलाफ भ्रष्टाचार की खबर प्रकाशित होने के बाद भाजपा राज्य उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबली ने राज्य भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में उन पर आरोप लगाए थे। जवाब में आज प्रेम सागर राव ने गांधी भवन में संवाददाता सम्मेलन बुलाकर इन आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ प्रकाशित खबरें पूरी तरह गलत हैं और उन्होंने कोई अवैध गतिविधि नहीं की है।

विधायक ने आरोप लगाया कि विरोधी उनके खिलाफ अन्य अखबारों में झूठी खबरें प्रकाशित करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुष्प्रचार करने वालों को नहीं छोड़ेंगे और जल्द ही पूरी साजिश का पर्दाफाश होगा।

मीज़ान एजुकेशनल इंस्टीट्यूट का दीक्षांत समारोह-2026 भव्य रूप से संपन्न

हैदराबाद, 5 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): महिलाओं की शिक्षा एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में अग्रणी संस्था मीज़ान एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने अपनी 24 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दीक्षांत समारोह-2026 का भव्य आयोजन फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई), रेड हिल्स में सफलतापूर्वक संपन्न किया।

पिछले 24 वर्षों से संस्था गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, नेतृत्व क्षमता और चरित्र निर्माण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। इस गरिमामय समारोह में 250 छात्राओं ने स्नातक उपाधियाँ प्राप्त कीं। उनकी उपलब्धियों के सम्मान में उन्हें पदक, स्मृति-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि श्री सैयद मजहरुद्दीन हुसैनी, कार्यकारी निदेशक, एसईईडी यूएसए ने अपने संबोधन में छात्राओं से सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, करुणा और सेवा-भाव को जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए ज्ञान के साथ उत्कृष्ट चरित्र भी आवश्यक है।

विशिष्ट अतिथि श्री सैयद कुतुबुद्दीन ने छात्राओं को व्यावसायिक दक्षता, अनुशासन, उत्कृष्टता और निरंतर सीखने की भावना अपनाने के लिए प्रेरित किया।

शौकत अली चैरिटेबल क्लिनिक की अध्यक्षा श्रीमती आबेदुन्निसा बेगम ने विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में छात्राओं, शिक्षकों और संस्थान के उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की।

मीज़ान कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती ज़ैबुन्निसा बेगम ने नवस्नातक छात्राओं को बधाई देते हुए उनके सफल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों की प्रतिबद्धता की सराहना की।

कार्यक्रम का समापन सुश्री सुमैरा बेगम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.